जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBIT

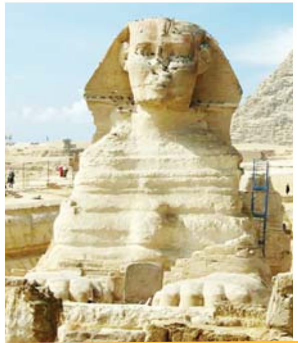

The Sphinx Speaks & Isis Sooths Crocs

According to legend, the Sphinx guarded the entrance to the city of Thebes, and posed a riddle to anyone who wished to enter.

Controlling Feel Good

Trending Earring Styles

There's a wide array of earring types to suit your style

पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने रविवार को जयपुर के झारखण्ड महादेव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। पायलट ने कहा, कि वे भगवान भोलेनाथ से प्रदेश की खुशहाली का आशीर्वाद लेने आये हैं।

पायलट ने मु.मंत्री गहलोत पर हमला बोलते हुए कहा, हमने पटवारी पर छापे मारने के लिए वोट नहीं मांगे थे

‘25 सितंबर की घटना कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के विरोध में बगावत थी, विद्रोह से पार्टी और सरकार को क्षति पहुंची’

■ पायलट ने कहा, सोनिया गांधी के आदेशों की अवहेलना हुई, खड़गे और माकन की बेइज्जती हुई, लेकिन कार्यवाही नहीं हुई।

■ रंधावा संजीदा, समझदार व्यक्ति हैं, यह रिपोर्ट भी बनानी चाहिए कि, मंत्री-विधायकों पर आरोप लगे, उसका संज्ञान लेकर खड़गे तक पहुंचाना चाहिए, ताकि कार्रवाई करें।

जयपुर, 23 अप्रेल (का.प्र.)। लंबे समय से अपनी कही हुई बातों की सुनवाई नहीं होने को लेकर इस बार सचिन पायलट ने सीधे-सीधे आलाकमान को चेताया है कि, 25 सितंबर को जो कुछ हुआ, वह सबके सामने है। खुलेआम सोनिया गांधी के आदेशों की अवहेलना हुई। मल्लिकार्जुन खड़गे और अजय माकन की बेइज्जती हुई, लेकिन कारण बताओ नोटिस देने के बावजूद अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई।

सचिन पायलट ने अपने अनशन के जरिए भाजपा के समय हुए भ्रष्टाचार के मुद्दे से अलग इस बार सीधे आलाकमान तक संदेश पहुंचाने का प्रयास किया है कि, राजस्थान में जो कुछ भी हो रहा है, वह सीधे-सीधे आलाकमान को चुनौती देने वाला काम है। इसी के साथ उन्होंने राजस्थान के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा को भी सलाह दी है कि, जिस तरह से राजस्थान के मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं। इस बारे में भी रिपोर्ट बनाकर उन्हें एआईसीसी तक पहुंचानी चाहिए, ताकि कार्यवाही हो सके। कुल मिलाकर सचिन पायलट की ओर से पिछले कुछ दिनों से सीधे टकराव का रास्ता अपना लिया गया है।

वसुंधरा सरकार में हुए भ्रष्टाचार पर कार्रवाई को लेकर सचिन पायलट ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर हमला बोलते हुए रविवार को कहा कि, हमने पटवारी पर छापे मारने के लिए वोट नहीं मांगे थे। अनशन के दो सप्ताह के बाद भी सरकार ने कार्रवाई नहीं की है, यह अनशन पार्टी के हित में था। गौरतलब है कि, गहलोत ने पायलट के आरोपों पर कहा था कि भ्रष्टाचार पर जितनी कार्रवाई राजस्थान में हुई, उतनी कहीं नहीं हुई। रविवार को झारखंड महादेव मंदिर में सचिन पायलट ने कहा कि, 25 सितंबर को जो कुछ हुआ, वह सबके सामने है। खुलेआम सोनिया गांधी के आदेशों की अवहेलना हुई, खड़गे साहब और माकन की खुलेआम बेइज्जती की गई। पार्टी विरोधी गतिविधि तो वह थी। उसके बाद कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू हुई, फिर थम गई, उस पर भी सवाल उठेंगे, लेकिन इसका जवाब मेरे पास नहीं है। यह बात सच है कि 25 सितंबर की घटना हुई, वह उस समय की हमारी कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के विरोध में बगावत थी। जो विद्रोह हुआ था, उससे पार्टी और सरकार को क्षति पहुंची थी। सब पब्लिक डोमेन है। पार्टी ने शो कॉज नोटिस जारी किया। उसके बाद जवाब आए नहीं आए, क्या कार्रवाई हुई, यह सवाल तो बनता ही है।

इसी के साथ पायलट ने अपने अनशन को लेकर कहा कि कमलनाथ और वेणुगोपाल से बात हुई। उसमें हमने पक्ष रखा, सच्चाई बताई। बैकग्राउंड को बताया। भविष्य में क्या चाहते हैं, किस दिशा में हमारी पार्टी को जाकर जीत मिल सकती है, उसके बारे में उन्हें सुझाव दिया है। वह सुझाव एक ही है कि, हमने जो कहा, वह करके दिखाना चाहिए, क्योंकि हम बीजेपी का धुआं निकालने की क्षमता रखते हैं, वह इस भ्रम को नहीं फैला दें कि यहां किसी तरह की सांठगांठ है।

उन्होंने कहा कि, पब्लिक परसेप्शन बहुत महत्वपूर्ण है, यह परसेप्शन नहीं बने कि मिले हुए हैं, इसलिए मैंने बात को रखा है। उन्होंने कहा कि, वसुंधरा राजे की सरकार में तमाम माफिया पनपा। हम राष्ट्रपति से मिले, ज्ञापन दिया। किसी ने गलती की है तो सजा मिलनी चाहिए। अनशन के दो हफ्ते बाद भी कोई

(शेष पृष्ठ 7 पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है।
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

खालिस्तान समर्थक अमृतपाल मोगा जिले के एक गुरुद्वारे से गिरफ्तार हुआ

पंजाब पुलिस को 36 दिनों के सर्च ऑपरेशन के बाद यह कामयाबी मिली

■ पंजाब पुलिस ने बताया कि, अमृतपाल सिंह को पकड़ने के लिए पंजाब पुलिस ने मोगा जिले रोडे गांव को चारों ओर से घेर लिया था।

■ अमृतपाल ने एक गुरुद्वारे में शरण ले रखी थी, रविवार सुबह करीब 6.45 बजे उसने पुलिस के समक्ष सरेंडर कर दिया।

चंडीगढ़, 23 अप्रैल (वार्ता)। पंजाब की अमृतसर पुलिस और इंटैलिजैंस विंग ने एक संयुक्त आरेशन में ‘वारिस पंजाब दे’ संगठन के प्रमुख और खालिस्तान समर्थक भगोड़े अमृतपाल सिंह को रविवार सुबह रोडे गांव के एक गुरूद्वारे से राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस महानिरीक्षक (मुख्यालय) सुखचैन सिंह गिल ने प्रेसवार्ता में बताया कि अमृतपाल और उसके साथियों के खिलाफ 36 दिनों तक चले सर्च अभियान के पश्चात आज सुबह पौने सात बजे अमृतपाल को गिरफ्तार किया गया। उन्होने कहा कि खुफिया सूचनाओं के बाद आज सुबह पूरे रोड गांव की घेराबंदी कर दी गई थी। पंजाब पुलिस के विभिन्न विंग सहयोग से काम कर रहे थे। उन्होने कहा कि चूंकि अमृतपाल गुरुद्वारे के अंदर था, इसलिए पुलिस ने इसकी पवित्रता बनाए रखने के लिए गुरुद्वारे में प्रवेश नहीं किया। उन्होने कहा कि हमारे पास विशेष इनपुट था कि अमृतपाल सिंह रोडे गांव में मौजूद था, उसे घेर लिया गया था और उसके पास बचने का कोई मौका नहीं था।

आईजीपी गिल ने बताया कि अमृतपाल सिंह को गिरफ्तार कर डिब्रुगढ़ जेल के लिए रवाना कर दिया गया है, जहां अमृतपाल सिंह के चाचा हरजीत सिंह सहित उनके नौ अन्य सहयोगी पिछले महीने से ही डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल में बंद हैं। उन्होने चेतावनी देते हुए कहा कि राज्य का माहौल खराव करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होने इस सारे आपरेशन दौरान राज्य में शांति बनाए रखने के लिए लोगों का धन्यवाद किया।

उल्लेखनीय है कि दो दिन पूर्व अमृतपाल की पत्नी किरनदीप कौर को भी लंदन जाने की कोशिश करते समय अमृतसर के हवाई अड्डे पर रोक लिया था जहां लगभग चार घंटे पूछताछ करने उपरांत उसे उसके गांव वापस भेज दिया था।

डिब्रूगढ़ के मोहनबाड़ी हवाई अड्डे पर रविवार सुबह से ही भारी सुरक्षा तैनाती देखी जा रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक अमृतपाल को विशेष विमान से एनएसए और पंजाब पुलिस के अधिकारियों के साथ लाया जाएगा। असम पुलिस की एक विशेष टीम एयरपोर्ट पर उनकी अगवानी करेगी। इस बीच, डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल के बाहर भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। वहां पहले से ही बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था थी, लेकिन रविवार को और सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए।

पंजाब के सभी पुलिस आयुक्तों और एसएसपी को निर्देश दिया गया है कि वे शांति सुनिश्चित करने के लिए कड़ी निगरानी रखें और अपने अधिकार क्षेत्र के तहत कानून व्यवस्था बनाए रखें। कुछ कट्टरपंथी संगठनों द्वारा

(शेष पृष्ठ 7 पर)

सूचना

आज से राष्ट्रदूत जयपुर संस्करण की एक प्रति का मूल्य 3.50 रुपये कर दिया गया है।

-प्रबन्धक

हैलिकॉप्टर की चपेट में आने से उत्तराखण्ड के वरिष्ठ अधिकारी की मौत

■ उत्तराखंड नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (यूकाडा) के वित्त नियंत्रक अमित सैनी की मौत हो गई।

देहरादून 23 अप्रैल (वार्ता)। रविवार को केदारनाथ में हैलिकॉप्टर की चपेट में आने से उत्तराखंड नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (यूकाडा) के वित्त नियंत्रक अमित सैनी की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि, वे देहरादून में हैलिकॉप्टर राइड से संबंधित सेवाओं एवं सुविधाओं की जांच परख करने पहुँचे थे। अचानक वे

(शेष पृष्ठ 7 पर)

सूडान में फंसे हैं तीन हजार भारतीय

■ केन्द्र सरकार ने युद्ध ग्रस्त सूडान से प्रवासी भारतीयों की सुरक्षित स्वदेश वापसी के लिए मिशन शुरु किया।

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (वार्ता)। सरकार ने युद्धग्रस्त सूडान में फंसे करीब तीन हजार प्रवासी भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए वायुसेना के दो विमान एवं नौसेना के एक युद्धपोत को सूडान के निकट तैनात कर दिया है और ज़मीनी सुरक्षा परिस्थिति में मौका मिलते ही आकस्मिक निकासी अभियान चलाया जाएगा।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि, भारत सरकार सूडान में जटिल और उभरती सुरक्षा स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रही है और वहां फंसे भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। बयान में कहा गया, हम उन भारतीयों की सुरक्षित आवाजाही के लिए विभिन्न साझेदारों के साथ भी निकटता से समन्वय कर रहे हैं जो सूडान में फंसे हुए हैं और उन्हें निकालना चाहते हैं।

यौन उत्पीड़न मामले में दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहलवानों को धरना फिर शुरु हुआ

पहलवानों का आरोप है कि, ढ़ाई महीने बीत जाने के बाद भी केन्द्र सरकार ने, कोई कार्रवाई नहीं की है

■ पहलवान बजरंग पूनिया व साक्षी मलिक इस धरना प्रदर्शन को लीड कर रहे हैं।

■ पहलवान साक्षी मलिक ने कहा कि, हमने दो दिन पहले सी.पी पुलिस थाने में शिकायत की थी, पर कोई सुनवाई नहीं हुई।

■ भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर सात लड़कियों से छेड़छाड़ व यौन उत्पीड़न का आरोप है।

नई दिल्ली, 23 अप्रेल। दिल्ली के जंतर-मंतर पर बजरंग पूनिया सहित कई पहलवानों का फिर से धरना शुरू हो गया है। धरने के बारे में पहलवानों की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस करके धरने को लेकर पूरी जानकारी दी गई। पहलवान साक्षी मलिक ने कहा कि, हमने दो दिन पहले सी.पी. पुलिस थाने में शिकायत की थी, पर कोई सुनवाई नहीं हुई। सात लड़कियों ने एफ.आई.आर. दर्ज कराई है। उनमें से एक लड़की नाबालिग है और यह मामला पॉस्को एक्ट के अंदर आता है। उन्होंने कहा, ढाई महीने हो गए, लेकिन इस मामले में केन्द्र सरकार द्वारा गठित समिति का कोई फैसला नहीं आया है।

साक्षी मलिक ने कहा कि, सैक्सुअल हैरेसमेंट का मामला था। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष और बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ मामला है। मामले की सुनवाई नहीं हुई तो हम हारकर वापस यहां आने पर मजबूर हो गए। हमें लोग झूठे समझने लगे हैं। लोगों को लगता है कि, हम झूठ बोल रहे थे। हम अपना करियर, फ्यूचर और परिवार सब दांव पर लगा कर आए हैं, जिसके खिलाफ हम लड़ रहे हैं, वो बहुत स्ट्रॉन्ग है, कौन उनके साथ है, कौन नहीं आप बेहतर जानते हैं। कोई तीन महीना से सब से समय मांग रहे हैं, खेल मंत्री और मंत्रालय से भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। हम खत्म हो गए, इसीलिए मजबूरन धरना दे रहे हैं, लोग

(शेष पृष्ठ 7 पर)

‘राजस्थान राइट टू हैल्थ गैर जिम्मेदाराना लोक लुभावन तत्व का प्रतिनिधित्व करता है’

‘जनता को ऐसा अधिकार दिया गया है, जिसे अमल में लाने के लिये जरूरी वित्तीय व मानव संसाधन राज्य के पास नहीं हैं’

-डॉ. अरविंद पानगड़िया-

डॉ. अरविन्द पानगड़िया कोलंबिया विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर हैं तथा मूलतः राजस्थान के रहने वाले हैं, अतः राज्य की आर्थिक सामाजिक व राजनीतिक स्थिति से काफी वाकिफ रहते हैं तथा हाल ही में प्रकाशित लेख में राजस्थान राइट टू हैल्थ बिल, 2022, पर उन्होंने सार गर्भित टिप्पणी की है।

■ इसके अलावा राज्य इस स्थिति में भी नहीं है कि, आगामी वर्षों में राज्य के इन संसाधनों में उल्लेखनीय वृद्धि अपेक्षित है।

■ वित्त के सतत कुप्रबंधन तथा खराब शासन प्रशासन के चलते, राज्य (राजस्थान) देश के बड़े राज्यों में दूसरा सर्वाधिक ऋण ग्रस्त राज्य बन चुका है तथा राज्य की ऋण की ''सस्टेनबिलिटी'' पर सवाल खड़े होने लगे हैं।

■ इसमें चौंकने जैसी कोई बात नहीं है कि, राइट टू हैल्थ बिल जिस रूप में पारित हुआ है, अपने क्रियान्वयन का पूरा भार मौजूदा अस्पतालों पर डाल रहा है।

जयपुर, 23 अप्रेल। नीतियों और योजनाओं में लोक-लुभावन तत्व दो प्रकार का होता है- ज़िम्मेदाराना और गैर ज़िम्मेदाराना। ज़िम्मेदार लोक लुभावन तत्व ऐसी नीतियों और योजनाओं को आगे बढ़ाता है जो वोट खींचती हैं और उपलब्ध वित्तीय एवं भौतिक संसाधनों के अंदर क्रियान्वित होती हैं तथा समग्र सामाजिक कल्याण को आगे बढ़ाती हैं। गैर ज़िम्मेदराना लोकलुभावन तत्व भी वोट खींचने में मदद करता है लेकिन यह लोकलुभावन तत्व ना तो उपलब्ध संसाधनों के अनुरुप होता है, ना ही समाज कल्याण को आगे बढ़ा पाता है।

राजस्थान में राइट टू हैल्थ बिल, 2022 इसी प्रकार के गैर ज़िम्मेदाराना लोक लुभावन तत्व का प्रतिनिधित्व करता है। इस मामले में समस्या यह है कि जनता को एक ऐसा अधिकार दिया जा रहा है, जिसे अमल में लाने के लिए राज्य के पास जरुरी वित्तीय एवं मानव संसाधन की कमी है। इस संदर्भ में, यह स्मरण दिलाना उल्लेखनीय होगा कि पिछली बार सरकार ने देश में शिक्षा को कानूनी अधिकार देने का लक्ष्य तय किया था जिसके तहत 6 से 14 साल के बच्चों को शिक्षा का कानूनी अधिकार दिया गया था। इस अधिकार को अमल में लाने वाला अधिनियम 1 अप्रैल 2010 को लागू हुआ था। उस तिथि तक 6 से 14 साल के 96 प्रतिशत बच्चे पहले से ही स्कूल में थे तथा इस प्रकार यह अधिकार प्रदान करना आसान हो गया था परंतु स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में स्थिति इस प्रकार की नहीं है।

राजस्थान में वर्तमान चिकित्सा संसाधन, राइट टू हैल्थ को कानूनी रुप से अच्छी तरह लागू करने के लिहाज से बहुत ही कम हैं। इसके अलावा, राज्य इस स्थिति में भी नहीं है कि आगामी वर्षों में इन संसाधनों में अपेक्षित एवं उल्लेखनीय वृद्धि एवं विस्तार कर सके। वित्त के सतत कुप्रबंधन तथा खराब शासन प्रशासन के चलते यह राज्य देश के बड़े राज्यों में दूसरा सर्वाधिक ऋण ग्रस्त राज्य बन चुका है। इसे कोढ़ में खाज ही कहा जायेगा कि राज्य के ग्रॉस स्टेट डॉमेस्टिक प्रोडक्ट (जीएसडीपी) के अनुपात में राजकोषीय घाटा इन वर्षों में सर्वोच्च रहा है, जिसके चलते राज्य की ऋण चुकाने की क्षमता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

पहलवानों के यौन उत्पीड़न मामले में दिल्ली पुलिस को नोटिस

■ दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न मामले में पर प्राथमिकी दर्ज नहीं करने को लेकर पुलिस को नोटिस जारी किया है।

नई दिल्ली, 23 अप्रेल। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न मामले में कथित तौर पर प्राथमिकी दर्ज करने को लेकर पुलिस को नोटिस जारी किया है। महिला पहलवानों ने दिल्ली महिला आयोग से शिकायत की है कि, उन्होंने दो दिन पहले पुलिस को लिखित शिकायत दी है,

(शेष पृष्ठ 7 पर)

विचार बिन्दु

चापलूस आपको हानि पहुंचा कर अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाहता है। –हरिऔध

यह ऐतिहासिक महत्त्व का काम हुआ है!

बावज़ूद इस संभावना के कि मेरी इस बात से बहुत सारे लोग असहमत हो सकते हैं, मेरा यह स्पष्ट मत है कि राजस्थान सरकार ने अपने उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्यरत महाविद्यालय शिक्षकों में से 1309 वरिष्ठ शिक्षकों को प्रोफ़ेसर पद पर पदोन्नत कर बहुत बड़ा और ऐतिहासिक महत्त्व का काम किया है। सरकार के इस काम की मेरी सराहना को सही संदर्भों में समझने के लिए इस बात की पूरी पृष्ठभूमि को समझना होगा।

देश के अन्य प्रांतों की तरह हमारे प्रांत में भी उच्च शिक्षा की दो मुख्य धाराएं हैं:– एक धारा है विश्वविद्यालय और दूसरी है महाविद्यालय। इन दोनों की उप धाराएं भी हैं, लेकिन उनकी चर्चा फिलहाल उपयोगी नहीं होगी। बहुत पहले से यह सोच विद्यमान रहा है कि विश्वविद्यालय मुख्यत: स्नातकोत्तर अध्ययन और शोध के लिए होते हैं और महाविद्यालय स्नातक स्तरीय शिक्षण के लिए। अकादमिक दुनिया में विश्वविद्यालयों को ऊंचा माना जाता रहा है और विभिन्न शैक्षिक नीतियों और निर्णयों में उनकी ही भूमिका प्रमुख रहती है। मसलन, महाविद्यालयों में क्या पढ़ाया जाए, यह तै करने का काम विश्वविद्यालयों के पास रहता है। पाठ्यक्रम निर्माण से लगाकर परीक्षाओं के संचालन तक में उनकी मुख्य और महाविद्यालयों की गौण भूमिका रहती है। पदनाम के लिहाज़ से भी इन दोनों में अंतर रहा है। जहां विश्वविद्यालयों में लेक्चरर, रीडर और प्रोफ़ेसर की त्रिस्तरीय व्यवस्था विद्यमान रही वहां महाविद्यालयों में मोटे तौर पर लेक्चरर और प्रिंसिपल की दो स्तरीय व्यवस्था रही। विश्वविद्यालयों में बाद में पदनाम परिवर्तन हुआ तो लेक्चरर असिस्टेण्ट प्रॉफेसर हो गया, रीडर असोसिएट प्रोफ़ेसर हो गया। महाविद्यालयों में पदनाम परिवर्तन के लिए बहुत लम्बी लड़ाई लड़ी गई और काफी ना नुकर के बाद विश्वविद्यालय के समान पदनाम स्वीकृत किए गए। लेकिन महाविद्यालय शिक्षकों की पीड़ा इसके बाद भी ख़त्मनहीं हुई। प्रारम्भ में तो यह भी प्रावधान था कि असोसिएट प्रोफ़ेसर पद पर जितने लोग कार्यरत हैं उनके केवल दस प्रतिशत ही प्रोफ़ेसर पद पर पदोन्नत हो सकेंगे। यह प्रावधान अन्यायपूर्ण था, लेकिन लागू इतना भी नहीं हुआ। कागज़ों में तो स्वीकृति हो गई लेकिन प्रोफ़ेसर बनाया किसी को भी नहीं गया। इसके अनेक कारण रहे।

इस कारण हुआ यह कि मान लें एक ही तिथि को एक व्यक्ति ने विश्वविद्यालय में पदभार ठाहण किया और दूसरे ने महाविद्यालय में, तो कुछ बरस बाद विश्वविद्यालय वाला तो प्रोफ़ेसर बन गया, महाविद्यालय वाला लेक्चरर ही बना रहा। बहुत बार तो ऐसा भी हुआ कि महाविद्यालय में पूरी ज़िंदगी नौकरी कर चुकने के बाद भी व्यक्ति उसी पद से सेवा निवृत्त भी हो गया जिस पद से उसने नौकरी शुरू की थी। न सिर्फ इतना, पदनाम न बदलने या पदोन्नत न होने से अनेक अकादमिक उपलब्धियों से भी उसे वंचित रहना पड़ा। अगर आप इतने वर्ष तक प्रोफ़ेसर नहीं रहे तो आप कुलपति के पद के लिए पात्र नहीं होंगे से लगाकर पदनाम न होने से शोध निदेशक, बल्कि शोध परीक्षक तक न बन पाने तक की अनेक व्यथाएं महाविद्यालयों के शिक्षक झेलते रहे हैं। इस बीच राजस्थान में उच्च शिक्षा का खूब विस्तार हुआ। न केवल नए विश्वविद्यालय खुले, खूब सारे नए महाविद्यालय भी खोले गए। इसके बावज़ूदमहाविद्यालयों में असल पदोन्नति यही सम्भव है कि आप प्राचार्य बन जाएं। लेकिन प्राचार्य तो उतने ही बनेंगे जितने महाविद्यालय होंगे।

महाविद्यालयों में कार्य करने का एक बहुत बड़ा नुकसान यह तो शुरू से ही है कि अकादमिक दुनिया में विश्वविद्यालय में काम करने वाले को विद्वान और महाविद्यालय में काम करने वाले को एंवेई माना जाता रहा है। इस बात का ज़िक्र न ही किया जाना उपयुक्त होगा कि सामान्यत: विश्वविद्यालयों में कितना काम होता है और महाविद्यालयों में कितना होता है। नहीं नहीं करते भी महाविद्यालयों में कक्षाएं लगती हैं, पढ़ाई होती है, शिक्षक पढ़ाने के अलावा भी बहुत सारे काम करते हैं। इन सबके बावज़ूद रहते वे इस अकादमिक दुनिया के द्वितीय श्रेणी के नागरिक ही हैं। इस सबके ऊपर यह कि उनकी पदोन्नति के अवसर भी सीमित होते हैं। स्वाभाविक ही है कि विभिन्न शिक्षक संगठन इस दूरी व असमानता को पाटने के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहे हैं और उन्हीं के प्रयत्नों से महाविद्यालय शिक्षकों को विश्वविद्यालय के समान पदनाम प्राप्त हुए। असमानता दूर करने की दिशा में उठा यह दूसरा कदम था। पहला कदम इससे पहले समान वेतनमान के रूप में उठाया जा चुका था। यहीं यह भी याद दिला देना अनुचित नहीं होगा कि लम्बे समय तक विश्वविद्यालय की तुलना में महाविद्यालय शिक्षकों का वेतन कम था और यह फासला साल दर साल बढ़ता जाता था। बात को स्पष्ट करने के लिए मैं अपना उदाहरण देता हूं। जिस समय मेरा वेतनमान 375 से प्रारम्भ होता था, उसी समय विश्वविद्यालय शिक्षक का 400 से प्रारम्भ होता था, और जैसे इतना ही पर्याप्त न हो, मुझे 25 प्रतिशत वार्षिक की वेतन वृद्धि मिलती थी, उन्हें 40 प्रतिशत वार्षिक की। इस तरह फासला साल दर साल बढ़ता जाता था। अगर वेतनमान न बदलते या पदोन्नित न होती तो दस साल की नौकरी के बाद विश्वविद्यालय में कार्यरत शिक्षक को 760 मूल वेतन मिलता, जबकि उसी के साथ काम शुरू करने वाला महाविद्यालय शिक्षक 600 तक ही पहुंच पाता। जो लोग मेरे साथ विश्वविद्यालय में गए वे कभी के प्रोफ़ेसर बन गए, जबकि मैं लेक्चरर ही रहा। अलबत्ता इसके साथ सीनियर और सेलेक्शन स्केल जैसे शब्द जुड़ते रहे। सेवा निवृत्त होते–होते प्राचार्य भी बन गया, लिखता पढ़ता भी रहा, अकादमिक दुनिया में पहचान भी बनी, स्नातकोत्तर अध्यापन भी किया, लेकिन प्रोफ़ेसर पद मेरी पहुंच से बाहर ही रहा। अब बहुत बरसों के संघर्ष के बाद मेरे सेवा संवर्ग के साथियों को व्यथित करने वाली यह विसंगति दूर हो सकी है। यह देर आयद दुरुस्त आयद वाली बात है।

बहरहाल, अभी तो नए बने प्रोफ़ेसरों को बधाई और उनसे यह निवेदन भी कि पूरा समाज उनकी तरफ आशा भरी निगाहों से देख रहा है, अब यह उनका दायित्व है कि वे अपने चयन को सही साबित करें। शिक्षक से हमारा समाज कुछ ज़्यादा ही अपेक्षाएं रखता है।

इस पूरी पृष्ठभूमि में देखने पर स्पष्ट हो जाएगा कि राजस्थान सरकार ने अपने उच्च शिक्षा विभाग में कार्यरत महाविद्यालय शिक्षकों में से 1309 को प्रोफ़ेसर पद पर पदोन्नत कर एक ऐतिहासिक महत्त्व का काम किया है। जो लोग इस पूरी प्रक्रिया से परिचित नहीं हैं उनकी जानकारी के लिए यह भी बता दूं कि ये लोग बहुत जटिल प्रक्रिया की कसौटियों पर खरे उतर कर प्रोफ़ेसर बने हैं। यह देखा–परखा गया है कि इन्होंने ख़ुद पी–एचडी की उपाधि हासिल की है या नहीं, इन्होंने कितने शोध पत्र प्रकाशित करवाए हैं, क्या इन्होंने शोध निर्देशन किया है, इनके निर्देशन में कितने विद्यार्थियों को शोध उपाधि प्रदान की गई है, क्या इनके पास कोई शोध परियोजनाएं भी थीं, क्या इन्होंने स्तरीय गोष्ठियों सेमिनार आदि में सहभागिता की है, वहां पत्र वाचन किया है, इनके प्रकाशन क्या और कितने हैं, क्या इन्होंने अध्यापन सामग्री के विकास और पाठ्यक्रम निर्माण में कोई योग दिया है, जिस संस्था में ये काम करते हैं वहां इनका क्या योगदान रहा है, इनका वार्षिक कार्य निष्पादन संतोषप्रद रहा है या नहीं – और ऐसे अनेक मानदण्डों पर इनको जांचा–परखा गया है, तब कहीं जाकर इनके नाम के आगे प्रोफ़ेसर जुड़ सका है। यह काम होने में विलंब तो हुआ ही है। इस सूची में 149 साथी ऐसे हैं जो सेवा निवृत्त हो चुके हैं। अगर उन्हें सेवा में रहते यह पद हासिल हुआ होता तो बात ही कुछ और होती। उम्मीद करें कि भविष्य में यह काम समयबद्ध रूप से होता रहेगा।

महाविद्यालय शिक्षकों को प्रोफ़ेसर पद पर पदोन्नत कर राज्य सरकार ने उनकी लम्बे समय से चली आ रही मांग को पूरा कर जो काम किया है उसकी जितनी तारीफ़ की जाए कम है। यह काम बहुत श्रमसाध्य था और इसके लिए शिक्षकों और कर्मचारियों की एक बड़ी टीम ने दिन–रात अनथक श्रम किया है। यह सब सम्भव इसलिए भी हुआ कि शिक्षकों की इस मांग को न केवल प्रशासन का, राजनेताओं का भी समर्थन मिल सका। यह बात कहने की ज़रूरत नहीं है कि हमारे यहां राजनेताओं और प्रशासन की इच्छा के बग़ैर पत्ता भी नहीं हिल सकता है। तंत्र के भीतर रहकर मैंने इस बात को बहुत अच्छी तरह जाना समझा है। और यही कारण है कि राज्य के उच्च शिक्षा विभाग में हुए इस ज़बर्दस्त काम के लिए मैं कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय के उच्चाधिकारियों, शासन सचिवालय के संबद्ध अधिकारियों और राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री व मुख्य मंत्री की मुक्त कण्ठ से सराहना करना चाहता हूं। एक बार फिर कहूं कि जिन अधिकारियों और कर्मचारियों ने अभिलेखों की जांच परख कर इन प्रोफ़ेसरों की अर्हता सुनिश्चित की, उनका काम सर्वाधिक प्रशंसनीय रहा है। शिक्षक संगठनों ने अनवरत दबाव बनाए रखा, इस बात की भी तारीफ़ की जानी चाहिए।

मैंने प्रारम्भ में यह ज़िक्र किया कि कुछ लोग मेरे इस सोच से असहमत हो सकते हैं। मैं उनकी असहमति को उच्च गुणवत्ता के उनके आग्रह के रूप में देखता हूं। मुझे यह बात स्वीकार करने में भी संकोच नहीं है कि एक प्रोफ़ेसर के रूप में हम जिस बौद्धिक, गरिमापूर्ण और प्रखर व्यक्तित्व की कल्पना करते हैं, वह आज कल्पना ही है। लेकिन क्या ऐसा जीवन के सभी क्षेत्रों में भी नहीं हुआ है? हम किसी एक इकाई से ख़ास तरह की अपेक्षाएं रखें तो हमारा निराश होना स्वाभाविक ही है। लेकिन अगर हम इस बात को समझ लें कि पूरा समाज एक इकाई है और उसमें अगर एक जगह स्तर में गिरावट आती है तो दूसरी जगहें इस बात से अप्रभावित नहीं रह सकती हैं, तो शायद हमारा नज़रिया अलहदा होगा।

बहरहाल, अभी तो नए बने प्रोफ़ेसरों को बधाई और उनसे यह निवेदन भी कि पूरा समाज उनकी तरफ आशा भरी निगाहों से देख रहा है, अब यह उनका दायित्व है कि वे अपने चयन को सही साबित करें। शिक्षक से हमारा समाज कुछ ज़्यादा ही अपेक्षाएं रखता है, उसको परखने के मानदण्ड कुछ ज़्यादा ही कठोर होते हैं लेकिन इस बात को शिक्षक के हमारे जीवन में स्थान के प्रतिफलन के रूप में देखा जाना और तदनुरूप बर्ताव किया जाना चाहिए।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

अक्षय तृतीया– शुभ संकल्प का खास दिन

आदित्य जैन

अक्षय तृतीया ऐसा ही शुभ दिन है, वैशाख शुक्ल तृतीया का यह दिन दान, जप, तीर्थ स्नान, हवन, किसी वस्तु की खरीद और यहां तक कि रिश्तों के गठजोड़ के लिए भी बहुत अहमियत रखता है। महानगरों से लेकर गांवों कस्बों तक शादी–ब्याह के लिए यह अबूझ मुहूर्त माना जाता है। मान्यता है कि यह दिन, हर शुभ और सार्थक कार्य के लिए मंगलमय और अनुकूल होता है। मंगल कार्य इस दिन आयोजित किए जाते भी हैं।

अक्षय तृतीया वैशाख शुक्ल तृतीया को कहा जाता है। वैदिक कलैण्डर के चार सर्वाधिक शुभ दिनों में से यह एक मानी गई है। अक्षय से तात्पर्य है जिसका कभी क्षय न हो अर्थात् जो कभी नष्ट नहीं होता। भारत के उत्तर प्रदेश राज्य के वृन्दावन में ठाकुर जी के चरण दर्शन इसी दिन होते हैं। अक्षय तृतीया को सामान्यत: अखतीज या अक्खा तीज के नाम से भी पुकारा जाता है।

हिन्दू परंपरा : अक्षय तृतीया को भारत और नेपाल के कई क्षेत्रों में हिंदुओं और जैनियों द्वारा नए उद्यम, विवाह, सोने या अन्य संपत्ति जैसे महंगे निवेश और किसी भी नई शुरुआत के लिए शुभ माना जाता है। यह उन प्रियजनों को याद करने का भी दिन है, जिनकी मृत्यु हो गई है। यह दिन महिलाओं, विवाहित या अविवाहितों के लिए क्षेत्रीय रूप से महत्वपूर्ण है, जो अपने जीवन में पुरुषों की भलाई के लिए प्रार्थना करती हैं या जिससे वे भविष्य में सगाई कर सकती हैं। प्रार्थना के बाद, वे अंकुरित चने (अंकुरित), ताजे फल और भारतीय मिठाइयाँ वितरित करते हैं। यदि अक्षय तृतीया सोमवार (रोहिणी) को पड़ती है, तो त्योहार और भी शुभ माना जाता है। इस दिन उपवास, दान और दूसरों की मदद करना एक और उत्सव है। श्रीमद्भगवत गीता अध्याय 16 के श्लोक 23–24 में गीता ज्ञान दाता ने निर्देश देते हुए स्पष्ट कहा है कि जो साधक शास्त्रों में वर्णित उपासना क्रियाओं के अतिरिक्त अन्य कोई साधना करते हैं, उन्हें न तो सुख की प्राप्ति होती है। न सिद्धि मिलती है, न मोक्ष की प्राप्ति होती है, अर्थात् यह व्यर्थ की पूजा है। साधक को उन सभी क्रियाओं का त्याग कर देना चाहिए जिनका उल्लेख गीता और वेद अर्थात् ईश्वर प्रदत्त शास्त्रों में नहीं है।

हिंदुओं द्वारा अक्षय तृतीया को भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम का जन्मदिन माना जाता है। वे वैष्णव मंदिरों में पूजनीय हैं जो लोग इसे परशुराम के सम्मान में मनाते हैं, वे कभी–कभी इस त्योहार को परशुराम जयंती भी कहते हैं। वैकल्पिक रूप से, कुछ लोग विष्णु के आठवें अवतार कृष्ण पर अपनी श्रद्धा केंद्रित करते हैं।

ओडिशा में, अक्षय तृतीया आगामी खरीफ मौसम के लिए चावल धान की बुवाई की शुरुआत के दौरान मनाया जाता है। दिन की शुरुआत किसानों द्वारा अच्छी फसल के आशीर्वाद के लिए धरती माता, बैलों, अन्य पारंपरिक कृषि उपकरणों और बीजों की पूजा के साथ होती है। खेतों की जुताई के बाद, किसान राज्य की सबसे महत्वपूर्ण खरीफ फसल के प्रतीकात्मक शुरुआत के रूप में धान के बीज बोते हैं। इस अनुष्ठान को अखि मुठी अनुकुला (अखि–अक्षय तृतीया; मुठी– मुट्ठी भर धान; अनुकुला– शुरुआत या उद्घाटन) कहा जाता है और पूरे राज्य में बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। हाल के वर्षों में, इस आयोजन को समारोह के कारण बहुत प्रचार मिला है किसान संगठनों और राजनीतिक दलों द्वारा आयोजित अखि मुठी अनुकुला कार्यक्रम। जगन्नाथ मंदिर की रथ यात्रा उत्सव के लिए रथों का निर्माण भी इसी दिन पुरी में शुरू होता है ।

तेलुगु भाषी राज्यों तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में, त्योहार समृद्धि से जुड़ा हुआ है, और महिलाएं सोना और आभूषण खरीदती हैं। सिंहाचलम मंदिर में इस दिन विशेष उत्सव मनाए जाते हैं। मंदिर के मुख्य देवता को शेष वर्ष के लिए चंदन के लेप में ढका जाता है, और केवल इस दिन अंतर्निहित मूर्ति को दिखाने के लिए हटाए गए देवता पर चंदन की परतें लगाई जाती हैं। वास्तविक रूप या निजा रूप दर्शनम का प्रदर्शन इस दिन होता है।

सोना–चांदी खरीदने वालों के लिए यह दिन बेहद शुभ है। चावल खरीदना, बैंक खाते में पैसा जमा करना, किसी भी तरह की नई चीजें या प्रसिद्ध मंदिरों में जाने के बर्तन खरीदना, भोजन दान करना या गरीब लोगों के लिए विशेष पेशकश करना, या शिक्षा शुल्क के लिए गरीब बच्चों की मदद करना, यह सब अक्षय तृतीया के लिए अच्छे संकेत हैं।

जैन परंपरा : जैन धर्म में , अक्षय तृतीया पहले तीर्थंकर , (ऋषभनाथ) को याद करती है, जिन्होंने अपने हाथों में गन्ने के रस का सेवन करके अपनी एक साल की तपस्या को समाप्त कर दिया। कुछ जैन त्योहार को वर्षी तप कहते हैं । उपवास और तपस्वी तपस्या जैनियों द्वारा चिह्नित की जाती है, विशेष रूप से पालिताना (गुजरात) जैसे तीर्थ स्थलों पर । इस दिन, जो लोग वर्ष भर के वैकल्पिक दिन उपवास का पालन करते हैं, जिसे वर्षी–तप के रूप में जाना जाता है, वे पराना (गन्ने का रस पीने) करके अपना तपस्या समाप्त करते हैं।

दिव्य अवतार तिथि : ग्रीष्म ऋतु का पदार्पण, हरियाली फ़सल को पका कर, लोगों में खुशी का संचार कर, विभिन्न व्रत, पर्वों के साथ होता है। भारत भूमि व्रत व पर्वों के मोहक हार से सजी हुई मानव मूल्यों व धर्म रक्षा की गौरव गाथा गाती है। धर्म व मानव मूल्यों की रक्षा हेतु श्रीहरि विष्णु देशकाल के अनुसार अनेक रूपों को धारण करते हैं, जिसमें भगवान परशुराम, नर नारायण के तीन पवित्र व शुभ अवतार अक्षय तृतीया को उदय हुए थे। मानव कल्याण की इच्छा से धर्म शास्त्रों में पुण्य शुभ पर्व की कथाओं की आवृत्ति हुई है, जिसमें अक्षय तृतीया का व्रत भी प्रमुख है, जो कि अपने आप में स्वयंसिद्ध है।

क्षमा-प्रार्थना का दिन : हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार यह दिन सौभाग्य और सफलता का सूचक है। इस दिन को सर्वसिद्धि मुहूर्त दिन भी कहते है, क्योंकि इस दिन शुभ काम के लिये पंचांग देखने की ज़रूरत नहीं होती। ऐसा माना जाता है कि आज के दिन मनुष्य अपने या स्वजनों द्वारा किये गये जाने–अनजाने अपराधों की सच्चे मन से ईश्वर से क्षमा प्रार्थना करे तो भगवान उसके अपराधों को क्षमा कर देते हैं और उसे सदगुण प्रदान करते हैं, अत: आज के दिन अपने दुर्गुणों को भगवान के चरणों में सदा के लिये अर्पित कर उनसे सदगुणों का वरदान मांगना चाहिए।

धार्मिक महत्त्व : पुराणों में उल्लेख मिलता है कि इसी दिन से त्रेता युग का आरंभ हुआ था। नर नारायण ने भी इसी दिन अवतार लिया था। भगवान परशुराम जी का अवतरण भी इसी तिथि को हुआ। प्रसिद्ध तीर्थस्थल बद्रीनारायण के कपाट भी इसी तिथि से ही पुन: खुलते हैं। वृन्दावन स्थित श्री बांके बिहारी जी के मन्दिर में भी केवल इसी दिन श्री विग्रह के चरण दर्शन होते हैं, अन्यथा वे पूरे वर्ष वस्त्रों से ढके रहते हैं। अक्षय तृतीया को व्रत रखने और अधिकाधिक दान देने का बड़ा ही महात्म्य है। अक्षय तृतीया में सतयुग, किंतु कल्पभेद से त्रेतायुग की शुरुआत होने से इसे युगादि तिथि भी कहा जाता है। वैशाख मास में भगवान भास्कर की तेज धूप तथा लहलहाती गर्मी से प्रत्येक जीवधारी क्षुधा पिपासा से व्याकुल हो उठता है। इसलिए इस तिथि में शीतल जल, कलश, चावल, चना, दूध, दही आदि खाद्य व पेय पदार्थों सहित वस्त्राभूषणों का दान अक्षय व अमिट पुण्यकारी माना गया है।

सुख व समृद्धि वर्धक : तृतीया तिथि माँ गौरी की तिथि है, जो बल–बुद्धि वर्धक मानी गई हैं। अत: सुखद गृहस्थ की कामना से जो भी विवाहित स्त्री–पुरुष इस दिन माँ गौरी व सम्पूर्ण शिव परिवार की पूजा करते हैं, उनके सौभाग्य में वृद्धि होती है। यदि अविवाहित स्त्री–पुरुष इस दिन श्रद्धा विश्वास से माँ गौरी सहित अनंत प्रभु शिव को परिवार सहित शास्त्रीय विधि से पूजते हैं तो उन्हें सफल व सुखद वैवाहिक सूत्र में अविलम्ब व निर्बाध रूप से जुड़ने का पवित्र अवसर अति शीघ्र मिलता है। वैशाख मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया के दिन अक्षय तृतीया में पूजा, जप–तप, दान स्नानादि शुभ कार्यों का विशेष महत्व तथा फल रहता है।

व्रत पद्धति : इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठें। अपने नित्य कर्म व घर की साफ–सफ़ाई से निवृत होकर स्नान करें। वैसे इस दिन समुद्र, गंगा या यमुना में स्नान करना चाहिए। इस दिन उपवास रखें और घर में ही किसी पवित्र स्थान पर विष्णु भगवान की मूर्ति या चित्र स्थापित कर पूजन का संकल्प करें। संकल्प के बाद भगवान विष्णु को पंचामृत से स्नान कराएं, तत्पश्चात् उन्हें सुगंधित चंदन, पुष्पमाला अर्पण करें। नैवेद्य में जौ या जौ का सत्तू, ककडी और चना की दाल अर्पण करें। भगवान विष्णु को तुलसी अधिक प्रिय है, अत: नैवेद्य के साथ तुलसी अवश्य चढाएँ। जहाँ तक हो सके तो 'विष्णु सस्त्रनाम' का पाठ भी करें। अंत में भक्ति पूर्वक आरती करें। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य और चंद्रमा इस दिन उच्चस्थ स्थिति में होते हैं। इस दिन उपवास रखते हैं और जौ, सत्तू, अन्न तथा चावल से भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। इस दिन को नवन्न पर्व भी कहते हैं। इस दिन बरतन, पात्र, मिष्ठान, तरबूज़ा, ख़रबूज़ा, दूध, दही, चावल का दान देना चाहिए।

स्कंद पुराण और भविष्य पुराण में उल्लेख है कि वैशाख शुक्ल पक्ष की तृतीया को रेणुका के गर्भ से भगवान विष्णु ने परशुराम के रूप में जन्म लिया। सौभाग्यवती स्त्रियाँ और क्वारी कन्याएँ इस दिन गौरी–पूजा करके मिठाई, फल और भीगे हुए चने बाँटती हैं, गौरी की पूजा करके धातु या मिट्टी के कलश में जल, फल, फूल, तिल, अन्न आदि लेकर दान करती हैं।

सौभाग्य का प्रतीक : अक्षय तृतीया के दिन ख़रीदे गये वेशक़ीमती आभूषण एवं सामान शाश्वत समृद्धि के प्रतीक हैं। इस दिन ख़रीदा व धारण किया गया सोना अखण्ड सौभाग्य का प्रतीक माना गया है। इस दिन शुरू किये गए किसी भी

नये काम या किसी भी काम में लगायी गई पूँजी में सदा सफलता मिलती है

और वह फलता–फूलता है। यह माना जाता है कि इस दिन ख़रीदा गया सोना

कभी समाप्त नहीं होता, क्योंकि भगवान विष्णु एवं माता लक्ष्मी स्वयं उसकी रक्षा करते हैं।

– आदित्य जैन

'देश के लोगों की जान-माल से खिलवाड़ कर रही "ओला" कैब कम्पनी'

■ बिना बीमा, बिना फिटनेश, बिना टैक्स जमा किये गाड़ियों पर की जा रही बुकिंग

कानपुर। कानपुर महानगर की बिगड़ी यातायात व्यवस्था की कमान जब से पुलिस उपायुक्त यातायात आई. पी. एस. रवीना त्यागी ने संभाली है, तब से शहर की सड़कों पर चलने वाले वाहन सवारों को पहले की अपेक्षा बहुत राहत मिली है किन्तु शहरवासियों की ही नहीं अपितु कानपुर महानगर में आने वाले सभी व्यक्तियों की सुरक्षित यात्रा और उनकी सुरक्षा को लेकर किये जा रहे प्रयासों को देश की एक कैब कम्पनी ओला (ओ. एल. ए.) कमीशन के लालच में जमकर पलीता लगा रही है। ऐसे नजारे सामने आ चुके हैं जिनसे स्पष्ट है कि कैब कम्पनी ओला के द्वारा बुकिंग कर यात्रा करना सुरक्षित कतई नहीं माना जा सकता है और अपने कमीशन के लालच में यह कम्पनी लोगों की जानमाल से खिलवाड़ कर रही है, इतना ही नहीं बल्कि देश की सुरक्षा व्यवस्था के लिये एक बड़ा खतरा साबित हो सकती है!

स्थानीय निवासी श्याम सिंह पंवार ने बताया कि ओला कैब कम्पनी से हुण्डई कम्पनी की एक कार नम्बर यू.पी. 78 एफ. एन. 5980 सम्बद्ध है। कैब कम्पनी के अभिलेखों में इस गाड़ी को चलाने हेतु विजय कुमार नामक व्यक्ति अधिकृत है। दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद कई महीनों से यह कार, जी.–1 टी/17, अर्मापुर स्टेट कानपुर नगर के पते पर खड़ी है। इस गाड़ी का फिटनेश 16 जनवरी 2021 तक, टैक्स 31 दिसम्बर 2019 तक व इन्स्योरेन्स 15 जनवरी 2020 तक वैध है और उपरोक्त गाड़ी के नाम पर ओला कैब कम्पनी, लोगों को बुकिंग दे कर कमीशन के लालच में उनकी जानमाल की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया है। ऐसे में आशंका है कि ऐसा ही अनेक मामलों में और भी हो सकता है। ऐसे में सवाल उठता है कि देश की अन्य कैब कम्पनियों में भी क्या ऐसा नहीं हो रहा होगा और लोगों की जानमाल की सुरक्षा के साथ अन्य कम्पनियों द्वारा खिलवाड़ किया जा रहा होगा ?

श्याम सिंह पंवार ने बताया कि ओला कैब कम्पनी के रीजनल सेल्स मैनेजर उप्र अंकुर त्रिपाठी व विधिक सलाहकार एडवोकेट संजय जायसवाल की मौजूदगी में थाना गुजैनी परिसर में जब ओला कैब कम्पनी के द्वारा निर्धारित किये गये सुरक्षा मानकों जैसे–कम्पनी से सम्बद्ध होने वाली गाड़ी का मेकअप, गाड़ी में लिखा जाने वाला विवरण (मालिक का नाम, ड्राईवर का नाम, हेल्पलाइन नम्बर आदि) ड्राइवर की ड्रेस, गाड़ी में लगने वाला सुरक्षात्मक बटन, प्रथम दृष्टया चिकित्सकीय बॉक्स, आग लगने के दौरान बचाव हेतु रखा जाने वाला सिलेण्डर, उपभोक्ता द्वारा ओटीपी बताने के बाद वेरीफाई करने वाला ध्वनि सूचक यन्त्र, बुकिंग के अनुसार यात्रा का नियत किये गये मानचित्र पर ही यात्रा करवाना, गाड़ी की फिटनेश, टैक्स, इन्श्योरेन्स, चालक का चरित्र सत्यापन आदि जरूरी तथ्यों के बारे में जानकारी प्राप्त की गई तो अंकुर त्रिपाठी ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टिगत सभी जरूरी मानक होने ही चाहिये, इसके अलावा समय–समय पर उनका भौतिक परीक्षण/सत्यापन भी ओला कैब कम्पनी की टीम द्वारा होना चाहिये। तत्पश्चात ओला कैब एप के माध्यम से शुक्रवार को कई लोगों के मोबाइलों ओला एप के माध्यम से बुकिंग कर कई गाड़ियाँ, गुजैनी थाना के निकट कारगिल पेट्रोल पम्प की लोकेशन पर भौतिक परीक्षण/सत्यापन हेतु बुलवाईं और सैकड़ों लोगों की मौजूदगी में गाड़ियों का भौतिक परीक्षण/सत्यापन त्रिपाठी से करवाया तो पाया गया कि गाड़ियाँ सुरक्षा की दृष्टि के कतई फिट नहीं थीं, एक बुकिंग में जो चालक गाड़ी को लेकर आया था, वह अभिलेख पर दर्ज नहीं था, बल्कि उसके स्थान पर कोई अन्य व्यक्ति चालक बना था।

रीजनल सेल्स मैनेजर अंकुर त्रिपाठी की मानें तो ओला कैब कम्पनी देश के लोगों की सुरक्षा के साथ ही नहीं बल्कि देश की सुरक्षा व्यवस्था के साथ भारी खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने स्वयं देखा कि कैब कम्पनी में अटैच अनेक गाड़ियां जो चलन में नहीं उनके एप दूसरी गाड़ियों में धड़ल्ले से प्रयोग किये जा रहे हैं और जो गाड़ियां चलने लायक ही नहीं हैं उनके द्वारा बुकिंग धड़ल्ले से की जा रही है।

ओला कम्पनी के रीजनल सेल्स मैनेजर अंकुर त्रिपाठी ने लिखित रूप में स्वीकार किया है कि ओला की गाड़ियों में यात्रा करना लोगों के लिये सुरक्षित नहीं है। उन्होंने यह तक लिख कर दिया है कि ओला कैब की गाड़ी से कोई भी अपराध हो सकता है, आतंकवादी हमला हो सकता है।

ऐसे में क्या कानपुर पुलिस कमिश्नरेट की पुलिस उपायुक्त यातायात रवीना त्यागी (आई. पी. एस.) व सभी राज्य सरकारों सहित भारत सरकार को इस बारे में ठोस कदम उठाने की आवश्यकता नहीं है, क्यों यह सिर्फ कानपुर महानगर के लोगों की ही नहीं बल्कि देश के सभी लोगों की जानमाल की सुरक्षा से जुड़ा गम्भीर विषय है ? ऐसे में जिम्मेदारों को चाहिये कि सिर्फ ओला कैब कम्पनी ही नहीं बल्कि सभी कैब कम्पनियों की जाँच गहनता से करवायें जिससे कि देश के लोगों की जानमाल की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों को सबक मिल सके।

राशिफल

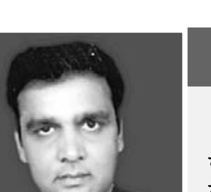

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 24 अप्रेल, 2023

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, चतुरथी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2080, मृगशिरा नक्षत्र रात्रि 2:07 तक, शोभन योग प्रात: 7:47 तक, विष्टि करण प्रात: 8:25 तक, चन्द्रमा दिन 1:12 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मेष, चन्द्रमा–वृष, मंगल–मिथुन, बुध–मेष, गुरू–मेष, शुक्र–वृष, शनि–कुम्भ, राहु–मेष, केतु–तुला राशि में।

आज अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 2:07 तक है। भद्रा प्रात: 8:25 पर समाप्त होगी। रवियोग रात्रि 2:07 से आरम्भ्ज्ञ होगा।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:36 तक, शुभ 9:13 से 10:50 तक, चर 2:03 से 3:40 तक, लाभ–अमृत 3:40 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:58, सूर्यास्त 6:52

मेष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

वृष
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन
आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। दिन के मध्यान्ह पूर्व में पारिवारिक कारणों से अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिक आर्थिक मामलों में उचित सफलता मिलेगी।

कर्क
अपने आर्थिक मामलों से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मानसिक तनाव रहेगा और भागदौड़ रहेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

कन्या
नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

तुला
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। व्यक्तिगत परेशानियों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक अड़चनें अभी बनी रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग से महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं।

धनु
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार होगा। व्यावसायिक मामलों में महत्वपूर्ण परामर्श मिल सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में योजना बनेगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी।

कुंभ
घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

राजस्थान की गहलोत सरकार जनता को परेशान कर ले रही है सस्ती लोकप्रियता : राजेन्द्र राठौड़

नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ रविवार को प्रेस से रूबरू हुए। इस दौरान उनके साथ प्रदेश मंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, प्रदेश मीडिया संयोजक पंकज जोशी और प्रदेश मीडिया सम्पर्क विभाग आनन्द शर्मा मौजूद रहे।

- 'केंद्र सरकार ने डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से अपनी सारी योजनाओं को किया लागू'
- 'कांग्रेस सरकार पहले अपने संस्थागत भ्रष्टाचार को कम करें'

जयपुर। भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने प्रेसवार्ता को सम्बोधित किया। राठौड़ ने कहा कि सरकार अपने अंतिम वर्ष और आचार संहिता से पहले महंगाई एवं राहत कैंप लगाकर मुख्यमंत्री कार्ड बांटने का काम प्रारंभ कर सस्ती लोकप्रियता ले रही है। जिस जनघोषणा पत्र को सरकार का अधिकृत पत्र घोषित किया था, उस जनघोषणा पत्र के पृष्ठ 38 पर कांग्रेस ने 2018 से पहले राजस्थान की जनता से वादा किया था कि कांग्रेस सरकार प्रदेश में महंगाई नियंत्रण हेतु आवश्यक और प्रभावी कदम उठाएंगी।

लेकिन देर आए दुरुस्त आए आज कांग्रेस सरकार को साढ़े 4 वर्ष तक याद नहीं आया। कांग्रेस ने जन घोषणापत्र में यह कहा था कि हम रसोई गैस की कीमत के नियंत्रण में प्रभावी काम करेंगे और पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाएंगे।

राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कांग्रेस सरकार को अपनों से ही राहत नहीं मिल रही, आज जनता को राहत दिलाने से पहले सरकार अगर अपनों से राहत ले लेती तो उचित होता। बाबूलाल कटारा जो पकड़े गए हैं आज आरपीएससी कलंकित हुई है, उन्होंने जिस प्रकार गिरोह बनाकर आरपीएससी में नौकरियों में लूट की छूट दी है उस पर सचिन पायलट के उसी बयान के साथ मैं यह जोड़ता हूं कि बाबूलाल कटारा नामजद भी मुख्यमंत्री के हस्ताक्षर से हुए। क्या कारण है की एक सांख्यिकी अधिकारी जो बीडियो के पद पर रहते हुए भी विवादों में आए लेकिन अचानक उसे इस पद पर बिठाया गया। पिछले कार्यकाल में आरपीएससी के चेयरमैन हबीब खान के समय आरएएस का पेपर लीक हुआ उनके खिलाफ मामला बना उनको नामजद भी अशोक गहलोत ने किया था।

राठौड़ ने कहा सरकार की सरपरस्ती में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। ट्रांसफर इंटरनेशनल सर्वे की रिपोर्ट 2021 में यह कहा गया ऐसे 67 प्रतिशत लोग जिनका वास्ता सरकार से पड़ा उनको रिश्वत देनी पड़ी और दूसरा सर्वे उसमें 78 प्रतिशत लोगों का सरकार से वास्ता पड़ा उनको रिश्वत देनी पड़ीं। जो घोषणा बजट में की जाती है वह स्वतः ही 1 अप्रैल से लागू हो जाती है लेकिन सरकार ने उन बजट घोषणाओं को लागू करने की बजाय उनकी तिथियां बढ़ाते गए। कांग्रेस सरकार में मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा फूड पैकेट बाटने की बात कही जो अभी तक हवा हवाई है। मिड-डे-मील योजना, दूध योजना, चिरंजीवी संबल योजना यह सारी योजनाएं जो स्वत ही प्रारंभ हो जानी चाहिए थी उनको महंगाई राहत कैंप लगाकर मुख्यमंत्री अपने नाम से गारंटी कार्ड दे रहे हैं। जो जनता को बिना वजह परेशान करने का सबब है पेंशनधारी पहले से ही पंजीकृत हैं और इनका दोबारा पंजीकरण करके सरकार भीड़ इकठा कर रही है। कांग्रेस पीसीसी चीफ ने जो पत्र जारी किया है कि हर कैंप के अंदर कांग्रेस का एक प्रभारी नियुक्त होगा। इस प्रकार से यह सरकार कांग्रेसीकरण करने की कोशिश कर रही है। इन कैंपों में तहसीलदार को भी प्रभारी बनाया गया है आज हर पांचवे तहसीलदार के विरूद्ध कोई न कोई जांच लंबित है। आज राजस्थान में कांग्रेस सरकार महंगाई राहत की बात करती है महंगाई राहत के नाम पर सरकार ने जो 19 हजार करोड़ का प्रावधान किया उसका बजट में कहीं पर भी उल्लेख नहीं है यह पैसा कहां से आएगा।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से अपनी सारी योजनाओं को लागू किया है। दूसरी तरफ कांग्रेस सरकार विकलांगों को भी पेंशन के लिए शिविरों में बुलाकर फॉर्म भरवा कर परेशान कर रही है जबकि यह लोग पहले से ही रजिस्टर्ड है। आज पूरे देश में महाराष्ट्र के बाद पेट्रोल और डीजल पर वैट राजस्थान में ज्यादा है राजस्थान में पेट्रोल पर 30.04 और डीजल पर 19.30 प्रतिशत वेट है उसमें भी रोड सेस अलग से कांग्रेस सरकार ने लगा रखा है।

प्रेसवार्ता के दौरान प्रदेश मंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, प्रदेश मीडिया संयोजक पंकज जोशी और प्रदेश मीडिया सम्पर्क विभाग आनन्द शर्मा मौजूद रहें।

महायज्ञ में डॉ. सतीश पूनियां ने दी आहुति

उपनेता प्रतिपक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने आज आमेर विधानसभा क्षेत्र के रुण्डल में भगवान श्री परशुराम जी की तपोस्थली जमदग्नि ऋषि आश्रम में चल रहे महायज्ञ में आहुति दी, साथ ही संत-महंतों का आशीर्वाद लिया और प्रदेश की खुशहाली व उन्नति की कामना की।

संजय पांडे सुसाइड केस में पांचवें दिन बनी सहमति

- परिवार को संविदा नौकरी, एक डेयरी बूथ और 5 लाख रुपयों में बनी सहमति

जयपुर। संजय पांडे सुसाइड मामले में विवाद थम गया है। पांचवे दिन बाद चार मांगों पर सहमति बनी है। परिजनों की ओर से सहमति बनने के बाद शव का पोस्टमार्टम कर दिया गया है। अब सोमवार को पुलिस की ओर से परिजनों को संजय पांडे का शव सुपुर्द किया जाएगा। जिसके बाद शव का अंतिम संस्कार होगा।

चार मांगों पर सहमति बनी। उनमे मृतक के परिवार में संविदा नौकरी दी जाएगी। एक डेयरी बूथ का आवंटन होगा। 5 लाख रुपए तक आर्थिक सहायता दी जाएगी। प्रधानमंत्री आवास के लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा। कानोता इलाके में संजय की आत्महत्या का मामला 19 अप्रेल को हुआ। जिसके बाद उसके ऑडियो वायरल होने पर बवाल मच गया। राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा, प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र राठौड़ सहित भाजपा के बड़े नेता संजय पांडे के परिजनों को इंसाफ दिलाने के लिए आगे आए। भाजपा की ओर से सड़क पर उतरकर गहलोत सरकार के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया गया। 23 अप्रेल को यह विवाद थमा है।

गौरतलब है कि कानोता इलाके में 19 अप्रेल को संजय पांडे ने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या की। पुलिस जांच में दो ऑडियो सामने आए। जिसमें संजय पांडे ने आरोप लगाए कि वह ट्रांसपोटर शब्बीर के पास नौकरी करता था। यूपी में अतीक की हत्या के बाद शब्बीर ने उसे नौकरी से निकाल दिया। उसका बकाया पेमेंट भी उसे नहीं दिया। जिसकी वजह से वह परेशान हो गया। इसके अलावा ऑडियो में संजय ने कई आरोप और भी लगाए।

विभिन्न योजनाओं में 592 करोड़ मंजूर

जयपुर। किसानों के सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार ने विभिन्न योजनाओं के तहत 592 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किसानों की उन्नति सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय प्रावधान के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। गहलोत के निर्णय से नैनो यूरिया के ड्रोन से छिड़काव के लिए 4.50 करोड़ रुपए की लागत आएगी, जिसके लिए 10 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में लागत के 75 प्रतिशत अथवा अधिकतम 4500 रुपए प्रति हैक्टेयर की अनुदानित दर रखी गई है। वहीं, 5 लाख भूमिहीन श्रमिकों को हस्तचालित कृषि यंत्र खरीदने के लिए प्रति परिवार 5 हजार रुपए का अनुदान दिया जाएगा।

देश में पर्यटन को गति देने के लिए 59 नये हवाई रूट जोड़ने का प्लान : अरविन्द सिंह

- राज्य सरकार ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पुरानी 23 हवाई पट्टियों को करेगी विकसितः विश्वेन्द्र सिंह

केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय की ओर से फिक्की और राजस्थान सरकार के पर्यटन मंत्रालय के साथ आयोजित जी-20 टूरिज्म एक्सपो का उद्घाटन समारोह में भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के सचिव अरविन्द सिंह और प्रदेश के पर्यटन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह मौजूद थे।

जयपुर, (का.सं.)। आज़ादी के अमृत महोत्सव-अमृत काल में भारत की जी20 अध्यक्षता के अनुरुप भारत सरकार का पर्यटन मंत्रालय भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विज़नरी लीडरशिप में भारत के पर्यटन क्षेत्र को मिशन मोड पर विकसित करने पर काम कर रहा है। इस पर प्रकाश डालते हुए भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के सचिव अरविन्द सिंह ने कहा कि देश में पर्यटन को तेज गति देने के लिए पूरे देश में 50 नये पर्यटन गंतव्य स्थल विकसित करने के साथ-साथ 59 नये हवाई मार्ग कार्यान्वित करने का प्लान है।

केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय द्वारा फिक्की और राजस्थान सरकार के पर्यटन मंत्रालय के साथ आयोजित जी20 टूरिज्म एक्सपो के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए अरविन्द सिंह ने कहा, "भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान भारत का पर्यटन क्षेत्र एशिया-पैसिफिक में सबसे मजबूती से उबर रहा है। महामारी की चुनौतियों के बावजूद, 2021 के 1.52 मिलियन पर्यटकों की तुलना में 305 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि के साथ 2022 में 6.19 मिलियन विदेशी पर्यटक दर्ज हुए। पर्यटन को और भी बढ़ावा देने के लिए हम हरित पर्यटन को बढ़ावा देने और 50 नये पर्यटन गंतव्य स्थल विकसित करने के साथ-साथ विदेश में प्रचार-प्रसार करने की योजना पर काम कर रहे हैं।

भारत सरकार का पर्यटन मंत्रालय पहले ही जी20 टूरिज्म वर्किंग ग्रुप की बैठकें आयोजित कर चुका है और हरित पर्यटन, डिजिटलीकरण, कौशल विकास, एमएसएमई संवर्धन और गंतव्य स्थल प्रबंधन को बढ़ावा देने पर कार्य कर रहा है। इसके अतिरिक्त, समेकित स्तर पर सरकार आधारभूत ढांचे की विकास पर जोर दे रही है।

"रेल, सड़क और हवाई कनेक्टिविटी में वृद्धि के साथ हम पर्यटन ढांचे के चहुँमुखी विकास पर जोर दे रहे हैं। उड़ान योजना के अंतर्गत हमने नागरिक उड्डयन मंत्रालय को 59 नए रूटों की अनुशंसा की थी, जो कि काफी सफल रहा और उनमें 51 रुट अब तक कार्यान्वित हो चुके हैं," पर्यटन क्षेत्र हेतु लिए गए कदमों रेखांकित करते हुए सिंह ने कहा।

राजस्थान सरकार में पर्यटन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार पूरे राजस्थान में फैली हुईं 23 हवाई पट्टियों को पुनर्विकसित करने की योजना पर कार्य कर रही है, जिससे राज्य में पर्यटन को आवश्यक बल मिलेगा।

पुलिस उपायुक्त ने वृक्षारोपण किया

जयपुर, (का.सं.)। पुलिस उपायुक्त यातायात जयपुर प्रहलाद सिंह कृष्णियाँ ने जेडीए सर्किल पर फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल के सहयोग से निर्मित यातायात सहायता बूथ (पोर्टा हट) का विधिवत उद्घाटन किया। कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए श्री कृष्णियाँ ने बताया कि यह सर्किल अति व्यस्ततम स्थानों में से एक है वीआईपी मूवमेंट के साथ यूनिवर्सिटी, कॉलेज, हॉस्पिटल, राजकीय कार्यालय, विभागों के मुख्यालय स्थित होने से यातायात की आवाजाही अधिक है। बूथ स्थापित होने से तेज धूप एवं बरसात के मौसम में पुलिसकर्मी बूथ में से निगरानी रख सकेंगें एवं आवश्यकता होने पर तुरन्त चौराहे पर पहुंचकर यातायात सहायता प्रदान कर सकेंगें। बूथ के निर्माण में हीट रजिस्टेंस इन्सुलेटेड पफ पैनल का उपयोग लिया गया गया है। स्लाईडिंग ग्लास युक्त पारदर्शी खिड़कियाँ लगी हुई है व इसमें पीने की पानी की व्यवस्था है। इस कार्य के लिये में फोर्टिस अस्पताल प्रशासन को धन्यवाद देता हूं और आगे भी इसी प्रकार इनका सहयोग मिलता रहेगा।

इस अवसर पर यातायात सहायता बूथ के सामने पुलिस उपायुक्त यातायात प्रहलाद सिंह कृष्णियाँ, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल के जोनल डायरेक्टर नीरव बंसल, सहायक पुलिस आयुक्त पूर्व संजय शर्मा ने वृक्षारोपण किया।

प्रदेश में 401 नए संक्रमित मिले रविवार को

जयपुर में सर्वाधिक 117 नए मरीज सामने आए हैं

- राहत की बात यह है कि पिछले चौबीस घंटों में राज्य में करोना से कोई मौत नहीं हुई है।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में रविवार को 401 नए करोना संक्रमित मिले हैं। वहीं इस बीच 431 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस 3750 रह गए हैं। राहत कि बात यह है कि पिछले चौबीस घंटों में करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है।

प्रदेश में रविवार को 26 जिलों में 401 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले शनिवार को इनकी संख्या 406 रही थी। इधर आज भी सबसे ज्यादा 117 नए संक्रमित जयपुर में मिले हैं। इसके अलावा चित्तौड़गढ़ में 56, अजमेर में 49, उदयपुर में 42, भरतपुर में 31, नागौर में 16, बांसवाड़ा में 11, पाली व सिरोही में 9, जोधपुर में 8, अलवर, झुंझुनूं व श्रीगंगानगर में 7-7, बीकानेर व झालावाड़ में 6-6, सवाई माधोपुर में 5, सीकर में 3, बाड़मेर, धौलपुर व डूंगरपुर में 2-2, बारां, हनुमानगढ़, जैसलमेर, कोटा, राजसमंद व दौसा में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच केवल 2 हजार 52 कोविड जांच की गई है।

प्रदेश में रविवार को रिकवरी में सुधार हुआ है। इस दौरान नए संक्रमितों से अधिक 431 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस घटकर 3750 रह गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 938 मरीजों का इलाज जयपुर में चल रहा है। वहीं भरतपुर में 439, उदयपुर में 320, चित्तौड़गढ़ में 249, अजमेर में 237 और जोधपुर में 190 मामले है। उधर प्रदेश में रविवार को करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि अब तक राज्य में इस बीमारी से 9691 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

1.10 लाख संविदाकर्मी कल जयपुर में जुटेंगे

जयपुर। राजस्थान सरकार के जनघोषणा पत्र 2018 में राजस्थान के समस्त विभागों में कार्यरत समस्त संविदा कार्मिकों को नियमित किया जाना का वादा किया था परन्तु सरकार द्वारा वादा खिलाफी की गई और संविदा कार्मिकों को नियमितीकरण नहीं किये के कारण 25 अप्रैल को चार विभागों के 1.10 लाख संविदा कार्मिकों द्वारा जयपुर कुच किया जायेगा। राजस्थान सरकार ने पांच साल हेतु पुनः नवीन संविदा पर रख लिया और पुर्व की सेवा अवधि अनुभव की गणना अन्य सेवा से आईएएस चयन पर अनुभव गणना वाले पैटर्न की तर्ज़ पर अनुभव की गणना तीन वर्ष की संविदा सेवा अवधि को एक वर्ष की अवधि माना जायेगा।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

डॉ. वोहरा ने सरल शैली में अर्थशास्त्र के जटिल ज्ञान को समझाया : नवीन जैन

- डॉ.वोहरा ने पुस्तक के माध्यम से सरल शैली में अर्थशास्त्र को समझाया : नवीन जैन
- लेखक बनने की पूर्णता तो किताब के लेखन से ही मिलती है। मैंने इस पुस्तक के माध्यम से अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह किया है : डॉ. वोहरा

जयपुर में डॉ. पी.एस. वोहरा की क़िताब ''आर्थिक सफरनामा'' की ऑफिशियल लाँचिंग और रिव्यू सेशन का आयोजन किया गया।

जयपुर, (का.सं.)। आर्थिक मामलों के जानकार और कॉलमनिस्ट डॉ पीएस वोहरा की नई क़िताब "आर्थिक सफ़रनामा" की ऑफिशियल लॉन्चिंग और पुस्तक पर एक रिव्यू सेशन का आयोजन आज जयपुर के होटल क्लार्क्स आमेर में हुआ। कार्यक्रम में एक्सपर्ट्स ओपिनियन पैनल की सभी शख़्सियतें बिज़नेस, इंडस्ट्री, मीडिया व इंटेलेक्चुअल्स जगत से जुड़ी थी। इन नामी-गिरामी हस्तियों में ए जे फिलिप (प्रसिद्ध पत्रकार इंडियन एक्सप्रेस, एचटी और द ट्रिब्यून),जगदीश चन्द्र (प्रसिद्ध इलेक्ट्रॉनिक मीडिया लीजेंड), दीपक अग्रवाल (एमडी बीकाजी ग्रुप), सुधीर शर्मा(संस्थापक/सीईओ इंडी डिज़ाइन, पुणे) शामिल थे।

कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद लेखक और साहित्यकार मधु आचार्य "आशावादी" ने सभी आगंतुकों के स्वागत में अपना उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि आर्थिक मामलों के जानकार और स्तंभकार डॉ पीएस वोहरा की पुस्तक "आर्थिक सफ़रनामा" के लोकार्पण का वातावरण गौरवमई है क्योंकि पुस्तक लोकार्पण में छोटी काशी बीकानेर और गुलाबी नगरी जयपुर की हस्तियों का संगम हुआ है जो अपने आप में एक अनूठा और अनोखा है।

पुस्तक का विधिवत लोकार्पण होने के पश्चात एक्सपर्ट्स ओपिनियन पैनल की सभी शख़्सियतों ने पुस्तक के बारे में अपने विचार रखे। प्रसिद्ध इलेक्ट्रॉनिक मीडिया लीजेंड जगदीश चंद्रा ने डॉ वोहरा को उनकी पुस्तक के लिए बधाई देते हुए कहा कि किताब आजादी से लेकर अब तक हुए उन क्रांतिकारी आर्थिक परिवर्तनों को बताती है जो भारत के आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण थे।

ए जे फिलिप (प्रसिद्ध पत्रकार इंडियन एक्सप्रेस, एचटी और द ट्रिब्यून) ने कहा कि आज वर्ल्ड बुक डे है और इस अवसर पर डॉ वोहरा की किताब का लोकार्पण भी हो रहा है जिससे हमें सुखद अनुभूति महसूस हो रही है। उन्होंने कहा कि आम आदमी के विभिन्न तबकों के आर्थिक जीवन की जानकारी इस पुस्तक को शानदार स्वरूप देती है। दीपक अग्रवाल (एमडी बीकाजी ग्रुप), सुधीर शर्मा (संस्थापक/सीईओ इंडी डिज़ाइन, पुणे) ने भी पुस्तक के लोकार्पण पर बधाई देते हुए पुस्तक की उपयोगिता पर अपने विचार रखें। दीपक अग्रवाल ने कहा कि यह पुस्तक आजादी के बाद के भारत के अब तक के 75 वर्षों की यात्रा का सारांश है जो हम सभी को ज्ञानार्जित करेगा। सुधीर शर्मा ने पुस्तक की विषय वस्तु के बारे में सराहना की और इसमें समाहित सभी विषय सामग्री को पठनीय बताया। आईएएस नवीन जैन ने पुस्तक की समीक्षा करते हुए कहा कि आर्थिक विषय, आम आदमी के लिए हमेशा पहेली बना रहता है लेकिन डॉ वोहरा की पुस्तक की भाषा शैली इतनी सरल है कि एक आम आदमी जो अर्थशास्त्र का जटिल ज्ञान नहीं भी रखता है तो भी यह पुस्तक उसे आकर्षित करती है। इस अवसर पर पुस्तक के लेखक डॉ पीएस वोहरा ने कहा कि अपनी पुस्तक के विमोचन पर प्रसन्नता अनुभव कर रहा हूं। मेरा एक सपना साकार हो रहा है जिसे लेकर पिछले दो वर्षों से मैं प्रयासरत था। उन्होंने कहा कि अखबार और किताब की दुनियां अलग-अलग होती है। लेखक बनने की पूर्णता तो किताब के लेखन से ही मिलती है। लोकतंत्र में हम सब की अपनी-अपनी जिम्मेदारी है। मैंने भी इस पुस्तक के माध्यम से अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह किया है। इस क़िताब के माध्यम से देश के आर्थिक विकास की घटनाओं, चुनौतियों, अवसरों तथा आम आदमी के विभिन्न तबकों के आर्थिक विकास चक्र को सरल शब्दों के माध्यम से इसे समझाने का प्रयास किया है।

कार्यक्रम के अंत में अविनाश जोशी ने सभी एक्सपर्ट्स, आगंतुकों और उपस्थित सभी को धन्यवाद ज्ञापित कर उनका आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में जयपुर व बीकानेर की जानी-मानी हस्तियाँ उपस्थित रही जिनमे फारुख अफरीदी, एन एस बिस्सा, मनमोहन हर्ष, राजेश व्यास, सीए सुधीश शर्मा, धीरज त्रिपाठी, दीपक वल्लभ गोस्वामी, अशोक वैद्य, कुमार गणेश, मधु आचार्य, संजय जोशी, दिलीप बांठिया, सुरेश दफ्तरी, विनय जोशी, आर के सुतार, विनोद भोजक और चंद्रशेखर श्रीमाली सहित जानी-मानी हस्तियां मौजूद थी।

'मध्यकाल में आई परंपरागत रुढ़ियों का दुष्प्रभाव आज भी दिखाई देता है'

- शैक्षिक मंथन संस्थान जयपुर की ओर से रविवार को भारत की अवधारणा विषय पर पाथेय भवन में एक व्याख्यान आयोजित किया गया

जयपुर। शैक्षिक मंथन संस्थान जयपुर की ओर से रविवार को भारत की अवधारणा विषय पर पाथेय भवन में एक व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता स्वांत रंजन,अखिल भारतीय बौद्धिक शिक्षण प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत विश्व में ज्ञान की दृष्टि से सदैव श्रेष्ठ रहा है। इस सांस्कृतिक राष्ट्र में कई भाषाएं और उपासना पद्धतियां तो हैं लेकिन इसका सांस्कृतिक एकात्म भाव एक ही है। उन्होंने नेशन और राष्ट्र की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए बताया कि वामपंथी विचार के लोगों ने भारत की सांस्कृतिक आध्यात्मिक और ऐतिहासिक पुरातनता को हानि पहुंचाई है और इसके कर्म सिद्धांत, श्रम संस्कृति जैसे मौलिक आधार सूत्रों को कमतर आंका गया।

उन्होंने कहा कि इतिहास क्रम से भारत में जनजातीय और वनवासी जीवन से नगर सभ्यताओं का विकास हुआ और धीरे-धीरे व्यवस्थित कृषि उन्नत हुई। उन्होंने जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी के महत्व को बताते हुए कहा कि भारत केवल एक जमीन का टुकड़ा नहीं अपितु एक जीवंत सांस्कृतिक इकाई है। उन्होंने बताया कि मध्यकाल में कुछ आक्रांताओं के दबाव के कारण आई परंपरागत रूढ़ियों का दुष्प्रभाव आज भी भारत में दिखाई देता है। समय रहते समाज को उन्हें बदलना चाहिए। एक रूपक के माध्यम से उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारा शरीर हमारा देश है, उस पर पहने जाने वाले विभिन्न रंगों के कपड़े उसके राज्य अर्थात अंचल हैं , और हमारी आत्मा भारत की संस्कृति है। इस तरह भारत राष्ट्र एक सांस्कृतिक इकाई है।

व्याख्यान में मुख्य अतिथि प्रदीप कुमार शेखावत सूचना आयुक्त हरियाणा राज्य सूचना आयोग ने अपने उद्बोधन में बताया कि सामाजिक प्रतिबद्धता के बिना सच्ची पत्रकारिता नहीं की जा सकती और जीवन में वैचारिक पक्ष से अधिक व्यावहारिक पक्ष महत्वपूर्ण है।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम मंजू से बदलकर मंजू देवी पत्नी सुरेश कुमार रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे निवासी सी-80, केन्द्रीय विहार, सेक्टर 6, विद्याधर नगर, जयपुर

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल चन्द्र प्रकाश दायमा पुत्र स्वर्गीय श्री मदन लाल व्यास निवासी 190ए, सुंदर विहार, कालवाड़ रोड, झोटवाड़ा, जयपुर का बेटा अनिरुद्ध दाधीच मेरे मुवक्किल व उसके परिवारजन के कहे में नहीं है। अतः मेरे मुवक्किल चन्द्र प्रकाश दायमा अपने पुत्र अनिरुद्ध दाधीच को अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता है। मेरे मुवक्किल अपने बेटे अनिरुद्ध दाधीच को तीन माह पूर्व ही घर से निकाल चुका है। समस्त आमजन को सूचित किया जाता है कि कोई भी व्यक्ति या संस्था मेरे मुवक्किल चन्द्र प्रकाश दायमा के पुत्र अनिरुद्ध दाधीच से किसी भी प्रकार के आर्थिक लेन-देन या अन्य सम्बंध नहीं रखें अन्यथा स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरे मुवक्किल चन्द्र प्रकाश दायमा की किसी भी प्रकार से जिम्मेदारी नहीं होगी।
भवदीयः लक्ष्मीकांत शर्मा (मालपुरा) एडवोकेट 9414335553

आगरा-जयपुर राजमार्ग पर तीसरे दिन भी जाम, समझाइश का नहीं हुआ असर

संघर्ष समिति संयोजक को रिहा करने की जिद पर प्रदर्शनकारी, राजमार्ग पर सैनी समाज के आन्दोलन का मामला

आरक्षण की मांग को लेकर हाइवे पर जमी महिलाएं।

नदबई/भरतपुर, (निसं)। सैनी समाज की ओर से 12 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर आगरा जयपुर राजमार्ग पर अरोंदा के समीप चक्का जाम कर आन्दोलन के मामलें में जिला प्रशासन की ओर से सीआई राधेश्याम सांखला व तहसीलदार ताराचंद सैनी ने धरनास्थल पर पहुंच सैनी समाज के लोगों से बातचीत की।

साथ ही वार्ता को लेकर 11 सदस्यीय कमेटी गठित करने को कहा। सैनी समाज के लोगों ने आगामी रणनीति को देखते हुए कमेटी गठित करने की कवायद की। लेकिन, देर शाम तक कमेटी गठित नही होने के चलते जिला प्रशासन व प्रदर्शनकारियों के बीच वार्ता नही हो सकी। ऐसे में आगरा जयपुर राजमार्ग पर नदबई क्षेत्र के गांव अरोंदा के समीप तीसरे दिन भी पूरी तरह से जाम की स्थिति बनी हुई है। उधर, आन्दोलनस्थल पर युवाओं के बाद अब महिलाएं भी मोर्चा संभालती नजर आ रही। आरक्षण की मांग को लेकर आन्दोलनस्थल पर भारी संख्या में महिलाएं नजर आ रही। साथ ही लोकगीत गाते हुए युवाओं की हौसला अफजाई कर रही।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर अरोंदा के समीप सैनी समाज के लोगों ने आरक्षण की मांग को लेकर शुक्रवार देर शाम जाम लगा दिया। संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा, जिला कलक्टर आलोक रंजन, पुलिस आईजी गौरव श्रीवास्तव, जिला एसपी श्याम सिंह के अधिकारी लगातार सैनी समाज के लोगों से वार्ता करने का प्रयास कर रहे। लेकिन, प्रदर्शनकारी पहले संघर्ष समिति संयोजक को रिहा करने व बाद में वार्ता करने की जिद पर अडे हुए है।

माली सैनी शाक्य मार्य व कुशवाहा समाज के प्रतिनिधिमंडल ने फुले आरक्षण संघर्ष समिति सह संयोजक पप्पू भाई प्रधान के नेतृत्व में जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंप कर फुले आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक मुरारी लाल सैनी सहित गिरफ्तार किए गए अन्य लोगों की रिहाई की मांग की। प्रतिनिधि मंडल में श्याम सुंदर सुरोठ, भाग चंद सैनी, श्री राम सैनी आदि मौजूद रहे। माली सैनी शाक्य मार्य व कुशवाहा समाज के लोग पिछले तीन दिनों से 12 प्रतिशत आरक्षण एवं अपने नेताओं की रिहाई की मांग को लेकर नेशनल हाइवे स्थित अरौंदा के पास रास्ते को जाम किए आंदोलनरत हैं। प्रशासन के द्वारा लगातार उन्हें अपना आंदोलन समाप्त कर सरकार से वार्ता करने के लिए समझाइस की जा रही है। लेकिन अभी सफलता प्राप्त नहीं हो पाई है। अब आंदोलनकारियों की मुख्य मांग है कि फुले आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक मुरारी लाल सैनी सहित सभी लोगों को छोड़ा जाए।

एडवाइजरी बोर्ड के बजाय लवकुश बोर्ड गठित किया जाए, जिसमें अध्यक्ष, मेंबर और डेवलपमेंट के लिए फंड हो, समाज के लिए 12 प्रतिशत आरक्षण दिया, क्योंकि प्रदेश में समाज की जनसंख्या 12 प्रतिशत से ज्यादा है। रोहिणी कमीशन के जरिए समाज का सर्वे करवाया जाए। प्रशासन के द्वारा लगातार की जा रही समझाइस के बाद देर शाम फुले आरक्षण संघर्ष समिति सह संयोजक पप्पू भाई प्रधान के नेतृत्व में प्रतिनिधिमण्डल ने जिला कलेक्टर से मिलकर अपनी बात रखी। इस बारे में फुले आरक्षण संघर्ष समिति के सह संयोजक पप्पू सैनी का कहना है कि मुख्यमंत्री से बात हुई है। उन्होंने सरकार को 12 प्रतिशत आरक्षण की बात बता दी है। सरकार भी कानूनी दृष्टिकोण से वार्ता को तैयार है।

डॉक्टर्स के बाद स्कूल संचालक करेंगे विरोध

26 को मुख्यमंत्री के सामने करेंगे प्रदर्शन

बीकानेर, (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की 26 अप्रैल को बीकानेर में होने वाली राजनीतिक सभा के रंग में भंग डालने के लिए प्राइवेट स्कूल्स के टीचर्स लामबंद हो रहे हैं। दरअसल, राज्यभर के दस हजार से ज्यादा स्कूल्स को पिछले साल फ्री एडमिशन वाले एक लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स की फीस अब तक नहीं मिली है। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय की लापरवाही के चलते ये परेशान प्राइवेट स्कूल्स के संचालक अब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समक्ष विरोध प्रदर्श करेंगे।

■ आरटीई के तहत फ्री पढ़ाने वाले दस हजार स्कूल्स को नहीं मिली फीस

गहलोत 26 अप्रैल को बीकानेर में आ रहे हैं। स्कूल एज्यूकेशन वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष कोडाराम भादू ने बताया कि राजस्थान के 10 हजार 465 स्कूल्स को शिक्षा सत्र 2022-23 की फीस अब तक नहीं मिली है। ये हालात तब है जब राज्य सरकार बजट दे चुकी है, फाइनेंस डिपार्टमेंट स्वीकृति दे चुका है। शिक्षा निदेशालय स्तर पर रही लापरवाही के चलते करीब 180 करोड़ रुपए का भुगतान अटका हुआ है। प्राइमरी से जुड़े स्कूल्स को ये भुगतान मिल गया लेकिन सेकंडरी एज्यूकेशन से जुड़े अधिकांश स्कूल भुगतान को तरस रहे हैं। उदयपुर और श्रीगंगानगर के कुछ स्कूल्स को छोड़कर राज्य के अधिकांश स्कूल्स को फीस नहीं मिली है। भादू ने बताया कि उन्होंने इस बारे में शिक्षा निदेशालय से संपर्क किया लेकिन सही जवाब नहीं मिला। इसके बाद जयपुर में फाइनेंस डिपार्टमेंट से संपर्क किया। तब बताया गया कि भुगतान हो चुका है लेकिन स्कूल्स को अब तक नहीं मिला।

मीडिया प्रभारी ने बताया की शिक्षा सत्र 2022- 23 में निशुल्क पढ़ाए गये। विद्यार्थियों के बिल विभाग द्वारा बनाकर ट्रेजरी को भेज दिए गए। ट्रेजरी ने पास करके जयपुर फाइनेंस डिपार्टमेंट को 25 मार्च से पहले ईसीएस के लिए भेज दिए गए। फाइनेंस डिपार्टमेंट ने अब तक ईसीएस नहीं किया है। इस वजह से स्कूलों को भुगतान नहीं हो रहा है। यह भुगतान 31 मार्च से पहले हो जाना चाहिए था। संपूर्ण शिक्षा सत्र बीत चुका है। इसलिए दोनों किस्तों का भुगतान एक साथ होना चाहिए। शिक्षा सत्र 2018-19 व 2019-20 का प्रदेश के हजारों स्कूलों का भूगतान तिथि का बैरियर लगाकर रोका हुआ है। शिक्षा सत्र 2020-21 का ऑफलाइन के नाम पर भुगतान रोका हुआ है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 26 अप्रैल को बीकानेर के जसरासर में किसान सम्मेलन में हिस्सा लेने आ रहे हैं। इसी दौरान बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ व चूरू के प्राइवेट स्कूल संचालक एकत्र होंगे। ये सभी लोग जनता के बीच में रहेंगे और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का विरोध करेंगे। संगठन का उद्देश्य मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित करना रहेगा। बैठक में जिलाध्यक्ष चूरू से हेतराम घिंटाला, हनुमानगढ से गुरुदेव सिंह, गंगानगर से खाली राम साहू, ब्लॉक अध्यक्ष श्री डूंगरगढ़ से ओमप्रकाश , मनोज गुंसाई, लूणकरणसर से मनोज शर्मा, मोतीगढ़ से सद्दाम हुसैन, पुगल से पेमाराम, छतरगढ से बद्रीनारायण गर्ग, खाजूवाला से अनिल कस्वां, बज्जू से शिवकरण कड़वासरा, पांचू से राजाराम बिश्नोई, नोखा से पुनाराम गोदारा व जसरासर से प्रेमकांत तरड ने अपने विचार व्यक्त किए।

सड़क किनारे व्यापारी का शव मिला

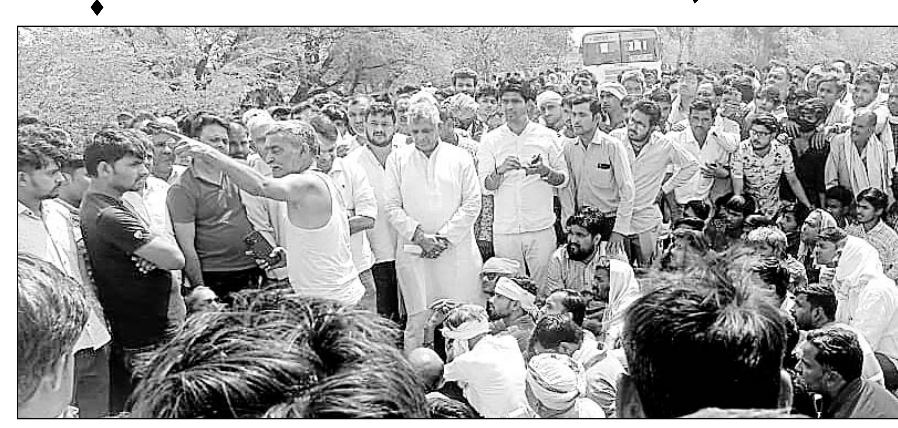

सूचना के बाद कस्बे व आस-पास के लोग घटनास्थल पर जमा हो गए।

अलवर, (निसं)। अलवर के लक्ष्मणगढ़ के ऑटो पार्ट्स व्यापारी दिनेश शर्मा (40) पुत्र श्रीराम का शव रविवार सुबह करीब 5.30 बजे सड़क किनारे मिला। व्यापारी के मुंह व हाथ पर चोट के निशान भी थे। पुलिस ने हत्या की आशंका जताई है। मौके पर जुटे लोगों व परिजनों ने हत्यारों की गिरफ्तारी, मृतक की पत्नी को नौकरी व आर्थिक मुआवजे की मांग की। मौके पर कई थानों की पुलिस व कस्बे और आसपास के लोगों की भीड़ लग गई।

■ पुलिस ने हत्या की आशंका जताई, लोग विरोध में उतरे

दिनेश की पत्नी सीमा शर्मा ने बताया कि पति शनिवार शाम को शादी समारोह में जाकर लौटे थे, इसके बाद वे किसी का फोन आने पर गए। शाम करीब 7 बजे उनकी बात हुई थी, तब कहा था कि वे जल्दी घर आ जाएंगे। लेकिन उसके बाद दिनेश न घर आए न उनका फोन लगा। परिवार ने रात को भी तलाश की, अगले दिन रविवार सुबह 5:25 बजे दिनेश शर्मा का शव मालाखेड़ा रोड पर बावड़ी से 100 मीटर दूर रोड किनारे पड़ा मिला। इसके बाद परिजनों को सूचना मिली। फिर कस्बे व आसपास के लोग जुट गए। लोगों का कहना था कि हत्या के आरोपियों को पकड़ा जाए। मृतक की पत्नी को नौकरी व आर्थिक सहायता मिले। मृतक दिनेश शर्मा के दो बच्चे हैं, दोनों स्कूल में पढ़ते हैं। लोगों की भीड़ के कारण रोड पर जाम लग गया। मौके पर पुलिस डीएसपी डीएसपी राजेश शर्मा, एसडीएम सुभाष, एसएचओ अवतार सिंह, बडौदामेव एसएचओ हितेश, गोविंदगढ़ एसएचओ ताराचंद सहित बड़ी संख्या में पुलिस जाब्ता पहुंचा। इस घटना के विरोध में जैसे-जैसे लोगों को पता लगा। आसपास कई जगह जाम लगा दिया। रास्ते खुलवाने में पुलिस को मशक्कत करनी पड़ी। फिलहाल पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। पुलिस ने समझाइश कर जाम खुलवाया।

दतवास पुलिस ने फर्जी आई.ए.एस. को दबोचा

दतवास थाने में गिरफ्तार फर्जी आईएएस।

निवाई, (निसं)। दतवास पुलिस ने पुलिस वृत्ताधिकारी संदीप सारस्वत के निकट सुपरविजन पुलिस की टीम ने फर्जी आईएएस को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बताया कि खुद को आईएएस बताकर आरोपी इंद्राज मीणा ने कहा कि मेरे पिता प्रभुलाल पुत्र गोपाललाल मीणा निवासी बरथला ने पुलिस थाना दत्तवास में 28 मार्च 2023 को एक रिपोर्ट पेश की थी जिस पर पुलिस द्वारा अब तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है। इस पर पुलिस द्वारा व्यक्ति का नाम पूछने पर व्यक्ति ने अपना नाम इंद्राज मीणा पुत्र प्रभु लाल मीणा निवासी भरथला थाना दतवास होना बताया और स्वयं को आईएएस अधिकारी बताया एवं वर्तमान में आईएएस की ट्रेनिंग लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी मसूरी उत्तराखंड में करना बताया।

आरोपी युवक ने अपने पद की धोंस देते हुए आवेश में आकर कहने लगा कि मेरे पिता प्रभुलाल मीणा द्वारा दी गई रिपोर्ट पर अब तक पुलिस ने क्यों कार्यवाही नहीं की है। मैं वर्तमान में 1 आईएएस की ट्रेनिंग कर रहा हूं और पुलिस एक ट्रेनीज आईएएस के पिता की कोई मदद नहीं कर रही है। आप जनता की क्या मदद करोगे। जिस पर थाना उपनिरीक्षक प्रशिक्षु विजय कुमार ने पूछा की आप कौन से बैच के आईएएस अधिकारी हो और वर्तमान में कहां पर पद स्थापित हो। अपनी आईडी व अन्य दस्तावेज हो तो पेश करें जिस पर आरोपी इंद्राज मीणा कहने लगा कि मैं वर्ष 2021 के बेच का आईएएस अधिकारी हूं। वर्तमान में लाल बहादुर शास्त्री प्रशासनिक अकादमी मसूरी उत्तराखंड आईएएस की ट्रेनिंग कर रहा हूं। मेरे पास कोई आईडी और अन्य दस्तावेज नहीं है। पुलिस ने जब युवक से गहनता से पूछताछ करने लगी तो युवक घबरा गया और कहने लगा कि मैं अभी भारतीय सिविल सर्विस की परीक्षा पास की है। मैं वर्तमान में कोई भी आई एस की ट्रेनिंग नहीं कर रहा हूं। मैं तो केवल अपने पिता की रिपोर्ट पर कार्रवाई करने हेतु अपने आप को आईएएस होना बताया था।

आज से बी.कॉम की परीक्षाएं

जोधपुर, (कासं)। जय नारायण व्यास यूनिवर्सिटी के जोधपुर, पाली, जालौर, बाड़मेर और जैसलमेर जिलों से संबद्ध सभी महाविद्यालयों की बीकॉम की परीक्षा 24 अप्रैल से शुरू होगी। इसमें बीकॉम फर्स्ट ईयर, सेकेंड ईयर, फाइनल ईयर की परीक्षा शामिल हैं। बीसीए प्रथम, द्वितीय और अंतिम वर्ष की परीक्षाएं 6 मई से शुरू होगी। इसको लेकर टाइम टेबल भी यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर जारी कर दिया गया है। एडमिट कार्ड भी ऑनलाइन प्राप्त कर सकते हैं। परीक्षा नियंत्रक ने बताया यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर परीक्षा से संबंधित समय सारणी अपलोड कर दी गई है। स्टूडेंट्स वेबसाइट पर जाकर पूरा शेड्यूल देख सकता। वहीं अपने एडमिट कार्ड में प्राप्त कर सकते हैं।

नकली दूध बनाने की फैक्ट्री पकड़ी

नोहर में डीएसटी टीम कार्रवाई, एक आरोपी को किया गिरफ्तार

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले के नोहर क्षेत्र के जसाना गांव में बड़ी मात्रा में नकली दूध बनाने का भंडाफोड़ हुआ है। इस दौरान मौके से हथकड़ शराब भी बरामद की है। डीएसटी ने कार्रवाई करते हुए मौके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा 6 केन नकली दूध की और करीब 250 लीटर से अधिक नकली दूध बनाने वाला कैमिकल जप्त किया है। इस दौरान 3 लीटर हथकड शराब भी बरामद हुई हैं।

पुलिस ने मौके से राजकुमार पुत्र हनुमान प्रसाद सहारण निवासी जसाना को गिरफ्तार किया गया हैं। इस संबंध में फेफाना पुलिस थाना में राजकुमार के खिलाफ अवैध शराब और नकली दूध बनाने के संबंध में मामला दर्ज किया गया हैं। कार्रवाई के दौरान खाद्य विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाया गया। प्रारम्भिक पूछताछ में पता चला हैं कि आरोपित पिछलें 5-6 महीने से नकली दूध बनाने का काम कर रहा था। राजकुमार गांव में डेयरी चलाता हैं। डेयरी के आड़ में केमिकल से नकली दूध बनाने का काम करता था। पूछताछ में पता चला हैं कि कम समय में ज्यादा पैसे कमाने के चक्कर में उसने ये धंधा शुरू किया था। मौके पर से जब्त कि गई हथकड शराब भी राजकुमार ने ही पिछलें दिनों बनाई थी।

बेमौसम बारिश ने बिगाड़ा रसोई का जायका, किसान भी परेशान

बीकानेर, (कासं)। बेमौसम बारिश ने ना केवल किसानों की मुश्किलें बढ़ाई है, बल्कि रसोई का जायका भी बिगाड़ा है। गेहूं, जीरा, सरसों, चना और इसबगोल की फसलें इस कदर खराब हुई कि इसबगोल और जीरे की कीमतें आसमान छूने लगीं। वहीं गेहूं की फसल खराब होने से उसकी चमक फीकी पड़ गई। पिछले वर्ष तक 140 से 200 रुपए किलो बिकने वाला जीरा वर्तमान में 500 से 600 रुपए प्रति किलो तक बिक रहा है।

वहीं इसबगोल की कीमतें थोक में 200 से 220 रुपए तक पहुंच गई। जबकि बारिश और आंधी से पहले यह 60-70 रुपए प्रति किलो थोक में बिक रहा था। बारिश से चने और गेहूं की फसल को भी खासा नुकसान पहुंचा है। हालांकि इनकी कीमतों में फिलहाल कोई तेजी देखने को नहीं मिल रही, लेकिन किसानों को हुए नुकसान के कारण आगामी दिनों में इसकी कीमतें भी बढ़ ने का अनुमान लगाया जा रहा है। बारिश और आंधी के कारण गेहूं और चने की क्वालिटी काफी गिर चुकी है। किसानों को इनमें फफूंद लगने का डर सता रहा है। किसान को गेहूं को समर्थन मूल्य भी नहीं मिल रहा है। बाजार में 2125 रुपए प्रति क्विंटल से नीचे बेचने के लिए मजबूर हैं।

■ गेहूं, जीरा, सरसों, चना और इसबगोल की फसलें इस कदर खराब हुई कि इसबगोल और जीरे की कीमतें आसमान छूने लगीं हैं

श्रीगंगानगर रोड स्थित मुख्य अनाज मंडी में इन दिनों जीरे और ईसबगोल की आवक पर ब्रेक लगा हुआ है। बीकानेर के नोखा में प्रतिदिन 2500 से 3 हजार बोरी इसबगोल की आवक हो रही है, वहीं जीरे की नाममात्र आवक हो रही है। कच्ची आढ़त व्यापार संघ के अध्यक्ष जगदीश पेड़ीवाल ने बताया कि जीरे और इसबगोल की आवक इस वर्ष बिल्कुल भी नहीं हो रही।

नागौर और नोखा मंडी में भी नाममात्र की आवक हो रही है। बेमौसम हुई बारिश और आंधी के कारण बीकानेर सहित जैसलमेर, नोखा, नागौर तथा गुजरात बेल्ट के उंझा में उत्पादित जीरे और ईसबगोल की फसल लगभग 70 फीसदी खराब हो चुकी है। ऐसे में इसका असर एक्सपोर्ट पर पड़ेगा। वहीं गेहूं का एक्सपोर्ट बंद है। ऐसे में खराब क्वालिटी का दंश किसानों और आमजन को भुगतना पड़ेगा। जिंसों के जानकार बालेश कूकणा ने बताया कि किसानों को हुए आर्थिक नुकसान का खमियाजा बाजार को भी भुगतना पड़ेगा। किसानों की जेब से निकलने वाला पैसा ही बाजार में घूमता है। इस वर्ष सरसों, गेहूं, चना, जौ, इसबगोल, जीरा सहित अन्य फसलें खराब हुई है।

नापासर के किसान रूपाराम जाट ने बताया कि फसल खराबे के कारण किसानों को हुए नुकसान की भरपाई सरकार को करनी चाहिए। बिजान के दौरान जो खर्च किसानों की जेब से लगा था, वह भी नहीं निकल रहा है। सरकार को जल्द आर्थिक पैकेज की घोषणा करनी चाहिए।

सुशीला शर्मा गृहिणी ने बताया कि खाने का जायका बढ़ाने वाले जीरे और औषधि के रूप में काम इसबगोल की कीमतों में मानो आग लग गई हो। महंगाई के कारण अब इनकी खरीद आधी करने के साथ ही उपयोग भी कम कर दिया है। सरकार ने अगर महंगाई पर नियंत्रण नहीं किया तो गेहूं और चने की कीमते बढ़ सकती है। इससे पहले मसालों की कीमतों में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई थी।

मा.शि.बो. परीक्षाओं के मानदेय राशि में 11वर्षों में कोई परिवर्तन नहीं

बीकानेर, (कासं)। महंगाई पिछले ग्यारह वर्षों से लगातार बढ़ती जा रही है। इस कारण सब कुछ महंगा हो गया। विभिन्न सरकारी कार्यों की राशि में भी बढोतरी की गई।शिक्षक नेता मोहर सिंह सलावद ने बताया की राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की ओर से प्रतिवर्ष आयोजित की जो वाली परीक्षाओं में विभिन्न कार्यों के लिए दिए जाने वाले मानदेय में बीते ग्यारह वर्षों में सब कुछ महंगा होने पर विभिन्न सरकारी कार्यों के लिए निर्धारित राशि में बढोतरी की, लेकिन राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की ओर से प्रति वर्ष आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं में विभिन्न कार्यों के लिए दिए जाने वाले मानदेय की राशि में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। जो की बेहद ही चिंताजनक है।

परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन के लिए वरिष्ठ अध्यापक व व्याख्याताओं को बतौर परीक्षक के कार्य करने के साथ-साथ उन्हें उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन का अतिरिक्त कार्य करना होता है। जिसके लिए बोर्ड अतिरिक्त मानदेय के रूप में दसवीं के लिए 14 रुपए और बाहरवीं के लिए 15 रुपए की राशि प्रति उत्तरपुस्तिका प्रदान की जाती है। जो की

■ बोर्ड परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन की राशि मात्र 14 से 15 रुपए

वर्तमान की महंगाई के दौर में ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। ग्यारह वर्षों में भी नहीं बढ़ाई राशि बोर्ड परीक्षा के लिए विभिन्न कार्यों के लिए निर्धारित पारिश्रमिक दरों में 2012 के बाद दस वर्षों बाद भी कोई वृद्धि नहीं की गई। जबकि बोर्ड परीक्षा के आवेदन लेते समय विद्याथियों से लिया जाने वाला शुल्क दो तीन वर्ष बाद बढ़ाया जा रहा है। वर्तमान में प्रति विद्यार्थी 600 रूपए बोर्ड परीक्षा का आवेदन शुल्क लिया जा रहा है। प्रतिवर्ष बढ़ती महंगाई को ध्यान में रखते हुए पारिश्रमिक दरों में भी वृद्धि की जानी चाहिए ताकी कुछ लाभ मिल सके। शिक्षकों की मानें तो महंगाई के इस दौर में इस राशि से एक पेन ही बड़ी मुश्किल से खरीदा जा सकता है। वर्तमान में एक अच्छे पेन के भी दस से 15 रूपए लगते हैं, एक पेन से करीब ती उत्तरपुस्तिकाओं का ही मूल्यांकन हो पाता है। इसलिए प्रति उत्तरपुस्तिका के लिए मिलने वाली इस राशि में से 50 प्रतिशत राशि तो अकेले पेन पर ही खर्च हो जती है। मूल्यांकन के लिए खर्च किए जाने वाले अतिरिक्त समय के लिए पर्याप्त राशि भी नहीं मिल पाती है। ओर ये राशि भी एक वर्ष बाद मिलती है।

उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन के लिए मिलने वाले कम मानदेय के कारण हर कोई आसानी से उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन करना भी नहीं चाहता। लेकिन कार्य नहीं करने पर बोर्ड की ओर से दिए जाने वाले नोटिस के कारण वरिष्ठ अध्यापक व व्याख्याता को ये कार्य करना पड़ता है। वर्तमान की पारिश्रमिक दरें उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन मानदेय प्रति उत्तरपुस्तिकामाध्यमिक 14, उच्च माध्यमिक 15 रूपए परीक्षा केन्द्र कार्य के लिए प्रतिदिवस केंद्राधीक्षक 150 अतिरिक्त केंद्राधीक्षक 110 वीक्षक 90 निरीक्षण के लिए देय राशि जिला शिक्षा अधिकारी 2000 एक मुश्त उडन०दस्ता संयोजक 525 प्रति दिवस उड़नदस्ता सदस्य 425 रूपए प्रतिदिवस है।

शिक्षक नेता मोहर सिंह सलावद ने ध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की बोर्ड परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिका जांचने का कार्य करने वाले शिक्षकों को मिलने वाले मानदेय की राशि को लगभग 11 वर्षों से नहीं बढ़ाया। जबकि महंगाई भत्ते सरकार कार्मिकों के हर वर्ष दो बार बढ़ाती है।

दिन में छाया रहा अंधेरा, दोपहर बाद हुई बरसात

वाहन चालकों को दोपहर में ही हेड लाइट जला कर सफर करते हुए देखा गया

आसमान में छाए हुए काले बादल एवं धूल का गुबार।

निवाई, (निसं)। उपखंड मुख्यालय सहित शहर में रविवार को दोपहर बाद धूल भरी तेज हवाएं चलती रही एवं घने काले बादल छाए रहे। जिससे दिन में ही अंधेरा छाया रहा। रविवार को दोपहर बाद अचानक धूल भरी आंधी चलने लगी एवं आसमान में घने काले बादल छाए रहे एवं मिट्टी के गुब्बारे दिखाई दिए। इस दौरान बिजली की जोरदार गडगडाहट से लोग सहम गए।

इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग सहित अनेक सडक मार्गो पर वाहन चालकों को दोपहर में ही हेड लाइट जला कर सफर करते हुए देखा गया। वहीं बादलों की तेज गडगडाहट होने से लोग सहम गए एवं घरों से बाहर नहीं निकले। इस दौरान घंटों बिजली गूल रही जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पडा। दोपहर बाद अचानक बरसात हुई जिससे गर्मी से निजात मिली।

आंधी-तूफान से कई फीडर फॉल्ट व पोल भी टूटे

मनोहरपुर, (निसं)। आंधी और तूफान तीव्र गति से आने पर आसपास एवं दूरदराज में धूल के बादल छाए रहे इससे व्यापारियों की दुकानों में धूल भर गई जिससे सामान खराब हो गया व राहगीरों को अत्यधिक परेशानी हुई सड़क पर यातायात का जाम लग गया।

इधर त्रिपाल उड़ने व छत पर सूखते हुए कपड़े आसमान में उड़ते हुए दिखाई दिये। कनिष्ठ अभियंता मनोहरपुर व कनिष्ठ अभियंता चंदवाजी के अधीन आने वाले कुछ गांव में विद्युत पोल टूटने व लाइन फाल्ट होने की भी खबरें मिल रही है। इधर कर्मचारियों ने अभिलंब लाइन के फाल्ट को निकालकर लाइन दुरुस्त कर जनता को राहत पहुंचा रहे हैं। कनिष्ठ अभियंता राकेश कुमावत ने बताया कि नवलपुरा में एक सिंगल फेस के ट्रांसफार्मर का पोल टूट गया है। कनिष्ठ अभियंता चंदवाजी के रणवीर सिंह ने बताया कि 33/11 केवी चंदवाजी जीएसएस से 11 केवी फीडर सुंदरपुरा , अरनिया क्रेशर , कंवरपुरा 2 , लखेर फीडर फाल्ट हो गए हैं। इसी प्रकार 33/11 केवी जीएसएस चक मनोहरपुर से 11 केवी चक मनोहरपुर फीडर और 33 /11 केवी जीएसएस कंवरपुरा से अरनिया फीडर का तार टूटा हुआ है।

पार्क की जमीन को खुर्द-बुर्द करने की तैयारी में जुटा भूमाफिया, जे.डी.ए. के अफसर मौन!

सिरसी रोड पर मंगल नगर में सार्वजनिक पार्क की 956 वर्गगज भूमि पर 3 प्लॉट काटने का मामला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । सिरसी रोड पर मंगल नगर में सार्वजनिक पार्क की 956 वर्गगज जमीन पर शंकर गृह निर्माण सहकारी समिति ने तीन प्लॉट काटे। इनका साथ देते हुए जेडीए के अधिकारियों ने भी आंखे मूंदकर तीनों प्लॉट्स के पट्टे दे डाले। जबकि जेडीए प्रशासन ने जब वर्ष 2014-15 में कॉलोनी का नियमन शिविर लगाया था, तब प्लॉट नंबर 126, 127 व 128 को विवादित माना था। जेडीए के अप्रूव्ड नक्शे में इस भूमि को खाली दिखाकर तकनीकी खामी यानि टैक्नीकल फॉल्ट (टी.एफ.) लिखा गया, उधर सहकारी सोसायटी ने कॉलोनी का नक्शा तक बदल डाला। यह आरोप मंगल नगर विकास समिति के पूर्व अध्यक्ष राजाराम सिंह और उपाध्यक्ष चिमन सिंह ने लगाए हैं।

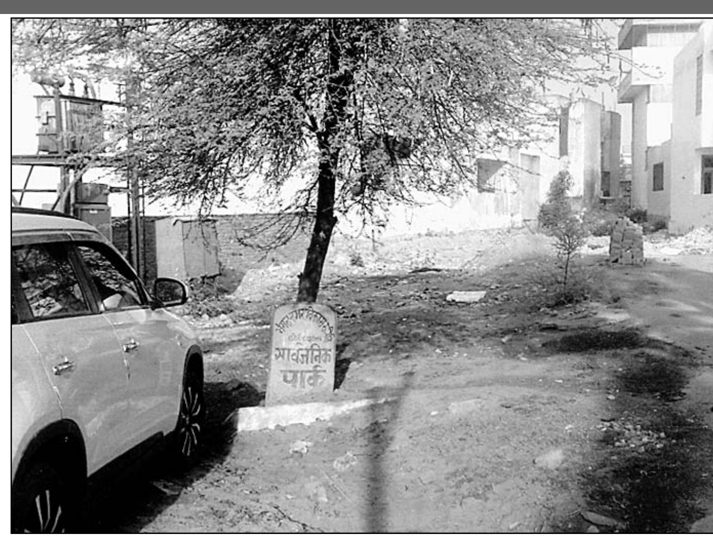

यह तस्वीर है वर्ष 2021 की, जिसमें मंगल नगर कॉलोनी के सार्वजनिक पार्क की जमीन खाली पड़ी नजर आ रही है। यहां पर पार्क की सूचना का पत्थर और विद्युत ट्रांसफार्मर भी लगा हुआ था, जिसे शिफ्ट करवाकर इस भूमि पर तीन प्लॉट काट दिए गए हैं।

- **मंगल नगर विकास समिति के पूर्व अध्यक्ष राजाराम सिंह ने कहा कि जेडीए प्रशासन भी मंगल नगर का नियमन करते समय प्लॉट नं. 126, 127 व 128 को विवादित मान चुका है, फिर भी अफसरों ने मिलीभगत कर तीनों प्लॉट्स के गुपचुप पट्टे दे दिए**
- **पूर्व उपाध्यक्ष चिमन सिंह का कहना है कि कॉलोनी के जेडीए के अप्रूव्ड नक्शे में पार्क की जमीन को खाली दर्शाते हुए यहां तकनीकी खामी (टी.एफ.) अंकित हैं, तो फिर शंकर गृह निर्माण सहकारी समिति के नक्शे में तीन प्लॉट कहां से सृजित हो गए?**
- **उन्होंने आरोप लगाया कि शंकर गृह निर्माण सहकारी समिति और मंगल नगर विकास समिति के अध्यक्ष हरिओम चौधरी ने जेडीए के अधिकारियों से सांठगांठ करके कॉलोनी का मूल नक्शा बदल दिया है, फिलहाल हाईकोर्ट ने इस भूमि पर यथा स्थिति (स्टे) के आदेश दे रखे हैं, लेकिन पार्क को बचाने के लिए हम हर लडाई लडेंगे।**

राजाराम सिंह ने बताया कि मंगल नगर कॉलोनी में वर्ष 2021 तक पार्क की जमीन खाली पड़ी थी, यहां पर बाकायदा सार्वजनिक पार्क की पट्टियां, कुर्सी व बैंच लगी हुई थी। पार्क की जमीन के अंदर ही ट्रांसफार्मर लगा हुआ था, जिसे आपसी सांठगांठ से इस भूमि से हटाकर बाहर कर दिया गया और शंकर गृह निर्माण सहकारी समिति के पदाधिकारियों व अन्य भूमाफियाओं ने इस जमीन पर तीन प्लॉट 126, 127 व 128 काट दिए।

उन्होंने बताया कि पिछले दिनों जब हमने जेडीए प्रशासन से आर.टी.आई. के तहत दस्तावेज निकलवाए तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आये। जेडीए प्रशासन ने शंकर गृह निर्माण सहकारी समिति और जेडीए द्वारा अप्रूव्ड नक्शे की जो सत्यापित कॉपी हमें दी थी, उसमें काफी अंतर हैं। जेडीए के नक्शे में पार्क की जगह को खाली दर्शाते हुए तकनीकी खामी यानि टैक्नीकल फॉल्ट (टी.एफ.) लिखा हुआ है, जबकि शंकर गृह निर्माण सहकारी समिति के नक्शे में तीनों प्लॉट काटे हुए हैं।

ऐसे में बड़ा सवाल यह उठता है कि अगर कॉलोनी में नियमन कैंप लगने से पहले सोसायटी ने अपना रिकॉर्ड जेडीए को सौंप दिया था, तो उसमें अगर इस जमीन पर तीन प्लॉट सृजित थे तो फिर जेडीए ने अपने नक्शे में इस भूमि को खाली क्यों छोड़ा और इससे विवादित क्यों माना। दूसरा बड़ा रोचक तथ्य यह है कि अगर जेडीए के नक्शे में यह भूमि खाली और विवादित मानी गई है तो फिर सोसायटी के नक्शे में तीन प्लॉट कहां से सृजित हो गए?

राजाराम सिंह व चिमन सिंह का आरोप है कि मंगल नगर विकास समिति के अध्यक्ष हरिओम चौधरी व सोसायटी के लोगों ने जेडीए के अधिकारियों से सांठगांठ करके कॉलोनी का मूल नक्शा बदलकर उसमें दूसरा नक्शा डाल दिया हैं, जिसमें यह तीनों प्लॉट अंकित हैं। हम इस पूरे प्रकरण को हाईकोर्ट में लेकर जाएंगे, फिलहाल अदालत ने इस जमीन पर यथा स्थिति के आदेश दे रखे हैं, लेकिन भूमाफिया इसे पूरी तरह से खुर्द-बुर्द करने की तैयारी में जुटे हुए हैं। चिमन सिंह ने कहा कि जेडीए प्रशासन और पुलिस महकमे में सैकड़ों शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी कॉलोनी के पार्क की जमीन को खुर्द-बुर्द होने से बचाने के बजाय शंकर गृह निर्माण सहकारी समिति और भूमाफियाओं को मूक सहमति दे रहे हैं। लेकिन हम हार नहीं मानेंगे, पार्क को बचाने के लिए हर लड़ाई लड़ेंगे। उधर इस पूरे प्रकरण में मंगल नगर विकास समिति के अध्यक्ष हरिओम चौधरी ने राजाराम सिंह और चिमन सिंह के आरोपों को निराधार बताते हुए बदनाम करने का षडयंत्र बताया है।

एयरपोर्ट पर 46 लाख के सोने के साथ यात्री पकड़ा

- **शारजाह से आ रहे यात्री के बॉक्स में मिला 756 ग्राम सोना**
- **मास्टरमाइंड तक पहुंचने के लिए आरोपी से पूछताछ में जुटी कस्टम टीम**

जयपुर (कासं)। सांगानेर एयरपोर्ट पर करीब 46 लाख रुपए का सोना पकड़ा गया है। शारजाह की फ्लाइट से जयपुर पहुंचे यात्री को कस्टम अधिकारियों ने दबोचा है। जांच के दौरान यात्री के बॉक्स से सोने की छड़ मिली हैं। इनसे करीब 756 ग्राम सोना निकला। इस सोने की कुल कीमत 46 लाख 64 हजार और 520 रुपए बताई गई है।

कस्टम अधिकारी ने बताया कि सुबह शारजाह से आने वाली फ्लाइट में सोने की तस्करी की जानकारी मिली थी। इस पर एयरपोर्ट पर तैनात टीमों को एक्टिव रहने के निर्देश दिए गए थे। फ्लाइट रनवे पर लैंड करने के साथ ही सभी ऑफिसर एक्टिव हुए। एयरपोर्ट से बाहर निकलने के दौरान एक यात्री को अधिकारियों ने रोका। उससे जानकारी मांगी, लेकिन उसके द्वारा गोल्ड से संबंधित जानकारी नहीं मिली। इसके बाद यात्री के सामान की जांच की गई। उससे भी कुछ बरामद नहीं हुआ। सामान को स्कैन किया गया। इससे पता चला की बैग में रखे एक कार्टन में गोल्ड की छड़ियां रखी हुई हैं। टीम ने बैग की तलाशी कर कार्टन को बाहर निकाला। कार्टन में बड़ी गोपनीय तरीके से सोने की छडी छिपा रखी थी। इस संबंध में यात्री से जब जानकारी मांगी गई तो उसने कुछ जानकारी होने से मना कर दिया। इस पर यात्री से पूछताछ के लिए उसे कोर्ट मे पेश किया गया है। सोने को जब्त कर लिया गया है। तस्करी के मास्टर माइंड तक पहुंचने के लिए यात्री से पूछताछ की जा रही है।

धूलभरी आंधी के साथ शहर में हल्की बारिश

जयपुर । राजधानी जयपुर में रविवार को मौसम में बदलाव हुआ। सुबह ठंडी हवा ने गर्मी ने कुछ देर के लिए राहत दी लेकिन दिन निकलने के साथ ही तेज धूप ने गर्मी का अहसास भी करवा दिया। दोपहर होते होते मौसम एक बार फिर से बदल गया आसमान में काले बादल छा गए और राहत दी। दोपहर होते होते मौसम ने अचानक करवट ली और पूरे शहर में बादल छा गए। कुछ ही देर में तेज धूल भरी आंधी के साथ हल्की बारशि होने लगी।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार भारत में सक्रिय हुए नए पश्चिमी विक्षोभ की वजह से उत्तर भारत में एक बार फिर मौसम परिवर्तन का सिलसिला शुरू हो गया है। 24 घंटों में जयपुर,अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली,झुंझुनूं, सीकर, चूरू, नागौर, हनुमानगढ़, दौसा और बीकानेर में आंधी के साथ बारिश होने की संभावना है। इसके बाद 25 अप्रैल को मौसम शुष्क रहने की संभावना है। वहीं, 26 अप्रैल को राजस्थान के दक्षिणी हिस्से में धूलभरी आंधी चलने के साथ बारिश हो सकती है। इसके बाद 27 और 28 अप्रैल से राजस्थान में एक नया वेदर सिस्टम तैयार होगा। इससे प्रदेश के अधिकांश इलाकों में बारिश की संभावना है। नए वेदर सिस्टम का असर मई के शुरुआती महीने में भी नजर आएगा। प्रदेश में तेज हवा के साथ बारिश का सिलसिला देखने को मिलेगा। इससे राजस्थान के अधिकतम तापमान में 5 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हो सकती है। सोमवार को राजधानी जयपुर में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान लगभग 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान लगभग 20 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है।

भगवान परशुराम शस्त्र और शास्त्र के ज्ञाता थे : पं. मिश्रा

सितंबर में आयोजित होगा 5 लाख ब्राह्मणों का महासंगम

- **भगवान परशुराम जन्मोत्सव समारोह में किया शस्त्र पूजन**

जयपुर, (का.सं.)। सर्व ब्राह्मण महासभा द्वारा परशुराम जन्मोत्सव पर पूरे प्रदेश में कहीं शोभा यात्रा और पूजा अर्चना के अनेक आयोजन किये जा रहे है। समारोह में आज जयपुर में भगवान परशुराम की पूजा अर्चना और शस्त्र पूजन सर्व ब्राह्मण महासभा के बनीपार्क स्थित खण्डाका मैरिज गार्डन पर आयोजित हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में विप्र जनों ने भाग लिया।

विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट कमलेश शर्मा ने बताया कि समारोह में आज सर्व ब्राह्मण महासभा के प्रधान कार्यालय पर सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा सपत्नीक नीलम मिश्रा के सानिध्य में भगवान परशुराम जी के शस्त्र पूजन किया गया।

सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा ने उपस्थित ब्राह्मण जनों को शपथ दिलाई की हम सब "सर्वजन सुखाय "सर्वजन हिताय" की भावना के साथ काम करेंगे और समाज के प्रत्येक व्यक्ति की मदद करेंगे। भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए ब्राह्मण समाज का योगदान सर्वोपरि रहेगा। साथ ही सितम्बर माह में जयपुर में 5 लाख ब्राह्मणों का महासंगम होगा। परशुराम विष्णु के अवतार हैं और मातृ और पितृ भक्ति के सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है। इन्होनें आतंकियों का नाश करने का संकल्प लिया और जब-जब आतंकियों ने आतंक फैलाया तो उनका समूल नाश किया। मिश्रा ने कहा है कि भगवान परशुराम ना केवल ब्राह्मणों के आराध्य है यह तो पहले वो व्यक्ति थे जिन्होंने आतंक के खिलाफ फरसा उठाया। वे शस्त्र और शास्त्र के ज्ञाता थे। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को शस्त्र और शास्त्र की जानकारी होनी चाहिए।

इस अवसर पर सर्व ब्राह्मण महासभा के संरक्षक एच.सी. गणेशिया, डिप्टी डायरेक्टर गोविन्द पारीक, प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश शर्मा, गोविन्द मिश्र, योग गुरु ढाकाराम, आयोजन समिति के जिला अध्यक्ष बाबूलाल शर्मा, युवा जयपुर संभाग अध्यक्ष दिनेश शर्मा, विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश शर्मा, युवा महिला जयपुर अध्यक्ष पूजा शर्मा, मुकेश मिश्रा, योगेश मिश्रा, हरीश मिश्रा, महामंत्री पं. विष्णु दत्त शर्मा, युवा प्रकोष्ठ के रवि शर्मा, प्रमोद शर्मा, विक्रम स्वामी, अरुण शर्मा, अशोक भारद्वाज, अशोक शर्मा सांगानेर, बी.एन. भरतपुरिया, लक्ष्मी शर्मा, गीता शर्मा, हर्षित शर्मा, उमाशंकर शर्मा, सुनील शर्मा, राघव दाधीच, वरुण शर्मा, अरुण शर्मा, बिट्टू शर्मा, रविंद्र पारीक, धर्मेन्द्र बैनाड, यश स्वामी सहित सैकड़ों पदाधिकारी उपस्थित थे।

विदेशी मुद्रा के नाम पर ठगी करने वाला बदमाश गिरफ्तार

जयपुर । मालपुरा गेट थाना पुलिस ने विदेशी मुद्रा दिखाकर ठगी करने वाले एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन भी जब्त किया गया है। पुलिस की प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी विदेशी मुद्रा दिरहम का लालच देकर भीड भाड वाली जगह बुलाकर वारदात को अंजाम देता था। डीसीपी ज्ञानचन्द यादव ने बताया कि मालपुरा गेट थाना पुलिस ने विदेशी मुद्रा दिखाकर ठगी करने वाले एक शातिर बदमाश मोहम्मद शकील कुल इस्लाम उर्फ बाबु (23) निवासी श्रीराम कॉलोनी सांगानेर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी व उसके साथी द्वारा लोगों के पास जाकर एक विदेशी करेंसी का नोट दिखाते है और अपने पास ऐसे खूब सारे नोट होने की बात बताते है। फिर जिस व्यक्ति से ठगी करनी है उसको भीड भाड वाले इलाके में बुलाकर उनसे रुपये प्राप्त करके अखबारों का बंडल कपड़े में लपेटकर उसको देकर भाग जाते है। इस प्रकरण में वांछित आरोपी वारदात करने के बाद दिल्ली व कोलकाता पहुंच गया और बार-बार अपनी लोकेशन बदलता रहा।

थाईलैंड भेजने के नाम पर फर्जी टिकट थमाया

जयपुर (कासं)। वीकेआई थाना पुलिस ने थाइलैंड भेजने के नाम पर लाखों रुपए की धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पीड़ित को खुद के साथ हुई धोखाधड़ी का तब पता चला जब वह थाइलैंड जाने के लिए एयरपोर्ट पहुंचा। जहां पर एयरपोर्ट सिक्योरिटी ने फर्जी टिकट देख कर उसे बाहर निकाल दिया। एयरपोर्ट सिक्योरिटी ने पुलिस में देने की बात की तो पीड़ित ने खुद थाने पहुंचकर आप बीती बताई। इस पर एयरपोर्ट थाना पुलिस ने पीड़ित को वीकेआई थाने भेजा। वीकेआई थाना पुलिस ने पीड़ित की परेशानी और 13 लाख 40 हजार की ठगी देखते हुए मामला दर्ज कर लिया।

वीकेआई थाना पुलिस ने बताया कि विश्वकर्मा रोड नम्बर 17 निवासी योगेश बैरवा ने अनुज शर्मा, अरूण ठाकुर और पंकज त्यागी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। जिसमें बताया कि उसके परिचित योगेन्द्र गजेन्द्र, जितेन्द्र ने थाइलैण्ड की विदेश यात्रा के लिए सम्पर्क किया। पीड़ित ने अपने दोस्त पंकज सैनी को यह बात बताई तो वह भी राजी हो गया। फरीदाबाद निवासी पंकज ने उसके अन्य एसोसिएट अरूण ठाकुर और अनुज शर्मा के द्वारा पूर्व में कई विदेश यात्राओं के टूर पैकेज सफलता पूर्वक आयोजित करवाने और भारत के बाहर उनके होटल ट्रेवल और साइटसीन के लिए एजेंट्स से अच्छे संबंध होने की बात कही और कहा कि वह कम दर पर यह सुविधाएं उपलब्ध करवाते है। पीड़ित का कहना है कि पंकज त्यागी ने प्रत्येक व्यक्ति के आने जाने के टिकट, रहने खाने और लोकल कन्वेन्स के लिए 33,500 रुपए बताए गए। इस पर पीड़ित ने पंकज त्यागी और उसके सहयोगियों को योगेश ने अपने मित्र पंकज सैनी के अकाउंट से कुछ रुपए ट्रांसफर कर दिए। 16 दिसंबर 2022 को पंकज त्यागी को लिस्ट भेजी जिसमें 14 व्यक्ति दिल्ली एयरपोर्ट से और 26 व्यक्ति मुंबई एयरपोर्ट से जाना तय हुआ। पंकज त्यागी ने अपने सहयोगी अनुज शर्मा के नाम से अकाउंट की डिटेल व्हाट्सएप की। 18 दिसंबर 2022 को 13 लाख 40 हजार रुपए का भुगतान किया गया। पीड़ित ने बताया कि पंकज त्यागी और उसके सहयोगी अरूण ठाकुर, अनुज शर्मा को भुगतान किया जा रहा था, तभी अरूण ठाकुर ने एक टिकट गो फर्स्ट एयरलाइन का भेजा जिसके पीएनआर नम्बर चैक करने पर वह फर्जी निकले। इस पर पीड़ित ने थाने में मामला दर्ज कराया।

सार-समाचार

टेनिस लीग में हुए रोमांचक मुकाबले

जयपुर (कासं)। महिमा ग्रुप के तृतीय संस्करण डीपीटीएल में सैंडी स्ट्राइकर्स, मोवीश समेशेर्स, एस.आर.के. हॉस्पिटल मालोट वारियर्स ने सेमीफइनल में प्रवेश किया। मेडिकोज सोशल वेलफेयर सोसायटी के तत्वाधान में हुए टेनिस लीग में सीनियर टीम वर्ग में रोमांचक मुकाबले हुए । लीग चेयरमैन डॉ. जयंत सेन ने बताया कि सीनियर वर्ग में एस.आर.के. हॉस्पिटल ने आर.जे.13 किंग्स को 2-1 से हराकर ग्रुप में पहला स्थान पक्का किया। मोवीश समेशेर्स ने मालोट वॉरियर्स को 2-1 से हराया। लीग पेट्रोन डॉ. संदीप निझावन ने बताया कि थापर टाइटन्स ने नी राइडर्स को 2- 1, एक अन्य मुकाबले में नी राइडर्स ने शूटिंग स्र्टाक को 2-1 से हराया। लीग को चेयरमैन डॉ. हरीश भारद्वाज़ ने बताया कि जूनियर वर्ग में प्रीयूष हॉस्पिटल ने केडिया होटशॉट्स को 2-1 से हराया और फोर.डी.डियोग्नोसटिक्स ने गेस्ट्रो किंग्स को 2-1 से हराया। लीग सेक्रेटरी डॉ. अनिल यादव ने बताया कि मास्टर्स वर्ग में डॉ. अक्षय ने डॉ. रवि को 6-4 से, विक्टर वर्ग में डॉ. सुधांशु ने डॉ. विकास को 6-4 से और सुपर लीजेंड्स में डॉ. मुनीश कक्कड़ ने डॉ. राकेश थापर को 6-4 से हराया।

प्रदेश कार्यकारिणी किया गठन

जयपुर । विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री डॉ. सुनील शर्मा सीए ने प्रदेश पदाधिकारियों की घोषणा करते हुए सवाई मानसिंह चिकित्सालय के पूर्व चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजेश शर्मा को प्रदेश अध्यक्ष एवं सुनील शर्मा नर्सिंग ऑफिसर को प्रदेश महामंत्री, अनिल शर्मा को संयुक्त महामंत्री, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर डॉ. दिनेश गौतम, डॉ. विनोद शर्मा, डॉ. बलराम शर्मा (आचार्य सवाई मानसिंह चिकित्सा महाविद्यालय) डॉ. ओपी शर्मा संयुक्त निदेशक, डॉ. नरोत्तम शर्मा उप निदेशक (निदेशालय स्वास्थ्य भवन) एवं नर्सिंग ऑफिसर घनश्याम जोशी अजमेर पुष्पराज शर्मा अलवर एवं संस्थापन अधिकारी महेश शर्मा को चुना है। इसी प्रकार प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर डॉ. देवेंद्र शर्मा सवाई माधोपुर, डॉ. कपिल पांड्या बांसवाड़ा, तरुणा पुजारी उदयपुर, सौरव महर्षि जयपुर, प्रीति रामदेव जोधपुर, दामोदर आचार्य नागौर, डॉ. नरेंद्र शर्मा जयपुर को नियुक्त किया है। इसी प्रकार प्रदेश सचिव के पद पर डॉ. तरुण तिवारी जयपुर, शशिकांत शर्मा (नर्सिंग अधीक्षक), महेंद्र शर्मा वरिष्ठ नर्सिंग ऑफिसर करौली, अजय शर्मा अलवर, निर्मला शर्मा जेकेलोन, प्रदेश संयुक्त सचिव के पद पर मुरलीधर शर्मा जोधपुर, सहस्त्र करण उपाध्याय बीकानेर, आनंद पुरोहित नागौर, निशा शर्मा हनुमानगढ़, कॉसलेस शर्मा भरतपुर को नियुक्त किया है। इसके अलावा प्रदेश प्रवक्ता के पद पर डॉक्टर धर्मेश कुमार शर्मा, आचार्य सवाई मानसिंह चिकित्सा महाविद्यालय, बलराम चतुर्वेदी वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी, मनीष शर्मा वरिष्ठ सहायक, दीपक तिवारी वरिष्ठ सहायक निदेशालय जयपुर व हेमंत आमेटा वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी उदयपुर को नियुक्त किया है।

भर्ती को लेकर वाल्मीकि समाज में रोष

जयपुर (कासं)। राजस्थान में 13184 सफ़ाई कर्मचारियों के लिए होने वाली भर्ती को लेकर सफ़ाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष दीपक डंडोरिया ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि नियुक्ति में प्रशासन ने आरक्षण का पेच फंसा दिया गया है। मुख्यमंत्री की मंशा यही है कि भर्ती में वाल्मीकि समाज को प्राथमिकता दी जाए, इसी को लेकर संपूर्ण राजस्थान के वाल्मीकि समाज के प्रमुख लोगों से आज मीटिंग हुई है। विज्ञिप्त को लेकर सम्पूर्ण वाल्मीकि समाज में रोष है, समाज के लोगों का कहना है कि भर्ती में वाल्मीकि समाज को अनदेखा किया गया है, वाल्मीकि समाज का हक छीनकर अन्य को वरीयता दी जा रही है, जो सरासर गलत है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर विज्ञिप्त को तुरंत प्रभाव से बदला नहीं गया तो सम्पूर्ण राजस्थान में वाल्मीकि समाज द्वारा प्रशासन के खिलाफ उग्र आंदोलन किया जायेगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

व्यवसायी के घर से 25 लाख रुपये और जेवर चुराने वाले नौकर-ड्राईवर समेत तीन गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 23.50 लाख रुपये और 30 लाख रु. की ज्वैलरी बरामद की

- **बजाज नगर क्षेत्र की जय जवान कॉलोनी प्रथम की घटना**
- **ड्राइवर भागचन्द को बिजनेसमैन के पास आने वाले नकद पैसे की जानकारी थी, उसने कार से घर की चाबी चुराकर नौकर राधेश्याम की मदद से वारदात की**

जयपुर (कासं)। बजाज नगर थाना पुलिस ने 30 लाख रु. के जेवर और 25 लाख रुपए चुराने के मामले में घर के नौकर और चालक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से 23 लाख 50 हजार रुपए और तीस लाख रुपए के जेवर बरामद किए है। पुलिस ने वारदात के समय काम में ली गई कार बरामद कर ली है। पुलिस बाकी बचे हुए पैसों को भी बरामद करने का प्रयास कर रही है।

डीसीपी (पूर्व) ज्ञानचंद यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी राधेश्याम मण्डल, भागचंद चौधरी जय जवान कॉलोनी बजाज नगर और मन्नालाल श्याम सरोवर गजसिंहपुरा मानसरोवर का रहने वाला हैं। डीसीपी ने बताया कि 21 अप्रेल को जय जवान कॉलोनी प्रथम निवासी दुष्यंत मल्होत्रा ने थाने में मामला दर्ज करवाया था कि 21 अप्रेल को उसके पिताजी ने जयपुर से बाहर जाते समय नौकर राधेश्याम और ड्राइवर भागचन्द की उपस्थित में पिताजी ने बैग दिया, जिसमें 25 लाख रुपए नकद थे, जिन्हें कमरे में रखने के लिए दिया था। पीड़ित का कहना है कि शाम को पत्नी और बहन बाजार में चली गई। घर में नौकर अकेला था। शाम को जब वह लौट कर आए तो मकान का ताला टूटा हुआ था और अंदर सामान बिखरा हुआ था। नौकर नशे में था और बात करने पर टालमटोल कर रहा था। जब अलमारी चैक की तो उसमें रखा बैग और जेवर गायब था।

बजाज नगर पुलिस ने व्यवसायी के घर में नकदी-जेवर चुराने वाले ड्राईवर व नौकर समेत तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया।

मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपियों का रोडमैप तैयार किया। पुलिस ने आरोपियों की तलाश कर उन्हें दबोच लिया। पूछताछ में सामने आया कि अशोक कुमार मल्होत्रा के पास बिजनेस के पेटे कैश आता रहता है, जिसकी जानकारी ड्राइवर भागचन्द को रहती है। घर की एक चाबी मालिक अशोक मल्होत्रा की कार में होती थी। अलमारियों की चाबियों की जानकारी नौकर राधेश्याम को थी। अशोक कुमार मल्होत्रा के कुछ दिन पहले 25 लाख रुपए लाकर घर पर रखे थे जिसकी जानकारी चालक भागचन्द को थी।

पुलिस ने बताया कि 21 अप्रेल को दुष्यंत ऑफिस में था और परिवार सहित फिल्म देखने का प्रोग्राम था। भागचंद ने साजिश रचते हुए गाडी से घर की चाबी कार से पहले ही निकाल ली थी। शाम को घर पर कोई नहीं होने के चलते भागचन्द चौधरी और मन्नालाल ने गाड़ी के फर्जी नम्बर प्लेट लगाकर जय जवान कॉलोनी टोंक रोड जयपुर आए और भागचन्द के पास चाबी होने से घर का ताला खोलकर अलमारी में रखे 25 लाख रुपए और ज्वैलरी चोरी कर आपस में बंटवारा करके भागचन्द और मन्नालाल वहां से चले गए। तथा नौकर राधेश्याम अपने कमरे में चला गया।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों से 23 लाख 50 हजार रुपए नगद तथा 30 लाख रुपए की ज्वैलरी बरामद की जा चुकी है। बाकी बचे हुए पैसे के लिए पुलिस पूछताछ कर रही है। आरोपी भागने की तैयारी कर रहे थे, इसके लिए उन्होंने गाड़ी की नेम प्लेट भी बदल दी थी।

पुलिस ने बताया कि मन्नालाल का ब्लैकमेलिंग एक्सटोर्शन का मामला है। भागचंद के खिलाफ भी मामला दर्ज है। राधेश्याम मण्डल ने पहले भी अपने मालिक के साथ वारदात की थी। प्राथमिक जांच में सामने आया कि उनका पुलिस वेरीफिकेशन भी नहीं करवाया गया था।

सैलून मालिक ने किया युवती से दुष्कर्म

जयपुर (कासं)। झोटवाड़ा के एक सैलून मालिक द्वारा युवती से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। विरोध करने पर आरोपी ने पीड़िता को शादी करने का वादा किया और झांसा देकर दुष्कर्म करता रहा। प्रेग्नेंट होने पर धोखे से ऑबोशन तक करवा दिया। शादीशुदा होने का पता चलने पर अशोक नगर थाने में पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज करवाई।

पुलिस ने बताया कि झोटवाड़ा निवासी 25 साल की युवती ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि नवम्बर 2020 में सी-स्कीम स्थित एक सैलून में वह जॉब पर लगी थी। जॉब के दौरान सैलून ऑनर से बातचीत होने लगी। आरोपी बॉस सैलून में जॉब करने वाली दूसरी लड़कियों को जल्दी भेज देता था। कोई न कोई बहाना बनाकर उसको रोक लेता था।

पीड़िता का आरोप है कि जनवरी 2021 में आरोपी बॉस ने उसको प्यार करने के बारे में बताया। जॉब करने वाली लड़कियों के जाने के बाद उसे बहाना बनाकर रोक लिया। अकेला पाकर आरोपी ने उसके साथ रेप किया। विरोध करने पर शादी करने का वादा किया। विश्वास में लेने के लिए पार्टनरशिप डीड के लिए खाली स्टाम्प तक साइन कर दिया। शादी का झांसा देकर लगातार दुष्कर्म करता रहा। देहशोषण के दौरान प्रेग्नेंट होने पर धोखे से ऑबोशन करवा दिया। शादी का दबाव बनाने पर उसके पहले से शादीशुदा होने का पता चला। पत्नी से परेशान होने की कहकर जल्द तलाक तक की कहने लगा। परेशान होकर पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई।

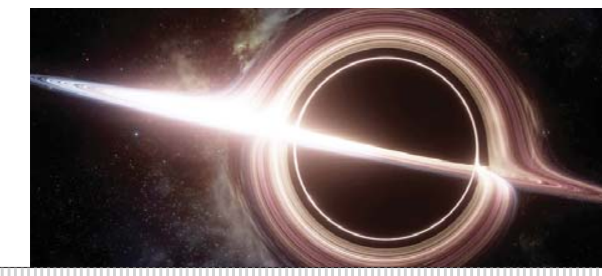

Time Freezes Inside a Black Hole

One of the most ground-breaking discoveries of the 20th century was the relativity of time. In some movies you have seen that time stops, it freezes, imagine flash, for instance, time can run slow for him. Physics can explain this. It is possible inside the black hole, on the event horizon. This is possible due to gravitational time dilation. For black holes, time, a second becomes infinitely long that there exists singularity, meaning time tends to freeze. So a distant observer would observe time nearly paused or frozen inside a black hole.

#J'ADORE

Trending Earring Styles

Whether you prefer hoops, dangles or studs, there's a wide array of earring types to suit your style.

From trendy earring styles to everyday jewellery staples, like classic diamond studs, no look is complete without the perfect pair of earrings. Whether you prefer hoops, dangles or studs, there's a wide array of earring types to suit your style and help you look put together, no matter what you're wearing. Read on to learn more about the most popular earring trends for the season.

Sculptural Earrings

The popularity of metal jewellery with sculptural silhouettes is expected to soar in summer. Earrings featuring geometric shapes are unique and sophisticated and are sure to be an outfit-maker, if not a conversation starter!

Hoop Earrings

Hoop earrings are a favourite trend that evolves from year to year. Sleek gold and silver styles in every size continue to be popular for everyday wear, while hoops embellished with diamonds take your ensemble up a notch. You can even double up your hoops, mixing various sizes and textures to create a unique and fashion-forward look.

Modern Pearl Earrings

Who doesn't appreciate the timeless beauty and elegance of pearls? We are especially fond of the modern updates being incorporated into pearl earring designs. From unique shapes and colours to interesting accents and metalwork, modern pearl earrings are a trend that should be embraced all year long.

Colourful Statement Earrings

Give your spring or summer ensemble a shot of life with a pop of colour on your ears. Pinks, blues, greens and more will be a welcome sight as the weather turns warmer.

Celestial Earrings

Many people find themselves drawn to celestial jewellery, whether for its whimsical, playful charm or its seeming connection to the universe and the great beyond. Moons and stars are among the most popular symbols in celestial jewellery designs and transition seamlessly from season to season.

Mismatched Earrings

The mismatched earring trend is still going strong in 2023. While we love this trend for its unexpectedness and playfulness, we understand that it may not be the most practical trend to try for everyone. For this reason, we are really loving the versatility of these convertible earring styles.

One of the most fascinating examples of the man-animal bond in ancient Egypt can be found in the story of the goddess Isis and the Nile crocodile. According to legend, the crocodile had been attacking local villagers and wreaking havoc along the banks of the Nile. In desperation, the people called upon the goddess Isis to help them. Isis, in her wisdom and compassion, did not resort to violence to solve the problem. Instead, she approached the crocodile and spoke to it in a language only they could understand.

Mariam Abuhaideri
Animal rights activist and a wonderlust

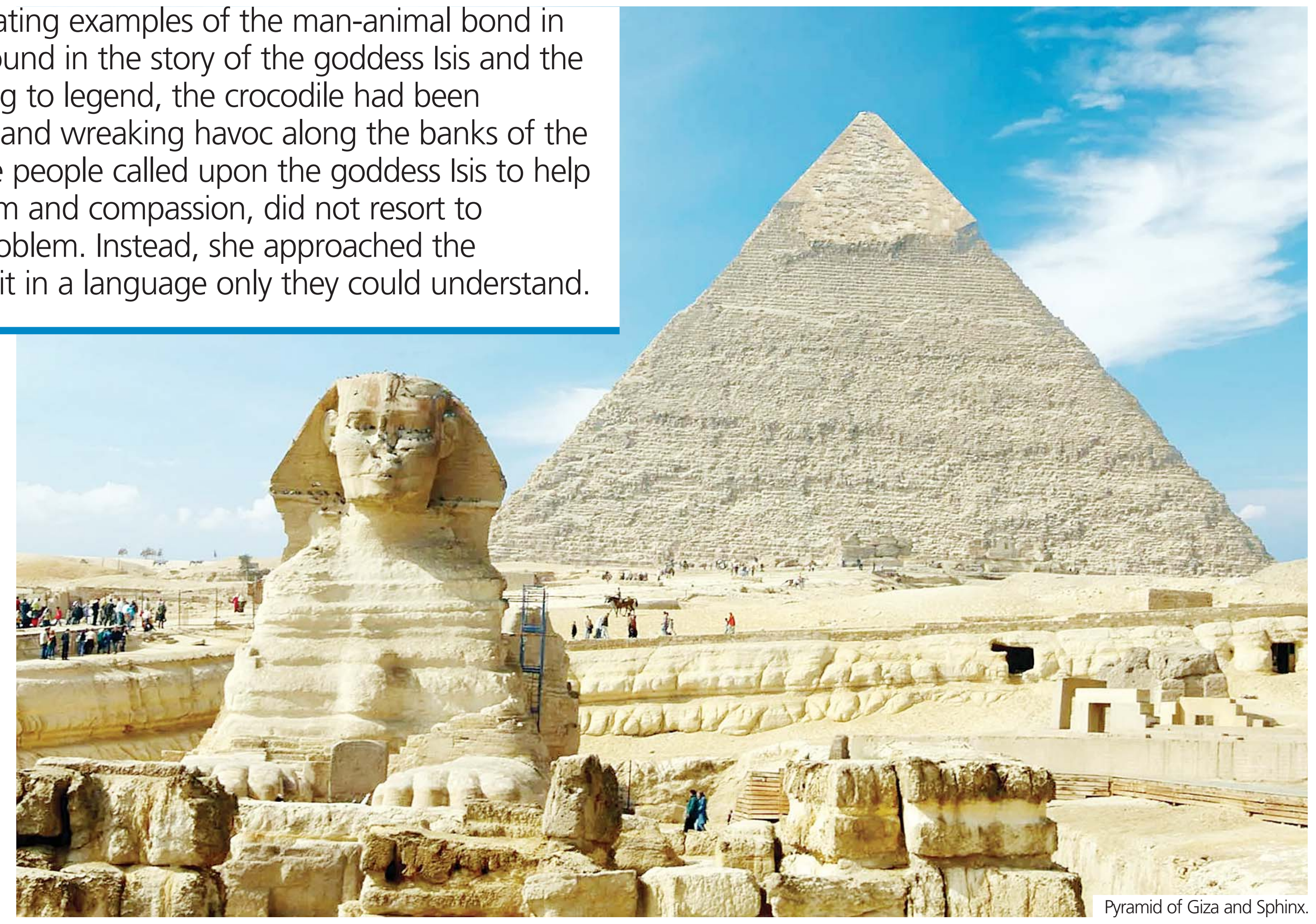

Pyramid of Giza and Sphinx.

The Sphinx Speaks & Isis Sooths Crocs

#EGYPT

When we think of ancient Egypt, we often picture towering pyramids, intricate hieroglyphics, and majestic pharaohs. But one aspect of Pharaonic Egypt that is often overlooked is the deep and meaningful relationship between humans and animals. The ancient Egyptians revered animals and believed that they held a special place in the world. This reverence is evident in the many depictions of animals in Egyptian art and architecture, as well as the mummification of animals for both religious and practical purposes.

As an animal lover and enthusiast, I have always been fascinated by the relationship between humans and animals throughout history. When I lived in Egypt, I was intrigued to learn about the Pharaonic Egyptians' unique relationship with animals and nature.

I want to share some of the fascinating and often overlooked stories of the man-animal bond that were such an integral part of ancient Egyptian culture. For me, these stories serve as a powerful reminder that our connection to the natural world is not a new or fleeting concept. Rather, it is a bond that has existed for centuries, and one that we should strive to honour and protect in our modern lives. So, let's take a journey together to explore the fascinating world of ancient Egypt and the profound relationship between humans and animals that helped shape its culture and legacy.

The Man-Animal Bond

One of the most striking examples of the man-animal bond in Pharaonic Egypt is the relationship between the Egyptians and their cats. Cats were highly regarded in ancient Egypt and were often depicted in artwork and literature. The Egyptians believed that cats were sacred animals and that they possessed a certain level of divinity.

I visited the Temple of Bastet in the city of Bubastis, which was dedicated to the goddess Bastet, who was often depicted with the head of a cat. The temple was home to many cats, who were considered to be the sacred guardians of the temple. The cats were well cared for and had free reign of the temple grounds, often lounging in the sun or playing with one another. As I watched the cats interact with each other and the temple staff, I could sense the deep connection between humans and animals that has existed in Egypt for thousands of years.

Another animal that held great importance in Pharaonic Egypt was the ibis, a type of bird. The ibis was associated with the god Thoth, who was the god of writing and knowledge. The Egyptians believed that the ibis had the ability to communicate with the gods and could serve as a messenger between the mortal world and the divine.

I visited the Temple of Karnak, which was home to many ibises. The temple staff cared for the birds and ensured that they had a safe and comfortable habitat. As I watched the ibises move gracefully around their enclosure, I couldn't help but feel a sense of awe at the reverence that the Pharaonic Egyptians had for these animals.

In addition to cats and ibises, many other animals held a special place in Pharaonic Egypt. Dogs were often used for hunting and as guardians of the home, while cattle were used for milk and meat. The Egyptians even used crocodiles as a symbol of power and strength, often incorporating their images into artwork and architecture.

But the man-animal bond in Pharaonic Egypt was not limited to the practical use of animals. The Egyptians also believed that animals could serve as companions and even as healers. Cats, in particular, were believed to have a soothing presence and were often kept as pets.

As I travelled throughout Egypt, I saw many examples of this bond between humans and animals. In Luxor, I visited an animal sanctuary that rescued and cared for injured and abandoned animals. The sanctuary was home to many dogs, cats, horses, and other animals, all of whom had been given a second chance at life thanks to the care and dedication of the sanctuary staff.

I also visited a hospital that used animal therapy to help patients recover from illnesses and injuries. Patients were visited by dogs, cats, and even rabbits, who provided comfort and companionship during their recovery. It was heart-warming to see the positive impact that animals could have on human health and well-being.

Ibis.

Of Camels and Pyramids.

Spiritual Qualities

The Egyptians' love and respect for animals also manifested in their religious beliefs. Animals played an essential role in ancient Egyptian religion, with many gods and goddesses depicted as having the heads of various animals. For instance, the goddess Bastet, who was associated with protection and fertility, was often represented as a cat. The god Horus, who represented the sky and divine kingship, was depicted as a falcon.

The Egyptians also believed that animals possessed spiritual qualities and were capable of communicating with the gods. As a result, they would often mummify their beloved pets and other animals and bury them with great care and reverence. Some of the most famous examples of this are the millions of mummified animals found in the catacombs of Saqqara, including cats, birds, dogs, and even crocodiles. Now, I am not endorsing mummification as an ethical act, but I wasn't there to tell them otherwise! However, the thought behind it- of continued companionship- fascinated me.

As I wandered through the exhibits of the Egyptian Museum in Cairo, I was struck by the abundance of animal artifacts, from intricately decorated cat mummies to statues of jackals and ibises. The attention to detail and the reverence with which these artifacts had been crafted spoke volumes about the Egyptians' love for their animal companions and their deep spiritual connection to the natural world.

But the man-animal bond in ancient Egypt was not limited to pets and domesticated animals. The Egyptians also had a close relationship with the wild animals of the Nile Valley, such as crocodiles, hippos, and gazelles. These animals were respected and admired for their strength, grace, and beauty, and were often depicted in art and literature.

One of the most fascinating examples of the man-animal bond in ancient Egypt can be found in the story of the goddess Isis and the Nile crocodile. According to legend, the crocodile had been attacking local villagers and wreaking havoc along the banks of the Nile. In desperation, the people called upon the goddess Isis to help them.

Isis, in her wisdom and compassion, did not resort to violence to solve the problem. Instead, she approached the crocodile and spoke to it in a language only they could understand. She convinced the crocodile to leave the villagers alone and to live in peace with them, and the crocodile agreed.

The story of Isis and the crocodile highlights the Egyptians' belief in the power of communication and understanding between humans and animals. It also speaks to their reverence for the natural world and their belief in the interconnectedness of all living things.

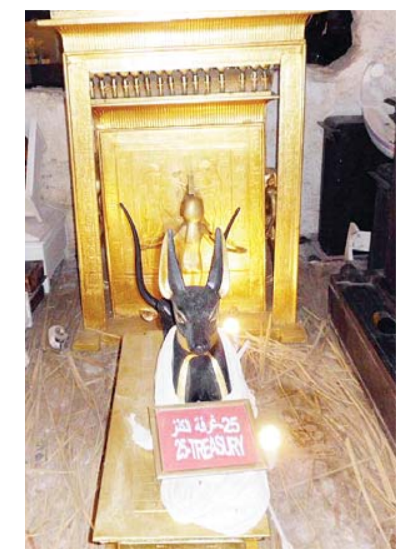

Inside the pyramids- at a museum.

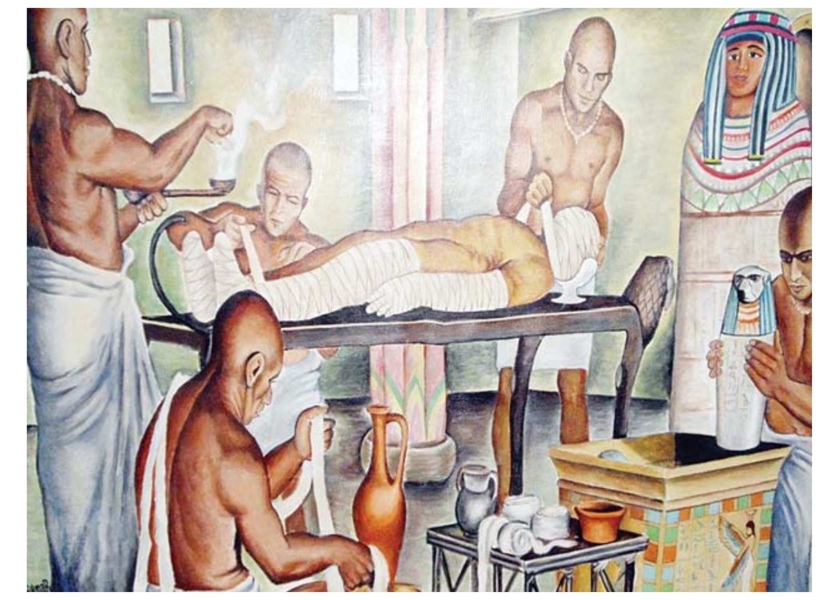

Mummification process.

Cats in Temple of Bastet.

The Pharaonic Culture

In modern times, we can learn a great deal from the Egyptians' approach to the man-animal bond. Despite their vast differences in culture and technology, the ancient Egyptians recognized the importance of treating animals with respect and compassion. They understood that animals were not mere objects or tools for human use, but living beings with their own unique qualities and personalities.

As we continue to strive for greater animal welfare and conservation in our modern world, we can look to the lessons of Egypt's Pharaonic history as a source of inspiration and guidance. We can learn to see animals as more than just resources to be exploited, but as valued members of our shared global community.

One of the most iconic symbols of the ancient Egyptian civilization, the Sphinx, is also a testament to the deep bond between man and animal in the Pharaonic culture. In Egyptian mythology, the Sphinx is said to be a creature with the body of a lion and the head of a human. According to legend, the Sphinx guarded the entrance to the city of Thebes, and posed a riddle to anyone who wished to enter.

> The riddle asked, "What goes on four legs in the morning, two legs at noon, and three legs in the evening?" The answer, of course, was a human, who crawls on all fours as a baby, walks on two legs as an adult, and uses a cane in old age. If the traveller answered the riddle correctly, the Sphinx would allow them to enter the city.

The riddle asked, "What goes on four legs in the morning, two legs at noon, and three legs in the evening?" The answer, of course, was a human, who crawls on all fours as a baby, walks on two legs as an adult, and uses a cane in old age. If the traveller answered the riddle correctly, the Sphinx would allow them to enter the city. However, if they failed to answer, the Sphinx would devour them whole.

This story is a powerful illustration of the role that animals played in ancient Egyptian mythology and culture. The Sphinx is not simply a fearsome creature, but rather a symbol of the deep connection between humans and animals that was such an integral part of Egyptian life. By honouring this connection and acknowledging the power and wisdom of the natural world, the ancient Egyptians were able to build a civilization that has left a lasting impact on the world to this day.

As we continue to grapple with issues of animal welfare and conservation in India, we would do well to look back to the lessons of ancient Egypt and remember the importance of our bond with the natural world. Just as the Sphinx posed a riddle that challenged travellers to acknowledge their connection to the animal kingdom, we too must be willing to recognize and honour this bond if we hope to create a more just and sustainable world for all creatures, great and small.

rajeshsharma1049@gmail.com

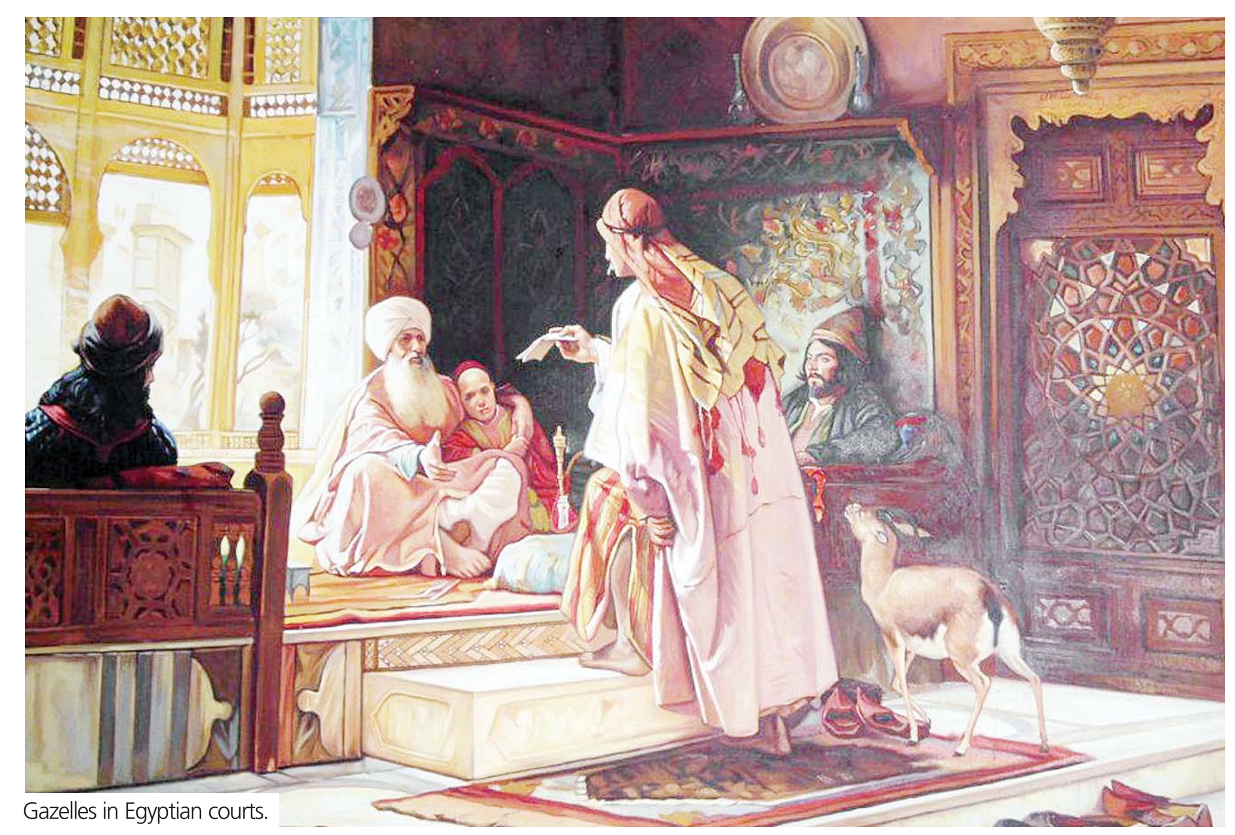

Gazelles in Egyptian courts.

#BRAINPOWER

Controlling Feel Good

A ubiquitous neurotransmitter that carries signals between brain cells, dopamine, among its many functions, is involved in multiple aspects of cognitive processing.

From the thrill of hearing an ice cream truck approaching to the spikes of pleasure while sipping a fine wine, the neurological messenger known as dopamine has been popularly described as the brain's "feel good" chemical related to reward and pleasure.

A ubiquitous neurotransmitter that carries signals between brain cells, dopamine, among its many functions, is involved in multiple aspects of cognitive processing. The chemical messenger has been extensively studied from the perspective of external cues, or "deterministic" signals. Instead, University of California San Diego researchers recently set out to investigate less understood aspects related to spontaneous impulses of dopamine. Their results, published in the journal Current Biology, have shown that mice can wilfully manipulate these random dopamine pulses.

Rather than only occurring when presented with pleasurable, or reward-based expectations, UC San Diego graduate student Conrad Foo led research that found that the neocortex in mice is flooded with unpredictable impulses of dopamine that occur approximately once per minute.

Working with colleagues at UC San Diego (Department of Physics and Section of Neurobiology) and the Icahn School of Medicine at Mount Sinai in New York, Foo investigated whether mice are in fact aware that these impulses--documented in the lab through molecular and optical imaging techniques--are actually occurring. The researchers devised a feedback scheme in which mice on a treadmill received a reward if they showed they were able to control the impromptu dopamine signals. Not only were mice aware of these dopamine impulses, the data revealed, but the results confirmed that they learned to anticipate and volitionally act upon a portion of them.

"Critically, mice learned to reliably elicit (dopamine) impulses prior to receiving a reward," the researchers note in the paper. "These effects reversed when the reward was removed. We posit that spontaneous dopamine impulses may serve as a salient cognitive event in behavioural planning."

The researchers say the study opens a new dimension in the study of dopamine and brain dynamics. They now intend to extend this research to explore if and how unpredictable dopamine events drive foraging, which is an essential aspect of seeking sustenance, finding a mate and as a social behaviour in colonizing new home bases.

"We further conjecture that an animal's sense of spontaneous dopamine impulses may motivate it to search and forage in the absence of known reward-predictive stimuli," the researchers noted.

In their efforts to control dopamine, the researchers clarified that dopamine appears to invigorate, rather than initiate, motor behaviour.

"This started as a serendipitous finding by a talented, and curious, graduate student with intellectual support from a wonderful group of colleagues," said study senior co-author David Kleinfeld, a professor in the Department of Physics (Division of Physical Sciences) and Section of Neurobiology (Division of Biological Sciences). "As an unanticipated result, we spent many long days expanding on the original study and of course performing control experiments to verify the claims. These led to the current conclusions."

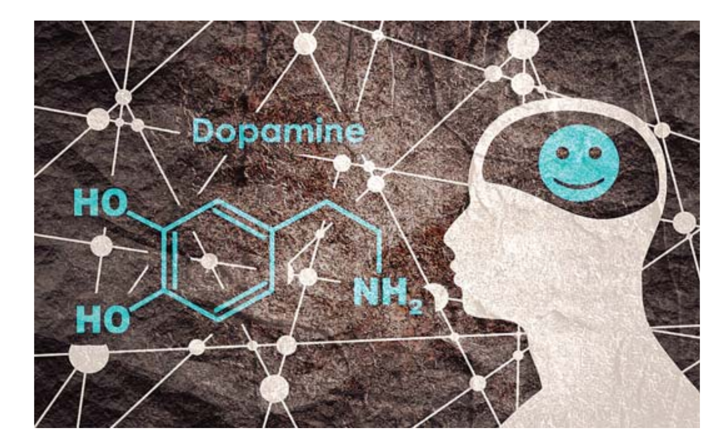

THE WALL

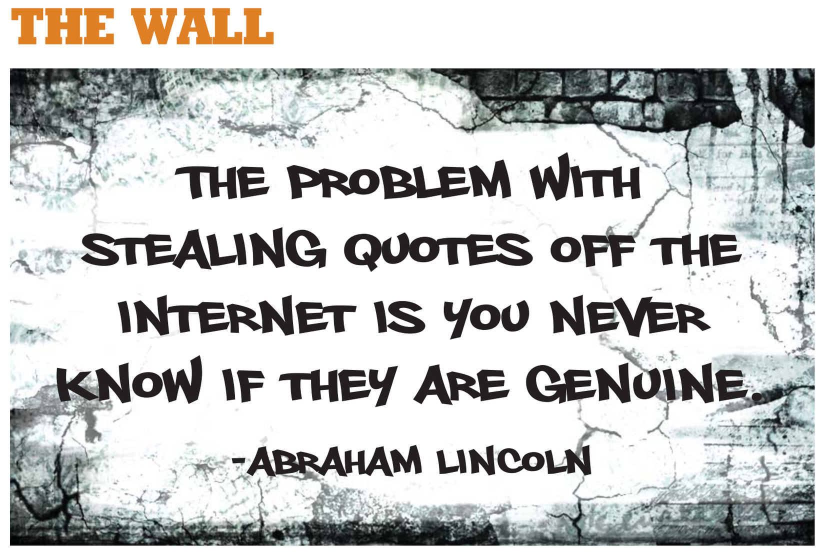

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

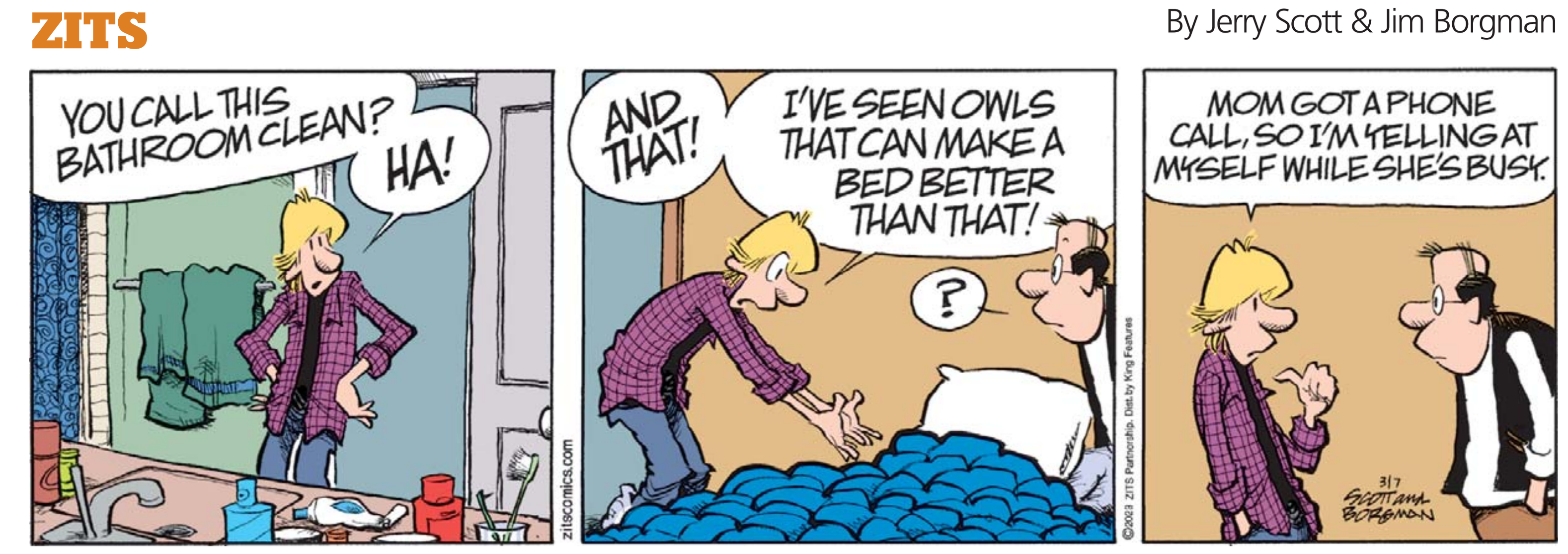

फसल बीमा क्लेम को लेकर किसानों ने दी चक्का जाम कर आंदोलन की चेतावनी

करीब तीन घंटे तक कलेक्टर से वार्ता के बाद भी समस्या का कोई समाधान नहीं निकला

चूरू, (कासं.)। जिला कलेक्ट्रेट के सामने रविवार को अखिल भारतीय किसान सभा के पदाधिकारियों ने विभिन्न मांगों को लेकर सड़क पर आंशिक रूप से चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन किया। किसानों ने अपना बीमा क्लेम वापस दिलाने की मांग की। वहीं किसानों ने मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दे डाली। अखिल भारतीय किसान सभा के जिलाध्यक्ष इन्द्राज सिंह ने बताया कि किसान बीमा कंपनी और सरकार से साल 2021 की सावणी फसल की क्रॉप कटिंग की मांग कर रहे थे।

चूरू में अखिल भारतीय किसान सभा के पदाधिकारियों ने सड़क पर आंशिक रूप से चक्काजाम किया।

- **क्रॉप कटिंग की रिपोर्ट में सामने आया कि जिले से करीब साढ़े छह अरब रुपए किसानों के बीमा कंपनी में बकाया पड़े हैं**

सरकार और बीमा कंपनी किसानों की मांगों को लगातार अनदेखा कर रही है। जिला कलक्टर से 3 घंटे तक वार्ता चली, लेकिन इसके बाद भी समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ। 22 अप्रैल को क्रॉप कटिंग की रिपोर्ट दी गई। जिसके आंकड़े निकालने पर सामने आया कि जिले से करीब साढ़े 6 अरब रुपए किसानों के बीमा कंपनी में बकाया पड़े हैं। साल 2017 से 2022 तक करीब 72 हजार किसानों का फसल बीमा क्लेम बाकी चल रहा है। जिसको लेकर किसान लगातार अपनी लड़ाई लड़ रहा है। 6 सूत्रीय मांग पत्र को लेकर रविवार को पूरे जिले में चक्काजाम किया गया है।

किसानों ने कहा कि सरकार अब भी हमारी मांगें नहीं मानती है तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस अवसर पर दीपाराम, घनश्याम, रणजीत, इंद्राम, मनीराम, रामकुमार, सुमेर सिंह, कैलाश, शिशुपाल, नन्दराम, ईसरराम, भगवानाराम, मदन, मामराज, लेखुराम, जयपाल, कमलेश, रावताराम, सावंत सिंह, हरचंद जाखड़, नथुराम, गुमानाराम, असगर, गुलाम हुसैन सहित बड़ी संख्या में किसानों ने कलेक्ट्रेट के सामने नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया।

व्यापारी का अपहरण कर लूट करने वाली गैंग सरगना सहित गिरफतार

पुलिस की गिरफ्त में लूट करने वाली गैंग के सदस्य।

ब्यावर, (निसं)। अपहरण के चारों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। इनमे देवासियों की ढाणी झाक पुलिस थाना बिलाडा निवासी पीराराम, ग्राम मालावास थाना पीपड शहर निवासी सुरेश खोजा, गोरधन उर्फ वीरू व सुमेरराम पुत्र अणदाराम को पुलिस थाना ने गिरफ्तार कर लिया गया है।

जिला पुलिस अधीक्षक चुनाराम जाट ने बताया कि थाना सदर पर 14.अप्रेल को शाम करीब 8 बजे सूचना मिली कि काबरा निवासी रेडीमेड कपड़ों के व्यापारी भगवती प्रसाद पुत्र राधेश्याम को कुछ बदमाशों ने काम से घर लौटते समय अपहरण कर लिया है। इस घटना से थाना क्षेत्र के लोगों में भय व्याप्त हो गया साथ ही अपहृत भगवती प्रसाद की जान बचाना भी पुलिस के लिये चुनौती बन गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए वारदात में आरोपीगण की तलाश व गिरफ्तारी के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण, जिला अजमेर वैभव शर्मा के सुपरविजन में वृत्ताधिकारी वृत्त मसूदा ईश्वर सिंह (आरपीएस) के निर्देशन में जिला स्पेशल टीम व थाना सदर से टीम का गठन किया। गठित टीम ने संदिग्ध ठिकानों को चिन्हित कर दबिश देकर भगवती प्रसाद की जान को प्राथमिकता देते हुए 15 अप्रेल को अपहरणकर्ताओं के चंगुल से मुक्त करवा लिया। मगर अपहरण का मुख्य सूत्रधार व उसके साथी पुलिस के पहुंचने से पूर्व ही भाग गये थे। जिनकी पहचान के लिए गठित टीम ने घटनास्थल के आसपास आने-जाने वाले रास्तों पर करीब 500 विभिन्न जगहों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले व लोगों से पूछताछ की। तब पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।

भगवान परशुराम का फरसा खंडित होने से फैली सनसनी

जोधपुर, (कासं)। चौपासनी हाउसिंग बोर्ड सेक्टर 10 स्थित परशुराम सर्किल पर लगे भगवान परशुराम का फरसा खंडित हो गया। सुबह पता लगने पर ब्राह्मण समाज के काफी लोग एकत्र हो गए। बाद पुलिस की आरंभिक जांच में पता लगा कि फरसा सेल्फी लेने के चक्कर में टूट गया है। फुटेज में एक शख्स सेल्फी लेते देखा गया है। बाद में मामला शांत हो गया। मामला एकबारगी संगीन लगने पर पुलिस के आलाधिकारी खुद मौके पर पहुंचे और पड़ताल आरंभ की। संबंधित एजेंसी से बात कर फरसे को फिर ढ ंग से लगवाया जाएगा।

जानकारी के अनुसार शनिवार रात 10.30 बजे के करीब 1 युवक परशुराम सर्किल पर लगे भगवा ध्वज के पास सेल्फी लेने का प्रयास कर रहा था। तब सेल्फी के प्रयास में फरसा खंडित हो गया। इसकी सूचना जब रविवार की सुबह ब्राह्मण समाज के पदाधिकारियों को लगी तो वह मौके पर पहुंच गए।उन्होंने फरसा खंडित करने वालों को पकडऩे की मांग की। सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची। वहीं डीसीपी गौरव यादव भी मौके पर पहुंचे और जानकारी ली।

जांच के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अभय कमांड के कैमरे से एक युवक की पहचान की। पूछताछ में उसने बताया कि वह सेल्फी लेने के लिए सर्किल पर चढ़ा था वापस उतरते समय फरसा खंडित हो गया। इसके बाद समाज के लोगों ने अपने स्तर पर ही खंडित फरसे को वापस सही करवाने काम शुरू किया। डीसीपी यादव ने बताया सुबह परशुराम सर्किल पर स्ट्रक्चर क्षितठास्त होने की सूचना मिली थी। इस पर एसीपी प्रतापनगर प्रेम धणदे और थाना अधिकारी जुल्फिकार अली को मौके पर भेजा गया।

बाद में अभय कमांड कंट्रोल रूम के अंदर से भी चेक करवाया गया। मामले को लेकर सुबह ब्राह्मण समाज के नथमल पालीवाल, नरेश जोशी, श्रीकांत पारीक, देवेंद्र शर्मा, कन्हैयालाल पारीक, जितेंद्र गौड़ सहित काफी संख्या में लोग पहुंच गए।

चोरों ने तीन मकानों से जेवरात और सामान उड़ाया

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट के तीन पुलिस थाना क्षेत्रों में चोरों ने मकानों में सेंध लगाकर वहां से हजारों के जेवरात, नगदी के साथ घरेलु सामान चोरी कर ले गए। इस बारे में पुलिस ने अब चोरों की पहचान के साथ तलाश आरंभ की है। बनाड़ पुलिस ने बताया कि महामंदिर के अशोक नगर निवासी धनसिंह ने मामला दर्ज करवाया कि उसका एक मकान नांदड़ा खुर्द बनाड़ में आया है। जोकि काफी दिनों से बंद पड़ा है। अज्ञात चोर मकान के ताले तोडक़र वहां से गैस सिलेण्डर, चूल्हा, इनवर्टर, बैटरी के साथ घरेलु सामान चोरी कर ले गए। इधर चौहाबो पुलिस थाने में शंकर नगर निवासी हिमांशु पंवार ने रिपोर्ट दी कि 21 अप्रेल की रात को उसकी मां व बहनें बड़ौदा चली गई थी। वह खुद झंवर अपने गायों के बाड़े पर गया था। 22 की अलसुबह लौटा तो घर की लाइट जल रही थी। तब वह पड़ौसी के घर के छत के रास्ते से गया। उसके घर से दो तीन युवक छिपते छिपाते भाग गए। घर के अंदर चेक करने पर अलमारी के ताले टूटे हुए मिले। अज्ञात चोर तीन तोला सोना जिनमें सोने की लूंग जोड़ी, अंगुठी, नथ, चेन लॉकेट के साथ चांदी के 70 तोला जेवरात जिनमें कड़ला जोड़ी, पायलें, हाथ के कंगन सहित आदि आइटम चोरी कर ले गए। इधर राजीव गांधी नगर थाने में गली नंबर 3 चौपासनी गांव निवासी शक्ति सिंह ने मामला दर्ज कराया कि उसका एक मकान गली नंबर 10 चौपासनी गांव में भी है। जहां से अज्ञात चोर 11 हजार की नगदी, चांदी के आइटम आदि चोरी कर ले गए।

जांच अधिकारी बदलने पर आंदोलन की चेतावनी

मांडलगढ़, (निसं)। नौ माह से गुर्जर छात्रावास प्रकरण मांडलगढ़ थाने में चल रहा हैं। अभी तक आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं, वहीं पुलिसकर्मियों द्वारा जांच को प्रभावित करने का राजनीतिक दबाव का खेल खेल रहे हैं जबकि मांडलगढ़ थाने की जांच में दो पुलिसकर्मियों की भूमिका संदिग्ध है। जांच अधिकारी बदलने के मुद्दे को लेकर गुर्जर समाज में भारी रोष है। देवनारायण शिक्षा समिति मांडलगढ़ अध्यक्ष नन्दलाल गुर्जर ने कहा कि गुर्जर समाज के पंच पटेल, युवा, बुजुर्गों सहित समाज बन्धु समाज के मान सम्मान के लिए दिनांक 24 अप्रैल सोमवार को हजारों की संख्या में मांडलगढ़ बस स्टैंड पर पहुंचेंगे। मांडलगढ़ बस स्टैंड पर समाज बन्धु इकट्ठा होने के बाद मुख्यमंत्री, पुलिस महा निदेशक, कलेक्टर, पोलिस उप अधीक्षक के नाम ज्ञापन दिया जाएगा।

मांडलगढ़ में पारोली थाने के पुलिस कांस्टेबल पांचूलाल व काछोला थाने सोजीलाल योगी योगी ने चरागाह जमीन में स्वयं के 3 भूखण्ड बताकर गुर्जर छात्रावास के पदाधिकारियों को 15 लाख रुपये में विक्रय कर दिया था। जिस पर गुर्जर समाज ने 4 जुलाई 2022 को नींव खुदाई शुरू की थी, जिसे मांडलगढ़ पटवारी एवं गिरदावर ने मौके पर आकर कार्य को रुकवा दिया था। जबकि समस्त गुर्जर समाज की ओर से 7 जुलाई 2022 को गुर्जर छात्रावास मांडलगढ का भूमि पूजन कार्यक्रम होना था। जिसमें यह अड़चन आने की वजह से स्थगित किया गया। गुर्जर समाज के पदाधिकारियों ने दोनों पुलिस कर्मियों से खरीदे गए तीनों प्लॉट चरागाह में होने की सूचना दी एवं दिए गए 15 लाख रुपए वापस मांगे, तो दोनों पुलिस कर्मियों ने धमकी देते हुए कहा कि 15 लाख रुपये वापस नहीं मिलेंगे।

एटीएम उखाड़ने की फिराक में था बदमाश, पुलिस ने दबोचा

रेनवाल थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

- **बदमाश पर अब तक लगभग दो दर्जन विभिन्न वारदातों के मामले दर्ज है**

किशनगढ़ रेनवाल, (निसं)। रेनवाल थाना पुलिस ने इलाके में बैंक का एटीएम उखाड़ने की फिराक में लगे बदमाश को गिरफ्तार किया है।

रेनवाल थाना प्रभारी उमराव सिंह गुर्जर ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक डॉ राजीव पचार, दूदू अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश शर्मा व जोबनेर वृताधिकारी मुकेश चौधरी के निर्देशन में टीमों का गठन कर बदमाश की तलाश शुरू की गई। कुछ स्थानों पर की गई कार्यवाही के बाद रेनवाल थाना पुलिस ने कुख्यात बदमाश पवन उर्फ हांडा उत्तर ख्यालीराम मीणा उम्र 27 वर्ष निवासी सोला गोरिया थाना खंडेला जिला सीकर को मय देसी कट्टा के शहर के निकट नांदरी प्रतापपुरा मोड़ से शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस पूछताछ में पता चला है कि आरोपी बीती रात को रेनवाल इलाके में बैंक एटीएम उखाड़ ले जाने की फिराक में था, लेकिन मुखबिर से मिली सूचना के बाद रेनवाल पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को धर दबोच लिया।

पुलिस के अनुसार कुख्यात बदमाश पर अब तक एटीएम उखाड़ने व अन्य तरीकों से करीब 2 दर्जन के लगभग वारदातों को अंजाम देने के मामले विभिन्न थानों में दर्ज हो चुके हैं। आरोपी भीलवाड़ा, दोसा, उदयपुर, अजमेर, सीकर सहित अन्य जिलों में एटीएम उखाड़ने की वारदातों में वांटेड चल रहा है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने मानपुर दौसा, सिकराय दौसा, भीलवाड़ा, अजमेर में एटीएम उखाड़ने की वारदात करने तथा खंडेला सीकर में मारपीट की वारदात में फरार होना भी स्वीकार किया है। आरोपी के खिलाफ कई जिलों में गिरफ्तारी एवं स्थाई वारंटी भी जारी किए हुए हैं। मुलजिम से पूछताछ की जा रही है जिससे कई अन्य वारदातों का खुलासा होने की भी संभावना जताई गई है।

ठेकों से 2.77 लाख के साथ शराब पार

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट के बनाड़ और महामंदिर हलकें में आए दो शराब ठेकों में चोरों ने सेंध लगाकर वहां से 2.77 लाख रूपयों के साथ शराब और बीयर की बोतलें चोरी कर ले गए। इस बारे में मामले दर्ज करवाए गए। शराब कारोबारी प्रभात नगर खोखरियां निवासी रामदयाल ने बनाड़ थाने में दी रिपोर्ट में बताया कि उसका एक शराब ठेका जयपुर रोड पर आए पेट्रोल पंप के पास में है। जहां गुजरी रात को अज्ञात चोर ठेके के शटर को मोडक़र घुसे और अंदर गल्ले से 92 हजार 830 रूपए चोरी करने के साथ शराब चुरा ले गए। इसी प्रकार महामंदिर पुलिस थाने में परिहार नगर गुरूराजाराम नगर निवासी खेतसिंह ने रिपोर्ट दी कि उसकी एक शराब की दुकान करणी वाइंस के नाम से बनाड़ रोड गणेश होटल के पास सिणला मार्केट में आई है। अज्ञात चोरों ने शटर के ताले तोडक़र प्रवेश किया और वहां से 1.85 लाख की नगदी के साथ बीयर और शराब चोरी कर ले गए।

कार ने बाइक को मारी टक्कर, युवक घायल

सायला, (निसं)। सायला पुलिस थानाक्षेत्र के ओटवाला रोड पर शनिवार दोपहर को एक स्विफ्ट डिजायर कार ने सामने से आ रही बाईक को टक्कर मार दी। हादसे में बाईक सवार युवक घायल हो गया।

कार के पीछे चल रहे एक चश्मदीद ने बताया कि कार में तीन व्यक्ति सवार थे। जिसमें से कार चालक एवं दूसरे युवक ने कार से उतरते ही पहले नम्बर प्लेट को तोडकर सडक किनारे झाडियों में फेंक दिया। जबकि तीसरा व्यक्ति कार की डीग्गी खोलकर अन्दर से कुछ बैग निकाले एवं पीछे आ रही एक अन्य कार में बैठकर भाग गया। इस दौरान चश्मदीद समेत कुछ लोग वहां जमा हो गए। उन्होने कार चालक समेत एक युवक को दबोच लिया तथा घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर सायला पुलिस दोनो आरोपियों को गिरफ्तार कर थाने लेकर गए। वही ग्रामीणों की सहायता से कार को निकालकर जब्त कर पुलिस थाने लाया गया। बाईक को

सायला के निकट ओटवाला रोड पर कार पलट गई।

- **कार सवारों ने नम्बर प्लेट को तोड़कर झाड़ियों में फेंका**

टक्कर मारने के बाद स्विफ्ट कार में सवार व्यक्तियों ने कार को रोकने की बजाय उसे तेज गति से चलाते हुए ओटवाला की ओर भाग गए।

कुछ ही समय में कार सवारों के रिश्तेदार एवं परिचित पहुंच गए। इसके बाद पुलिस ने सडक दुर्घटना में मामले में पुलिस जमानत के आधार पर दोनों आरोपियों को जमानत पर छोड दिया। पुलिस ने आरोपियों से ना तो गहनता से पूछताछ की और ना ही कार में सवार तीसरे युवक के बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास किया। पुलिस मामले को तेजी से सुलटाने का प्रयास करते नजर आई।

पुलिस ने बाईक सवार के पिता जुठाराम घांची निवासी सायला की रिपोर्ट के आधार पर कार चालक के विरूद्ध तेज गति एवं लापरवाही से कार चलाने का मामला दर्ज करवाया कि दोपहर को नीलकमल होटल के पास सामने से आ रही स्विफ्ट डिजायर कार का चालक कार को तेज गति एवं लापरवाही से चलाते हुए आया और गलत दिशा में जाकर बाईक को टक्कर मार दी। जिससे बाईक सवार श्रवण घायल हो गया। हादसे में श्रवण के दोनों पैर, दोनो हाथ, पेट एवं सिर समेत शरीर के अन्य हिस्सों में चोट आने से गम्भीर घायल हुआ।

प्रदीप डांगा, थानाधिकारी सायला का कहना हैकि सड़क दुर्घटना के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। जिनकी नाम, पता लेकर जमानत पर छोड़ दिया। दोनों आरोपियों की कोई क्राइम हिस्ट्री नहीं है।

इनामी बदमाश गिरफ्तार, अवैध मादक पदार्थ बरामद

- **ग्रामीण पुलिस का ऑपरेशन शिकंजा, 58 ठिकानों पर रेड, 13 को पकड़ा**

जोधपुर, (कासं)। जिले की ग्रामीण पुलिस ने रात भर चले सर्च ऑपरेशन शिकंजा में 13 लोगों को पकड़ा है। पुलिस की विभिन्न टीमों ने एक साथ 58 स्थानों पर रेड दी और कार्रवाईयां की। डॉग स्क्वायड का भी सहारा लिया गया। कार्रवाई में पांच हजार का इनामी बदमाश भी पुलिस के हाथ लगा है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव ने बताया कि शनिवार रात से रविवार सुबह ऑपरेशन शिकंजा के तहत कार्यवाही करके 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शनिवार की देर रात शुरू हुई यह कार्रवाई रविवार सुबह तक चली। इस दौरान 58 ठिकानों पर दबिश दी गई। इनामी अपराधी, वांछित अपराधी, गिरोह के सदस्य, सोशल मीडिया पर हथियार के साथ फोटो वायरल करने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। इसी के तहत 58 ठिकानों पर दाबिश देकर कार्रवाई की गई। इस दौरान 5 हजार का इनामी आरोपी मांगीलाल पुत्र बीरबलराम जांगू नयाबेरा व 1 क्विंटल डोडा पोस्त का फरार आरोपी गणेशाराम पूत्र भैराराम चंपासर भोजासर को पकडा गया है। वहीं देचू में 10 किलो डोडा पोस्त के साथ आरोपी आदूराम जाट पदमपूर देचू, स्थायी वारंटी राजूराम पूत्र मनोहरराम जालोड़ा को रहवासी मकान पर दबिश देकर गिरफ्तार किया गया।

एसपी यादव ने बताया कि इसके अलावा प्रकाश सिंह निवासी शेरगढ़ , सुरेश खीचड़, मूलराज लोहावट, सूर्यप्रकाश विश्नोई निवासी मुंजासर लोहावट, गोरधनराम विश्नोई निवासी लोहावट, सदासुख विश्नोई निवासी जालोड़ा लोहावट, कैलाश खीचड़ निवासी मूलराज लोहावट, मनीष जाट निवासी छीला, हबीब खान निवासी डेरियो की ढाणी लोहावट, मुकेश कुमार विश्नोई निवासी जम्भेश्वरनगर लोहावट, सुरेश विश्नोई शिवपुरी लोहावट, सुरेश विश्नोई मानेवड़ा भोजासर, गणेशाराम विश्नोई निवासी चम्पासर भोजासर को गिरफ्तार किया।

कार्रवाई के समय 6 वाहनों को जब्त किया गया। जिसमें से 2 स्कार्पियो, 1 क्रेटा, 1 कैम्पर, 1 पिकअप, 1 मोटरसाइकिल को पुलिस थाना लोहावट में जब्त किया गया। वहीं 102 सीआरपीसी में चोरी के इलेक्ट्रॉनिक आइटम भी जब्त किए गए। इनमे 5 एयर कडिशनर, 4 पंखे, बैटरी व इन्वेटर को जब्त किया गया।

अवसरों से भरी है राष्ट्रीय शिक्षा नीति, विवि. लाभ उठाएं: मिश्र

देश में पहली बार जयपुर में आयोजित हुई मुक्त विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की कांफ्रेंस

जयपुर। जयपुर में देश में पहली बार मुक्त विश्वविद्यालयों के कुलपतिगणों की आल इंडिया कांफ्रेंस का आयोजन वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा द्वारा रविवार को किया गया। इस कांफ्रेंस के मुख्य अतिथि रहे राज्य के राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र। विशिष्ट अतिथि रहे इग्नू नई दिल्ली के कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव व आयोजनकर्ता वीएमओयू के कुलपति प्रोफेसर कैलाश सोडाणी। अपने उद्बोधन में कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कहा कि आज उच्च शिक्षा में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा का महत्व बढ़ ता ही जा रहा है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अवसरों से भरी है और उसका फायदा हर विश्वविद्यालय को समय से उठाना चाहिए। श्री मिश्र ने कहा कि महिलाएं युवा कामगार दिव्यांग और रोजगार तलाश रहे युवकों के लिए मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा काफी लाभदायक है जिसमें अपनी जरूरतों के हिसाब से पढ़ ने की आजादी है। उन्होंने कहा कि व्यवसायोन्मुखी शिक्षा के अलावा कौशल विकास वाली शिक्षा देने पर विश्वविद्यालय जोर दें जिससे युवाओं को रोजगार से जोड़ा जा सकेगा। श्री मिश्र ने कहा कि कोरोना महामारी के बाद मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा का महत्व बढ़ ता जा रहा है और वीएमओयू इस लिहाज से काफी अच्छा कार्य कर रहा है। उन्होंने

कांफ्रेंस को राज्यपाल कलराज मिश्र ने सम्बोधित किया।

कहा कि राजस्थान के इस एकमात्र विश्वविद्यालय वीएमओयू में महिलाओं की फीस का पुनर्भरण राज्य सरकार कर रही है और इस नाते महिला शिक्षा की दिशा में एक नया उदाहरण राजस्थान ने पेश किया है देश के दूसरे राज्यों को भी इसका अनुसरण करना चाहिए। कुलाधिपति ने कहा कि सभी कुलपतिगण मुक्त एवं दूरस्थ के माध्यम से उच्च शिक्षा में आने वाली चुनौतियों को दूर करने का रोडमैप तैयार करें जिससे आने वाले समय में युगीन आवश्यकताओं के हिसाब से पाठ्यक्रम बनाए जा सकें जिनमें भारतीयता का समावेश हो।

इससे पहले वर्धमान महावीर खुला विवि के कुलपति प्रो कैलाश सोडाणी ने मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि पारंपरिक विश्वविद्यालयों की अपेक्षा मुक्त एवं दूरस्थ विश्वविद्यालयों को तमाम प्रतिबंधों के दायरे में रखने की कोशिश की जा रही है। प्रो सोडाणी ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो और यूजीसी ने कई ऐसे नियम बना रखे हैं जो वास्तव में चैलेंज पैदा कर रहे हैं और विश्वविद्यालय की स्मूथ कार्यप्रणाली में बाधक बन रहे हैं साथ ही नैक मूल्यांकन की चुनौती से देश के अनेक विश्वविद्यालय और महाविद्यालय कई प्रकार की परेशानियों को सहन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वीएमओयू बालिकाओं की शिक्षा को सुगम बनाने में तत्पर है और राज्य सरकार बालिकाओं की फीस का पुनर्भरण कर रही है जो भविष्य के लिए अच्छा संकेत है। उन्होंने कहा कि आज आनलाइन शिक्षा और दूरस्थ शिक्षा का महत्व बढ़ ता जा रहा है। प्रो सोडाणी ने दोहराया कि बुनियादी समस्याओं को दूर करके ही मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा को मजबूत बनाया जा सकता है। अपने विशिष्ट उद्बोधन में इग्नू नई दिल्ली के कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में बहुत ऐसी बातें हैं जो हमारे काम की है। छात्रों को पढ़ ने की तमाम सुविधाओं के अलावा क्रेडिट ट्रांसफर की व्यवस्था है और बहुविषयक प्रणाली के चलते अब विद्यार्थी कोई भी विषय पढ़ सकता है। प्रो राव ने कहा कि शिक्षा नीति में भाषाओं के अध्ययन की व्यवस्था पर जोर है और इसी के चलते सकल नामांकन अनुपात को बढ़ ाने की बात कही जा रही है। उन्होंने स्वयम् पोर्टल और स्वयंप्रभा चैनल के माध्यम से हो रही पढ़ ाई का भी जिक्र किया। प्रो राव ने कहा कि नई शिक्षा नीति में अपार संभावनाएं हैं और अब शिक्षकों को नए तरीके के टीचिंग पैटर्न तैयार करने होंगे। कांफ्रेंस समन्वयक प्रो बी अरूण कुमार ने सभी का स्वागत किया और डॉ. रश्मि बोहरा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

- **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू किए जाने को लेकर हुआ मंथन अवसरों और चुनौतियों पर खुलकर बोले कुलपतिगण व शिक्षाविद्**

इससे पहले कांफ्रेंस के पहले तकनीकी सत्र में नई शिक्षा नीति को लागू किए जाने पर संवाद हुआ। इस सत्र में बाबासाहेब अंबेडकर मुक्त विवि गुजरात की कुलपति प्रो अमी यू उपाध्याय ने अध्यक्षता की। यूपी राजर्षि टंडन मुक्त विवि की कुलपति प्रो सीमा सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालयों को उच्च शिक्षा में गुणवत्ता पर ध्यान देना होगा। इसके अलावा सभी को पढ़ ाई के अवसर मिलने से इसका महत्व और बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हमें कौशल विकास वाली शिक्षा पर जोर देना होगा तभी युवाओं को नौकरी मिल सकेगी। राजस्थान उच्च शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो डीएस चुंडावत ने कहा कि उच्चशिक्षा में गुणवत्ता पर जोर दिए जाने की जरूरत है। बीआर अंबेडकर मुक्त विवि तेलंगाना के कुलपति प्रो के सीतारामाराव ने कहा कि स्टाफ और फंड की दिक्कतों के चलते काफी चुनौतियां पैदा हो रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्यों को अपने यहां ओपेन स्कूलिंग पर ध्यान देना होगा। एनईपी टास्क फोर्स के अध्यक्ष प्रो अशोक नागावत ने कहा कि उच्च शिक्षा में अब बहुत बड़ा परिवर्तन हो रहा है और तकनीक अपना रोल प्ले कर रही है।

मैं खिलाड़ी की काबिलियत का आकलन इस आधार पर करता हूं कि वह कितने साल खेल सका। - रिंकी पोंटिंग

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी, खिलाड़ियों की काबिलियत को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

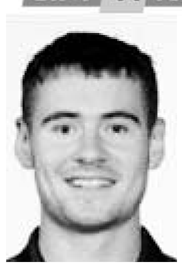

जॉश लिटिल

हार्दिक पंड्या की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस आईपीएल 2023 सीजन में अपना खिताब बचाने की कोशिश कर रही है। हालांकि अभी तक टीम पिछले सीजन जैसी लय में नजर नहीं आई है। उस पर अब गुजरात के लिए एक टेंशन और बढ़ गई है। पहली बार आईपीएल में खेल रहे बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज जॉश लिटिल को उनके देश से बुलावा आया है। आयरलैंड क्रिकेट बोर्ड ने लिटिल को अगले महीने होने वाली अहम वनडे सीरीज के लिए स्क्वॉड में शामिल किया है। इस सीरीज के जरिए आयरलैंड के पास वनडे विश्व कप में सीधे क्वालिफाई करने का मौका है।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

रोमांचक मुकाबले में आरसीबी ने राजस्थान को सात रन से हराया

बेंगलुरू 23 अप्रैल। फाफ डु प्लेसिस (62) और ग्लेन मैक्सवेल (77) के बीच 127 रन की महत्वपूर्ण भागीदारी के बाद हर्षल पटेल (32 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी की मदद से रायल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने रविवार को एक रोमांचक मुकाबले में राजस्थान रायल्स को सात रन से हरा दिया।

आरसीबी ने पहले खेलते हुये नौ विकेट पर 189 रन बनाये जिसके जवाब में राजस्थान निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट खोकर 182 रन ही बना सकी। जोस बटलर (0) का विकेट गिरने के बाद यशस्वी जायसवाल (47) और देवदत्तर पड्डिकल ने 98 रन की साझेदारी कर मजबूत बुनियाद दी हालांकि इस नींव पर अन्य बल्लेबाज जीत की इमारत तैयार नहीं कर सके। डेविड विली ने लांग आन पर खड़े विराट कोहली के हाथों कैच आउट करा पड्डिकल को विदा किया जबकि कुछ ही देर में यशस्वी भी हर्षल पटेल की गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे। संजू सैमसन (22) और ध्रुव जुरेल (34 नाबाद) ने हालांकि आरसीबी के गेंदबाजों का सामना करते हुये रनो की गति बढाने का प्रयास किया मगर उनका यह प्रयास आरसीबी के चुस्त क्षेत्ररक्षण और गेंदबाजी के आगे थोड़ा कम पड़ गया। इससे पहले कप्तान विराट कोहली (0) और शाहबाज अहमद (2) का विकेट सस्ते में खोने के बाद आरसीबी ने फाफ डु प्लेसिस (62) और ग्लेन मैक्सवेल (77) के बीच हुयी साझेदारी से राजस्थान के पसीने छुडा दिये। दोनो ने 14वें ओवर तक रन गति को दस रन प्रति ओवर के करीब बरकरार रखा। इस बीच रन चुराने के चक्कर में डु प्लेसिस रन आउट हो गये। डु प्लेसिस ने अपनी अर्धशतकीय पारी में मात्र 39 गेंद खेल कर आठ चौके और दो शानदार छक्के लगाये।

डु प्लेसिस का विकेट गिरने के बाद राजस्थान के गेंदबाजों ने दवाब बनाया, नतीजन उन्हे मैक्सवेल का कीमती विकेट 15वें ओवर की अंतिम गेंद पर मिला। रविचंद्रन अश्विन की गेंद को उड़ाने के प्रयास में वह लंबे कद के जेसन होल्डर के हाथों बैकवर्ड प्वाइंट पर लपके गये। मैक्सवेल ने छह चौके और चार छक्के जड़े। इन दोनो के आउट होने के बाद आरसीबी के बल्लेबाज दवाब में नजर आये और रन रफ्तार बढाने के प्रयास में एक एक कर अपने विकेट गंवाते रहे। दिनेश कार्तिक (16) ही कुछ देर तक राजस्थान के गेंदबाजों का सामना कर सके। राजस्थान की ओर से ट्रेट बोल्ट और संदीप शर्मा ने दो दो विकेट झटके जबकि अश्विन और यजुवेन्द्र चहल को एक एक विकेट मिला जबकि तीन अन्य बल्लेबाज रन आउट करार दिये गये।

किप्टम ने लंदन मैराथन को दूसरे सबसे कम समय के साथ जीता

लंदन, 23 अप्रैल। केल्विन किप्टम रविवार को लंदन मैराथन के पुरुष वर्ग का खिताब इतिहास के दूसरे सबसे कम समय में जीतने के बाद जमीन पर गिर पड़े। कीनिया के इस 23 वर्षीय धावक ने दो घंटे एक मिनट और 25 सेकेंड के समय के साथ कोर्स रिकॉर्ड अपने नाम किया लेकिन इलियुड किपचोगे के विश्व रिकॉर्ड को तोड़ने से 16 सेकंड से चूक गए। महिलाओं वर्ग में प्रतिस्पर्धा के दौरान चोटिल हुई सिफान हसन ने शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की। लंबी दूरी के महान धावक मो फराह की अंतिम मैराथन में गत चैंपियन अमोस किप्रुटो और विश्व चैंपियन तामिरत टोला भी शीर्ष तीन में शामिल रहे। चालीस साल के फराह ने दो घंटे 10 मिनट और 28 सेकेंड के समय के साथ नौवां स्थान हासिल किया।

लाहिड़ी एडिलेड लिव स्पर्धा में दूसरे स्थान पर रहे

एडिलेड, 23 अप्रैल। भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी वियतनाम में दूसरे स्थान पर रहने के एक सप्ताह बाद यहां 'लिव सीरीज' स्पर्धा के तीसरे और अंतिम दौर शानदार प्रदर्शन के बाद रविवार को दूसरे स्थान पर रहे। पहले दौर में तीन अंडर और दूसरे दौर में छह अंडर का स्कोर करने वाले लाहिड़ी ने तीसरे दौर में सात अंडर का शानदार स्कोर बनाया। उनका कुल स्कोर 16 अंडर का रहा। शुरुआती दो दौर में 10 अंडर 62 का एक समान स्कोर बनाने वाले टेलर गूच तीसरे दौर में एक ओवर 73 का कार्ड खेलने के बावजूद इसके विजेता बने। उन्होंने तीन शॉट के अंतर से जीत दर्ज की।

तीरंदाजी विश्व कप : भारतीय पुरूष रिकर्व टीम को रजत

अंताल्या, 23 अप्रैल। भारतीय पुरूष रिकर्व टीम को तीरंदाजी विश्व कप पहले चरण में शूट आफ में चीन से मिली पराजय के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय टीम की नजरें 2010 के बाद विश्व कप में पहले स्वर्ण पदक पर थी। तरूणदीप राय, अतनु दास और धीरज बोम्मादेवरा की भारतीय टीम ने 0 . 4 से पिछड़ने के बाद बराबरी की और मुकाबले को शूटआफ में खींचा। तीनों हालांकि 4.5 (54.55,50.56,59.58, 56.55, 28.28) से हार गए। चीन की टीम ने स्वर्ण पदक जीता जिसमें लि झोंगियुआन, कि शयांगशुओ और वेइ शाहोक्सू शामिल थे। भारत के दो स्वर्ण और एक रजत पदक हो गए हैं। धीरज व्यक्तिगत वर्ग में भी पदक की दौड़ में हैं। भारतीय टीम का दूसरे सेट में प्रदर्शन खराब रहा जिसमें 60 में से 50 अंक ही बना सकी जबकि चीन ने छह अंक लिये। भारत की शुरूआत धीमी रही और चीन ने एक अंक से पहला सेट जीता। तीसरे सेट में भारत ने वापसी करके पांच बार दस का स्कोर किया। भारत ने चौथा सेट भी एक अंक से जीता। भारतीय टीम 2014 में भी मेडेलिन में दूसरे चरण और व्रोक्लॉ में चौथे चरण में विश्व कप जीतने के करीब पहुंची थी लेकिन हार गई। भारत ने पुरूषों के रिकर्व वर्ग में पांच स्वर्ण पदक जीते हैं। भारत ने आखिरी बार पुरूषों के रिकर्व वर्ग में विश्व कप स्वर्ण पदक 2010 में शंघाई में जीता था। उस टीम में सेना के तरूणदीप राय भी थे जबकि उनके साथ जयंत तालुकदार और राहुल बनर्जी ने जापान को फाइनल में हराया था।

सीडब्ल्यूजी बैठक : कुश्ती, तीरंदाजी और कबड्डी को शामिल करने पर भारत ने दिया जोर

ब्रिसबेन, 23 अप्रैल। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने रविवार को सीजीएफ (राष्ट्रमंडल खेल महासंघ) की एशिया और ओसियाना क्षेत्रीय बैठक में तीरंदाजी, कुश्ती और कबड्डी को राष्ट्रमंडल खेलों (सीडब्ल्यूजी) की सूची में नियमित खेलों के रूप में शामिल करने के लिए मजबूती से अपनी बात रखी। कबड्डी कभी सीडब्ल्यूजी कार्यक्रम का हिस्सा नहीं रहा है जबकि निशानेबाजी और तीरंदाजी दो ऐसे खेल है जिसे बर्मिंघम में पिछले खेलों में शामिल नहीं किया गया था। इन दोनों खेलों में भारतीय एथलीटों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने सीजीएफ अध्यक्ष डेम लुईस मार्टिन और उनकी टीम से सीजीएफ द्वारा प्रस्तावित की जा रही रणनीतिक योजना के संबंध में भारतीय खेलों के विकास पर चर्चा की। इस प्रतिनिधिमंडल में आईओए के कार्यवाहक सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) और संयुक्त सचिव कल्याण चौबे और कार्यकारी परिषद के सदस्य लेफ्टिनेंट जनरल हरपाल सिंह भी शामिल थे। यहां जारी मीडिया विज्ञिप्त में उषा ने कहा, "मैं 2026 के विक्टोरिया राष्ट्रमंडल खेलों में निशानेबाजी की वापसी पर उठाए गए कदमों का स्वागत करती हूं। इसके साथ ही हमने तीरंदाजी, कुश्ती और कबड्डी को भविष्य में इन खेलों की सूची में शामिल करने के लिए सीजीएफ नेतृत्व से हस्तक्षेप की मांग की है।"सीजीएफ और राष्ट्रमंडल खेल ऑस्ट्रेलिया ने पहले विक्टोरिया 2026 खेलों के लिए पूर्ण खेल कार्यक्रम का अनावरण किया था, जिसमें 20 खेल और 26 स्पर्धाएं शामिल है। इसमें नौ पैरा खेल भी शामिल है। निशानेबाजी को 2022 बर्मिंघम खेलों से विवादास्पद रूप से हटाए जाने के बाद 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में इसकी वापसी हुई है। निशानेबाजी में राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने अब तक 135 पदक (63 स्वर्ण, 44 रजत और 28 कांस्य) जीते है जो किसी अन्य खेल से ज्यादा है। इस सूची में कुश्ती 114 (49 स्वर्ण, 39 रजत और 26 कांस्य) पदकों के साथ तीसरे स्थान पर है। इसमें भारत ने बर्मिंघम खेलों में सबसे अधिक 12 पदक कुश्ती में जीते। 2010 के बाद से लगातार चार खेलों में शामिल होने के बाद इस खेल को 2026 सत्र से हटा दिया गया है। दूसरी ओर तीरंदाजी को राष्ट्रमंडल खेलों में केवल दो बार (1982 और 2010) शामिल किया गया है। चौबे ने कहा, " निशानेबाजी भारत का सबसे मजबूत खेल रहा है और 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में इसकी वापसी भारत के लिए एक स्वागत योग्य कदम है। मुझे यकीन है कि पैरा-निशानेबाजी को शामिल करने से भारत की पदक तालिका में और इजाफा होगा।" उन्होंने कहा, "मेरा मानना है कि हमने राष्ट्रमंडल खेलों में कुश्ती और तीरंदाजी की वापसी के लिए मजबूती से अपनी बात रखी है।"

दबाव में शांत रहना मेरी आदत है : अर्शदीप

मुंबई 23 अप्रैल। मुबंई के खिलाफ निर्णायक ओवर में दो विकेट चटका कर पंजाब किंग्स को जीत दिलाने वाले मध्यम तेज गेंदबाज अर्शदीप ने कहा कि दवाब में शांत रहने की आदत उन्हे गेंदबाजी में लय बरकरार रखने में मदद करती है। शनिवार को मुबंई इंडियंस के खिलाफ पंजाब किंग्स को 13 रन से शानदार जीत हासिल हुयी थी जिसमें अर्शदीप की भूमिका महत्वपूर्ण रही। पंजाब के युवा खिलाड़ी ने यूं तो चार विकेट चटकाये मगर आखिरी ओवर में लगातार दो गेंदों पर मुबंई के दो बल्लेबाजों के विकेट झटक कर उन्होने मैच को एकतरफा कर दिया था। मिडिल स्टांप बीच से टूट भी गये थे। मैच के बाद अर्शदीप ने कहा विकेट लेना अच्छा लगता है और वह भी तब, जब इससे टीम को जीत हासिल होती हो। दवाब की स्थिति में शांत रहने की आदत ने उन्हे गेंदबाजी में लय बरकरार रखने में मदद की। सच बोलूं तो मै कभी उत्तेजित नहीं होता। इसके अलावा मैने नो बाल से बचने के लिये अपने रनअप में भी बदलाव किया था। मैं अपने खेल का भरपूर लुत्फ उठा रहा हूं। अर्शदीप आईपीएल के मौजूदा सत्र में अब तक 13 विकेट हासिल कर चुके हैं हालांकि मैच आफ द प्लेयर का पुरस्कार उनके कप्तान सैम कुरेन को मिला था। कुरेन ने हालांकि इस पर नाखुशी जाहिर करते हुये कहा था कि इस पुरस्कार के असली हकदार उनके गेंदबाज है जिनकी बदौलत टीम को जीत मिली।

ला लिगा : मैड्रिड ने सेल्टा को हराकर बार्सिलोना पर दबाव बनाया

बार्सीलोना, 23 अप्रैल। रीयाल मैड्रिड ने सेल्टा विगो को 2 . 0 से हराकर स्पेनिश लीग फुटबॉल में शीर्ष पर काबिज बार्सीलोना पर दबाव बना दिया। मार्को असेंसियो ने हाफटाइम से तीन मिनट पहले गोल करके बढत बनाई। इसके बाद सेंटर बैक एडेर मिलिताओ ने 48वें मिनट में दूसरा गोल किया। इस जीत के बाद मैड्रिड और बार्सीलोना के बीच सिर्फ आठ अंक का अंतर रह गया है।
बार्सीलोना को रविवार को तीसरे स्थान पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड से खेलना है। बार्सीलोना को पिछले दो मैचों में ड्रॉ से संतोष करना पड़ा जिससे मैड्रिड ने उसकी बढत का अंतर कम कर दिया। अन्य मैचों में रीयाल सोशिदाद ने रायो वालेकानो को 2.1 से हराकर चौथे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। पांचवें स्थान पर काबिज रीयाल बेटिस को ओसासुना ने 3.2 से मात दी। एथलेटिक बिलबाओ ने अल्मेरिया को 2.1 से हराया जबकि वाल्लाडोलिड ने गिरोना को 1.0 से मात दी।

चेन्नई सुपर किंग्स ने लगाई जीत की हैट्रिक

कोलकाता नाइट राइडर्स को 49 रन से हराकर प्वाइंट्स टेबल में बने नंबर वन

कोलकाता, 23 अप्रेल। चेन्नई सुपर किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल 2023 के 33वें मुकाबले में 49 रन से हरा दिया है। चेन्नई ने इसी के साथ जीत की हैट्रिक लगा ली है। वहीं इस जीत के साथ एमएस धोनी की अगुवाई वाली चेन्नई सुपर किंग्स अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स की ये लगातार चौथी हार है। चेन्नई सुपर किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए डेवोन कॉनवे, अजिंक्य रहाणे और शिवम दुबे के अर्धशतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 235 रन बनाए, जोकि जारी सीजन का हाईएस्ट स्कोर बन गया है। इसके जवाब में कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम ने शुरुआती झटकों के बावजूद 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 186 रन बनाने में कामयाब रही।

236 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने शुरुआती दो ओवर में ही 2 विकेट गंवा दिए थे। सुनील नरेन बिना खाता खोले आउट हुए, जबकि एन जगदीशन ने एक रन बनाया। वेंकटेश अय्यर 20 गेंद में 20 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद नीतीश राणा ने कुछ बड़े शॉट खेले। लेकिन वह भी 20 गेंद में 27 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद जेसन रॉय ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 19 गेंद में अर्धशतक जड़ दिया। लेकिन वह 26 गेंद में 61 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

चेन्नई सुपर किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए डेवोन कॉनवे, अजिंक्य रहाणे और शिवम दुबेके अर्धशतकों की बदौलत 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 235 रन बनाए हैं। चेन्नई के लिए अजिंक्य रहाणे ने सर्वाधिक रन बनाए।नाइट राइडर्स की तरफ से शुभम खेजरोलिया ने दो विकेट चटकाए। सुयश और वरुण ने 1-1 विकेट लिए। पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स को डेवोन कॉनवे और ऋतुराज गायकवाड़ ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 73 रन की साझेदारी हुई। ऋतुराज 35 रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन कॉनवे अपने मनपसंदीदा शॉट लगाते रहे और 34 गेंद में जारी सीजन की लगातार चौथी फिफ्टी पूरी की। वह 40 गेंद में 56 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। पारी में उन्होंने 4 चौके और तीन छक्के लगाए। इसके बाद रहाणे और शिवम ने धमाकेदार बल्लेबाजी की और तीसरे विकेट के लिए सिर्फ 32 गेंद में 85 रन जोड़े। शिवम 21 गेंद में 50 रन बनाकर आउट हुए। पारी में उन्होंने दो चौके और पांच छक्के लगाए। रविंद्र जडेजा 8 गेंद में 18 रन बनाकर आउट हुए। अजिंक्य रहाणे 29 गेंद में 71 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने अपनी पारी में 6 चौके और 5 छक्के लगाए। धोनी ने तीन गेंद में दो रन बनाए।

2017 में सचिन की सलाह से मुझे अपने कैरियर का विस्तार करने में मदद मिली : मिताली

नयी दिल्ली, 23 अप्रैल। दो दशक से अधिक समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शीर्ष स्तर पर खेलने वाले सचिन तेंदुलकर और मिताली राज उत्कृष्टता और लंबे कैरियर की मिसाल बन गए हैं। तेंदुलकर ने लोगों को क्रिकेट से प्यार करना सिखाया तो मिताली महिला क्रिकेट की पहली सुपरस्टार हैं। हालांकि ऐसे महान खिलाड़ियों के कैरियर में भी उतार चढाव आते रहे हैं।

तेंदुलकर के 50वें जन्मदिन से पहले मिताली ने उनसे पहली बार बातचीत, अपनी बल्लेबाजी पर उनके प्रभाव और उनसे मिली सलाह से खेल में सुधार के अनुभव को साझा किया। मिताली ने कहा," मुझे अभी भी याद है जब 2017 में इंग्लैंड में विश्व कप से पहले मैने उनसे बात की थी। मैं उनसे पूछना चाहती थी कि उनका कैरियर इतना लंबा कैसे रहा है और युवा पीढ़ी के नये गेंदबाजों का सामना करने के लिये वह क्या करते हैं।"

उन्होंने कहा ," जब आपका कैरियर लंबा होता है तो हर पीढ़ी में बेहतरीन गेंदबाज आते हैं। मैं जानना चाहती थी कि उन्होंने इससे तालमेल कैसे बिठाया। उम्र के साथ लोग बात करने लगते हैं कि आपका फुटवर्क धीमा हो गया है और आप गेंद को तेजी से भांप नहीं पाते।" उन्होंने कहा ,"मैं जानना चाहती थी कि वह इन चीजों से कैसे निपटते हैं। उन्होंने सुझाव दिये जिन पर मैने अमल किया।"

पहलवानों ने फिर किया विरोध प्रदर्शन : समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग

नयी दिल्ली, 23 अप्रैल। बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट सहित देश के शीर्ष पहलवान रविवार को विरोध प्रदर्शन के लिए फिर से जंतर मंतर पहुंचे और सरकार से डब्ल्यूएफआई (भारतीय कुश्ती महासंघ) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच करने वाली निगरानी समिति की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने की मांग की।

बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों के बीच पहलवानों ने डब्ल्यूएफआई प्रमुख के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की भी मांग की। इन पहलवानों ने इस साल जनवरी में पहली बार धरना प्रदर्शन कर महासंघ को भंग करने की मांग की थी। बृजभूषण शरण सिंह ने हालांकि इन आरोपों को खारिज कर दिया था। दिग्गज मुक्केबाज एमएस मेरीकॉम की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय निगरानी समिति ने अप्रैल के पहले सप्ताह में अपनी रिपोर्ट सौंपी थी लेकिन सरकार ने अभी तक इसे सार्वजनिक नहीं किया है। विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता विनेश ने सवाल किया, "(सरकारी) समिति को अपनी रिपोर्ट पेश करने में कितना समय लगने वाला है। पहले ही तीन महीने हो चुके हैं और हम अब भी उनकी बात सुनने का इंतजार कर रहे हैं। क्या रिपोर्ट तब आएगी जब शिकायत दर्ज कराने वाली लड़कियों की मौत हो जाएगी?"

उन्होंने कहा, "हम सरकार से इस मामले में निष्कर्ष जारी करने के लिए कह कर थक चुके हैं। हमने कनॉट प्लेस के एक पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की है और चाहते हैं कि बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हो।" उन्होंने कहा, " हमारा (डब्ल्यूएफआई) चुनाव प्रक्रिया से कोई लेना-देना नहीं है। हम अपने करियर को लेकर अधिक चिंतित हैं। (पेरिस) ओलंपिक करीब है और हम सही दिशा में तैयारी शुरू करना चाहते हैं।"

डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष के रूप में 12 साल पूरे कर चुके सिंह ने पुष्टि की है कि वह सात मई को होने वाले डब्ल्यूएफआई चुनाव में शीर्ष पद के लिए दावेदारी पेश नहीं करेंगे। उन्होंने हालांकि संकेत दिया था कि वह राष्ट्रीय महासंघ के अंदर अपने लिए एक भूमिका तलाश करेंगे।

विनेश ने कहा, "आप लोग देख सकते हैं कि इतने गंभीर आरोपों के बावजूद महासंघ कौन चला रहा है। हमारे पास केवल सत्य की शक्ति है, जो मुझे लगता है कि पर्याप्त नहीं है। कम से कम सरकार यौन उत्पीड़न पर कार्रवाई कर सकती है। हम न्याय की मांग कर रहे हैं। हम विरोध जारी रखेंगे।" देश के शीर्ष पहलवानों के आरोप लगाने के तीन महीने की अवधि के दौरान, सिंह भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और सरकार के निरीक्षण पैनल के सामने पेश हुए।

कई सूत्रों ने पुष्टि की है कि पहलवान डब्ल्यूएफआई प्रमुख के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को साबित नहीं कर सके। रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साक्षी मलिक ने कहा, "हम जंतर-मंतर से नहीं हटेंगे।यह लड़ाई नहीं रुकेगी।" उन्होंने कहा," लड़कियां (महिला पहलवान) समिति के सामने पेश हुई हैं, लेकिन रिपोर्ट नहीं आई है। महासंघ पहले की तरह चल रहा है, वह अपने राष्ट्रीय टूर्नामेंटों का आयोजन कर रहा है। तो क्या बदल गया है?"

उन्होंने कहा, " जब हमने पहली बार विरोध किया तो हमसे जो वादे किए गए थे, उनमें से एक भी पूरा नहीं किया गया. दो दिन पहले एक नाबालिग समेत सात लड़कियों ने कनॉट प्लेस थाने में शिकायत दर्ज कराई है. इसके बावजूद वे हमें गंभीरता से नहीं ले रहे हैं, प्राथमिकी दर्ज नहीं कर रहे हैं। पता नहीं इस ढिलाई के पीछे कौन है, क्योंकि ऐसे संवेदनशील मुद्दों को तत्काल कार्रवाई होती है।"

बजरंग ने कहा कि विरोध करने वाली महिला पहलवानों के साथ खड़ा होना उनका नैतिक कर्तव्य है। तोक्यो खेलों के कांस्य पदक विजेता ने कहा, "अगर हम इनके साथ नहीं खड़े होंगे तो और कौन खड़ा होगा?" उन्होंने कहा, "भले ही मुझे उनकी खातिर अपनी जान कुर्बान करनी पड़े, मैं उस हद तक जाने को तैयार हूं।"

तकनीकी तौर पर सचिन सर्वश्रेष्ठ, विराट की तुलना के लिये करें इंतजार : रिकी पोंटिंग

नयी दिल्ली, 23 अप्रैल। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने सचिन तेंदुलकर को तकनीकी तौर पर सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज करार देते हुए कहा कि उनके पास गेंदबाजों से मिलने वाली हर चुनौती का जवाब होता था।

पोंटिंग ने कहा कि विराट कोहली का अंतरराष्ट्रीय कैरियर खत्म होने के बाद ही तेंदुलकर से उनकी तूलना करना सही होगा। उन्होंने कहा," मैं पहले भी कह चुका हूं कि तकनीक के मामले में सचिन सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं जिन्हें मैने देखा या जिनके साथ या जिनके खिलाफ खेला।" उन्होंने कहा ," गेंदबाजी ईकाई के रूप में हम जो भी रणनीति बनाते थे, उनके पास उसका जवाब होता था। चाहे भारत में हो या आस्ट्रेलिया में।" तेंदुलकर के 50वें जन्मदिन पर 'आईसीसी रिव्यू' में उन्होंने कहा ," खिलाड़ियों की रैंकिंग करना या उनका आकलन करना कठिन होता है क्योंकि हर कोई अलग तरह से खेलता है। लेकिन मैने जिस दौर में खेला है, उसमें सचिन तकनीकी रूप से सर्वश्रेष्ठ था।"

तेंदुलकर और कोहली की तुलना के बारे में उन्होंने कहा ," सचिन के कैरियर के आखिरी दौर में विराट ने खेलना शुरू किया लेकिन अब खेल अलग है। अलग नियम है मसलन 50 ओवर के क्रिकेट में सर्कल के बाहर कम फील्डर होते हैं, दो नयी गेंद ली जाती है और अब बल्लेबाजी पहले से आसान हो गई है।" उन्होंने कहा कि तेंदुलकर के दौर में पुरानी गेंद को खेलना बहुत कठिन होता था क्योंकि उसे रिवर्स स्विंग मिलती थी। पोंटिंग ने कहा ," जब सचिन वनडे खेलता था तब 50 ओवर के बाद गेंद की शक्ल बदल जाती थी। उसे रिवर्स स्विंग मिलती थी जो आज देखने को नहीं मिलती।" उन्होंने कहा ," विराट बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी है। उसके नाम 70 से अधिक अंतरराष्ट्रीय शतक हैं। सचिन ने सौ शतक बनाये हैं।

पोंटिंग ने कहा," मैं खिलाड़ी की काबिलियत का आकलन इस आधार पर करता हूं कि वह कितने साल खेल सका। यह सही तरीका इसलिये है क्योंकि इतने लंबे समय तक लगातार अच्छा खेलना आसान नहीं होता। कुछ खिलाड़ी आते हैं और तीन चार साल तक दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी लगते हैं लेकिन लंबे समय तक टिकना कठिन होता है और सचिन बीस साल से ज्यादा लगातार अच्छा खेला है।"

संक्षिप्त

छात्रावास निर्माण में सहयोग दिया

दूदू, (निसं)। निकटवर्ति हरसोली गांव के एक परिवार में पुत्रों द्वारा मां की मौत से पूर्व अंतिम ईच्छा अनुसार मृत्यू भोज के बजाय सामाजिक सरोकार पर खर्च करने की बात पर बलाई समाज के छात्र-छात्राओं के लिए निर्मित किए जाने वाले छात्रावास में एक लाख रूपये नकद देने की घोषणा की है। मृतका छोटी देवी पपरालिया पत्नी स्व. काना राम के पुत्रों कैलाश चंद, महावीर प्रसाद, मदन लाल, यशराजमेघवंशी के द्वारा सामाजिक सरोकार में किये गये कार्य की सभी समाज बन्धुओं एवं ग्राम वासियों ने भी सराहना की तथा प्रेरित करने का कार्य किया है।

पिंकी बुहाडिया जिला अध्यक्ष बनी

फागी, (निसं)। भारत रक्षा मंच राजस्थान ने कस्बा निवासी पिंकी बुहाडिया को जिला अध्यक्ष जयपुर दक्षिण के पद पर मनोनित किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संगठन प्रमुख लक्ष्मीनारायण शर्मा एवं राजेन्द्र प्रसाद शर्मा ने कस्बे की पिंकी बुहाडिया को जिला अध्यक्ष का मनोनयन पत्र सौंपते हुए संगठन की रीतिनीति के अनुसार जिला की कार्यकारिणी के शीघ्र गठन के लिए निर्देशित किया। पिंकी के जिला अध्यक्ष मनोनित होने पर उनके समर्थकों ने स्वागत किया।

महंगाई राहत शिविर आज से

बोराज, (निसं)। महंगाई राहत शिविर एवं प्रशासन गांव के संग अभियान के तहत कस्बे के राजकीय महात्मा गांधी विद्यालय में सोमवार को प्रात: 10 बजे दूदू विधायक एवं मुख्यमंत्री सलाहकार बाबूलाल नागर स्थाई कैंप का शुभारंभ करेंगे। कांग्रेस कार्यकर्ता गोपाल सांखला ने बताया कि गरीबों को महंगाई से राहत देने के लिए स्थाई कैंप में 24 अप्रैल से 30 जून तक कस्बे सहित आसपास क्षेत्र के गांव के लोगों को भी योजनाओं से लाभ लेने का अवसर मिलेगा।

बाबा नेणूमल साहिब की बरसी मनाई

खैरथल, (निसं)। झूलेलाल मंदिर के ब्रह्मलीन बाबा नेणुमल साहिब का 13वीं बरसी पर आयोजित उत्सव श्रद्धा और उल्लास से मनाया गया।

परशुराम भगवान की शोभायात्रा में भक्तों का जन सैलाब उमड़ा

लालसोट में भगवान परशुराम की शोभायात्रा में जीवंत झाकियां निकाली गई।

- 1100 महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा

लालसोट, (निसं)। उपखंड मुख्यालय पर ब्राह्मण समाज के आराध्य देव भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर रविवार को लालसोट उपखण्ड मुख्यालय स्थित संस्कृत पाठशाला से शाही अंदाज में शोभायात्रा और भव्य मंगल कलश यात्रा निकाली गई। शोभायात्रा यात्रा संस्कृत पाठशाला से रवाना होकर परशुराम सर्किल, बस स्टैंड, बोली बाजार, झरण्डा चौक होते हुए राजकीय जिला चिकित्सालय के सामने से होकर वापस संस्कृत पाठशाला में पहुंची।

जहां शोभायात्रा के दौरान राजकीय जिला चिकित्सालय में कार्यरत कार्मिकों द्वारा शोभायात्रा का शरबत पिलाकर एवं क़रीब आधा किलोमीटर तक ड्रोन से पुष्प वर्षा कर स्वागत सम्मान किया। वहीं शोभायात्रा के दौरान शहर में लोगों ने स्वागत के लिए जगह-जगह पुष्प वर्षा भी की। इस दौरान जीवंत झांकियों का भी प्रदर्शन किया गया। वहीं शोभायात्रा में जमात अखाड़ों के करतब बाजो ने हैरतअंगेज करतब भी दिखाए। शोभायात्रा में भगवान राम, लक्ष्मण, सीता सहित भगवान परशुराम की जीवंत झांकियां भी सजाई गई।

शोभायात्रा के दौरान बैंड बाजे की धुन पर लोग नाचते गाते हुए लोगों शोभायात्रा का आनंद लिया।इस दौरान महिलाओं ने 1100 मंगल कलश अपने सिर पर धारण कर कलश यात्रा निकाली। वहीं कलश यात्रा के थाने स्थित मंदिर पहुंचने पर भगवान शिव का जलाभिषेक किया गया। शोभायात्रा और कलश यात्रा की अगवानी के लिए शहर में जगह जगह तोरणद्वार भी लगाए गए। वहीं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस उपाधीक्षक अरविंद गोयल, थानाधिकारी नाथूलाल मीना, रिछपालसिंह, अजय सिंह के नेतृत्व में तीन थानों का पुलिस जाब्ता मौके पर तैनात रहा।

ट्रैक्टर की टक्कर से बालिका की मौत

बौंली, (निसं)। क्षेत्र के मित्रपुरा थाना अंतर्गत लाखनपुर ग्राम पंचायत के रतनपुरा गांव के पास शनिवार देर रात्रि को एक सड़क दुर्घटना में एक 8 वर्षीय बालिका की ट्रैक्टर की टक्कर से दर्दनाक मौत हो गई।

मित्रपुरा सर्किल इंस्पेक्टर श्रीकिशन मीणा ने बताया कि शनिवार देर रात्रि को 8 वर्षीय बालिका अर्पिता मीणा निवासी रतनपुरा अपने पिता के साथ विवाह समारोह से लौट रही थी कि अचानक लापरवाही से ट्रैक्टर चालक ने बालिका को कुचल दिया जिससे बालिका की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पाकर मित्रपुरा पुलिस मौके पर पहुंची एवं शव को बौंली चिकित्सालय ले जाकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बालिका की सड़क दुर्घटना में मौत से पिता को गहरा आघात लगा है उसके एक पुत्र और एक पुत्री थी जिसमें व अपनी 8 वर्षीय पुत्री को गंवा चुका अब एक उसके 10 वर्षीय लड़का है जो अपनी बहन के बिना रह गया। इस मामले को लेकर बालिका के पिता रामजी लाल मीणा ने मित्रपुरा थाने में वाहन चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाकर बालिका की हत्या कर देने का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर चालक की तलाश शुरू कर दी।

सार-समाचार

राठौड़ को गुलदस्ता भेंट किया

बहरोड़/जयपुर, (निसं)। अलवर जिले से भाजपा प्रथम जिला अध्यक्ष बलवान सिंह यादव के नेतृत्व में जयपुर के शिप्रा पथ मॉडर्न पब्लिक स्कूल मानसरोवर में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचकर विधानसभा नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के जन्मदिवस सेवा सप्ताह के तहत समस्त राजस्थान में रिकॉर्ड के रूप में 418 रक्तदान शिविरों के आयोजन से 69147 यूनिट रक्त संग्रहण होने से खुशी जाहिर करते हुए बहरोड़ विधानसभा क्षेत्र सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने गुलदस्ता भेंट कर बधाई दी। गौरतलब है कि भारतीय जनता पार्टी के राजस्थान विधानसभा में प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के जन्मदिवस पर सेवा सप्ताह के तहत रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया था। जिससे बहरोड़ से बलवान यादव के साथ ही उम्मेद भाया जिलाध्यक्ष अलवर उत्तर एवं रामबीर शाहबादी, योगेश सिंह चौहान मंडल अध्यक्ष मांगण, तथा नरेंद्र सिंह चैनपुरिया एवं रमेश रावत पहाड़ी, बलेश रावत तथा सुभाष यादव आदि अलवर जिले के कार्यकर्ताओं ने जयपुर पहुंचकर गुलदस्ता भेंटकर बधाई दी ।

वार्षिकोत्सव एवं जागरण समारोह संपन्न

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के बड़ाबास मोहल्ला के बाला कुआं के पास स्थित अखाड़ा वाले श्री संकट मोचन हनुमान जी महाराज का वार्षिकोत्सव एवं भव्य जागरण समारोह नागाजी मंदिर के महंत मखन दास महाराज वचेला सीताराम दास महाराज तथा दुर्गा माता मंदिर के महंत पंडित योगेश शर्मा,गंगा जी मंदिर के महंत पंडित शंकर लाल शर्मा , जगन्नाथ मंदिर के महंत कमलेश शर्मा,के सानिध्य में संपन्न हुआ। इस दौरान जहां हनुमान जी महाराज को पंचामृत स्नान कराकर सिंदूरी चोला चढ़ाया गया वहीं बाबा का अलौकिक श्रृंगार भी किया गया। कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन समाजसेवी पूरणमल भरगढ़ द्वारा किया गया। इस मौके पर कलाकारों ने भजनों की प्रस्तुतियां दी ।इस दौरान कार्यक्रम आयोजकों की ओर से सभी कलाकारों व अतिथियों का माला पहनाकर व श्री राम नाम का दुपट्टा ओढाकर स्वागत किया गया।इस मौके पर पंडित रामनिवास शर्मा, वरिष्ठ चिकित्सक एवं पत्रकार चंद्रकांत पंडित, स्वतंत्र पत्रकार आनंद पंडित, एडवोकेट रमाकांत पंडित,शिवकुमार शर्मा, कमल प्रसाद शर्मा, वरिष्ठ अधिवक्ता केके शर्मा, पत्रकार अनिल कुमार शर्मा, संजय कुमार शर्मा, दिनेश शर्मा, आदित्य शर्मा वरिष्ठ भाजपा नेता मुकेश गोयल, मंडल के उपाध्यक्ष ख्याली राम सैनी , अशोका कोचिंग के निर्देशक इंजीनियर विक्रम कसाना, शशी मित्तल , पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष ममता शर्मा ,कांता देवी, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

12 करोड़ की स्वीकृति जारी

दूदू, (निसं)। विधानसभा क्षेत्र के 4 राजस्व गांवों में पेयजल समस्या निवारण हेतु पेयजल वितरण पाइप लाइन के लिए जन स्वास्थय अभियांत्रिकी विभाग द्वारा ग्यारह करोड़ 98 लाख 28 हजार रूपये की वितिय स्वीकृति जारी की गई है। विधायक बाबूलाल नागर ने बताया कि इन 24 राजस्व गांवों में 18 पेयजल योजना के दुबारा टेण्डर लगाये जाकर निविदा प्रक्रिया के पूर्ण होने पर लाईन का कार्य शुरू किया जावेगा।

बुचारा में 50 वर्ग किलोमीटर में बनेगी लैपर्ड सेंचुरी

- गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव ने की घोषणा

कोटपूतली, (निसं)। प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनावी वर्ष को देखते हुए वर्ष 2023 के प्रदेश बजट को जल्द प्रस्तुत कर बजट घोषणाओं व राजकीय योजनाओं को धरातल पर उतारकर आमजन तक पहुँचाने के प्रयास शुरू किये हैं।

वहीं इसी बजट में कोटपूतली की 75 वर्ष पुरानी जिले की मांग को भी पुरा किया गया है। बजट घोषणाओं एवं जिला बन चुके कोटपूतली में विकास की योजनाओं एवं कार्यों के लिए निरन्तर प्रयास किये जा रहे है। इस सम्बंध में प्रेस नोट जारी करते हुए क्षेत्रीय विधायक, उच्च शिक्षा व गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव ने कहा कि कोटपूतली की सभी योजनाओं को जल्द से जल्द पुरा कर जिला निर्माण पर होने वाली सभी आवश्यकताओं को पुरा करने के भी प्रयास युद्ध स्तर पर किये जा रहे है।

इसके लिए कोटपूतली के डाक बंगले का जीर्णोद्वार कर इसे सुन्दर बनाया जायेगा। साथ ही वहाँ सुविधाओं की भी वृद्धि की जायेगी। यादव ने कहा कि कोटपूतली के बुचारा में सरिस्का की तर्ज पर 50 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल की भूमि पर वन क्षेत्र बनाकर लैपर्ड सेंचुरी विकसित की जा रही है। इसके लिए उक्त भूमि पर चार दीवारी लगाई जायेगी जो कि आने वाले समय में कोटपूतली व बाहर से आने वाले यात्रियों के लिए पर्यटक स्थल के साथ-साथ एक डेस्टिनेशन प्वाईन्ट के रूप में विकसित होगा।

वहीं दूसरी ओर गृह राज्यमंत्री यादव ने कस्बे के डाबला रोड़ पर निकटवर्ती चौलाई मोड़ से ग्राम कांसली व अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट होते हुए गोरधनपुरा चौकी तक फोर लेन सडक बनाये जाने की घोषणा की है।

श्याम संकीर्तन में रात भर बही भजनों की गंगा

श्याम जागरण में कलाकारों ने आकर्षक झांकी सजाई।

नारायणपुर, (निसं)। क़स्बा स्थित श्याम मंदिर में गत रात्रि को 37वां वार्षिकोत्सव व श्याम जागरण आयोजित किया गया । श्याम संकीर्तन में रात भर श्याम बाबा के भजनों की गंगा बही।

जागरण की शुरुआत श्याम बाबा की अखण्ड ज्योत और अलौकिक श्रृंगार के साथ कलाकार रमेश जिंदल के द्वारा गणेश वंदना के साथ की गई । इस दौरान टिंकू म्यूजिक ग्रुप पावटा के सानिध्य में पूजा शर्मा (यूपी), विजेंद्र भार्गव (खेतड़ी झुंझुनू) सहित अनेक कलाकारों ने प्रस्तुती दी। वहीं पूर्व यूआईटी चेयरमैन देवीसिंह शेखावत ने भी श्याम जागरण में पहुंचकर श्याम बाबा के दरबार में धोक देकर आशीर्वाद लिया। इस दौरान आयोजनकर्ताओं ने पूर्व चेयरमैन को साफा और माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। सुप्रसिद्ध गायक कलाकार ममता वाजपेयी द्वारा चेतावनी भजनों की प्रस्तुती सहित पीली लुगड़ी लांबो घुंघट काड लेबा दे आदि भजन सुनाकर श्याम भक्तों को थिरकने को मजबूर कर दिया । इस दौरान झांकी पार्टी माँ कालका आर्ट्स ग्रुप नारनौल द्वारा धार्मिक प्रसंगों से सम्बन्धित जीवंत झांकी प्रस्तुत की गई। मंच संचालन हमीरसिंह मंडा ने किया। सुबह सामूहिक आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर मुन्नादास महाराज, अनीता जांगिड, अध्यक्ष राजेश गर्ग, समाजसेवी राजू प्रजापत, योगेश गर्ग, मुकेश अग्रवाल, नरेश पंचोली, राकेश सोनी, सुंडा राम गुर्जर, पप्पूराम शर्मा, रामावतार सैनी, गोपाल अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

नगर परिषद टोंक में भ्रष्टाचार का बोलबाला : जौनापुरिया

- कांग्रेस सरकार की विफलताओं को लेकर भाजपा का जनाक्रोश महाघेराव 26 को

टोंक, (निसं)। भाजपा द्वारा जनाक्रोश महाघेराव के तहत आगामी 26 अप्रेल को राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया जाएगा, जिसको लेकर टोंक में भी महाघेराव को लेकर भाजपा गांधी पार्क स्थित रामलीला मैदान में एक जन सभा कर प्रदर्शन की तैयारियां कर रही है।

रविवार को सांसद कार्यालय में सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया एवं भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्र पराना समेत अन्य पार्टी पदाधिकारियों ने प्रेस वार्ता में जनाक्रोश महाघेराव आंदोलन की जानकारी देते हुए केंद्र सरकार से स्वीकृत एवं बजट जारी होने के बावजूद गहलोत सरकार की घोषणा पत्र में शामिल टोंक की रेलसेवा से जोड़े जाने की मांग अधूरी रहने, जल जीवन मिशन के तहत केंद्र सरकार के बजट का सही तरह से इंप्लीमेंटेशन नहीं होने, राज्य में बढ़ते भ्रष्टाचार एवं क्राइम कंट्रोल में फेल होने, किसानों की कर्जा माफी, युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने में अनियमितता समेत अन्य मुद्दों पर सरकार के खिलाफ जनाक्रोश आन्दोलन की बात कही है।

सांसद जौनापुरिया ने टोंक नगर परिषद में भ्रष्टाचार बताते हुये कहा कि इस सन्दर्भ में लगातार भाजपा द्वारा आवाज उठाने पर भी नगर परिषद बोर्ड की मीटिंग के बगैर बजट के अनुमोदन कर अनियमितताएं बरती जा रही है। भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्र पराना ने बताया कि जनाक्रोश महाघेराव से पूर्व गांधी पार्क में होने वाली जनसभा में पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी एवं अजमेर शहर से भाजपा विधायक अनिता भदेल मुख्य वक्ता के रूप में शामिल होंगी। इस अवसर पर पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन, उपाध्यक्ष बेनी प्रसाद जैन, जिला महामंत्री विष्णु शर्मा एवं नरेश बंसल आदि मौजूद थे।

बाइकों की भिड़ंत में एक जने की मौत

चाकसू, (निसं)। थाना अंतर्गत निमोडिया रोड पर शनिवार रात्रि को दो बाइक की सीधी भिड़ंत हो गई। हादसे में एक युवक की मौके पर मौत हो गई वहीं दूसरे युवकों को हल्की चोटें आई हैं। सूचना पर पहुंची चेतक गाड़ी ने घायलों को उपजिला अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को छुट्टी दे दी। वहीं एक युवक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने रविवार को मृतक का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। चाकसू थाना अधिकारी भूरी सिंह ने बताया कि भिड़ंत में गणेशपुरा गांव निवासी चंद्र मोहन गुर्जर पुत्र अर्जुन गुर्जर की मौत हो गई। रविवार को मृतकों का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया है।

महंगाई राहत कैम्प से जरूरतमंद तक सीधा लाभ पहुंचेगा: परसादी

- ग्राम पंचायत व नगरपालिका स्तर पर आयोजित होंगे महंगाई राहत कैम्प
- चिकित्सा मंत्री परसादी लाल ने अधिकारियों की बैठक ली

लालसोट, (निसं)। उपखंड मुख्यालय पर पंचायत समिति सभागार में महंगाई राहत कैंप को लेकर अधिकारियों की बैठक के दौरान चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने कहा कि महंगाई राहत कैंप के माध्यम से जरूरतमंद लोगों तक सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचेगा।

मंत्री मीणा ने उपस्थित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि महंगाई राहत कैंप के दौरान किसी भी प्रकार की कोई कमी कमी नहीं रहे। चिकित्सा मंत्री मीणा ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र में प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर महंगाई से राहत दिलाई जाएगी। इसके लिए 24 अप्रैल से 30 जून तक प्रदेश में महंगाई राहत कैम्प आयोजित होंगे। उन्होंने कहा कि कैम्पों में सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन को मिलेगा, जिससे बढ़ती महंगाई की मार से राहत मिलेगी। राज्य सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ने के लिए कैंपों में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया गया है। कैंपों में योजनाओं का तुरंत लाभ पहुंचाया जाएगा। आमजन की सुविधा के लिए किसी भी जिले का व्यक्ति अन्य जिलों के कैम्पों में भी जनाधार के जरिए रजिस्ट्रेशन करा सकता है। महंगाई राहत कैम्प के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं में नि:शुल्क रजिस्ट्रेशन के बाद मौके पर ही मुख्यमंत्री गारंटी कार्ड उपलब्ध कराए जाएंगे। सभी ग्राम पंचायतों एवं नगर पालिका वार्डों में महंगाई राहत कैम्प राजकीय कार्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर लगाए जाएंगे। इस दौरान लालसोट एसडीएम विजेंद्र मीणा डिप्टी एसपी अरविंद कुमार गोयल रामगढ़ पचवारा एसडीएम मोहर सिंह मीणा पालिका अधिशासी अधिकारी सीमा चौधरी मंडावरी ईओ नमन शर्मा तहसीलदार लालसोट मदन लाल मीणा निर्झरना तहसीलदार सीमा घुणावत प्रधान नाथू लाल मीणा बीसीएमएचओ डा धीरज शर्मा खंड विकास अधिकारी राजाराम मीणा आदि कई अधिकारी जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

पावटा में हर्षोल्लास के साथ मनाया भगवान परशुराम का जन्मोत्सव

पावटा में भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

- जय परशुराम के नारों से गुंजायमान हुआ पावटा, जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा सहित आस पास के क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ भगवान परशुराम का जन्मोत्सव मनाया गया।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर उपखंड पावटा में ब्राह्मण महासभा पावटा के तत्वावधान में ब्राह्मण महासभा तहसील पावटा के सहयोग से शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा को महंत मोहनदास महाराज द्वारा दीप प्रज्वलित व आरती कर पावटा आदर्श रामलीला मैदान से रवाना किया गया। शोभायात्रा में ब्रह्माण महासभा पावटा सहित तहसील विप्र समाज के लोग तहसील अध्यक्ष राजेश शर्मा, नगर अध्यक्ष सुरेश शर्मा, उपाध्यक्ष चंद्रप्रकाश गौड, सुरेश हरितवाल, महासचिव विष्णु पटेल, कोषाध्यक्ष विकास पुजारी, मीडिया प्रभारी गिरिराज बोहरा, प्रचार प्रसार चेतन जोशी, राजू पटेल, पिंटू टीलावत, व समाज के लोगो सुरेश शर्मा, दुर्गादत्त भारद्वाज गुरुजी, दिनेश शर्मा, गजानंद बोहरा, दीपक पटेल, हितेंद्र पटेल, रामशरण बोहरा, योगेश शर्मा, शुभम टीलावत, विशाल शर्मा, साहिल टीलावत हिमांशु शर्मा, नितेश शर्मा, प्रिंस मिश्रा सहित विप्र समाज के लोग व सर्व समाज के लोग धर्म ध्वजा के साथ उत्साह से निकले।

वहीं यात्रा में अतिथि के रुप में पधारे विधायक इंद्राज गुर्जर, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि गोपाल अग्रवाल, भाजपा नेता महेंद्र शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष जितेंद्र शर्मा, कोटपूतली ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष बजरंग लाल शर्मा सहित आगंतुक अतिथियों का ब्राह्मण महासभा पावटा द्वारा माला, दुपट्टा व भगवान परशुराम की फोटो प्रतिक चिन्ह के रूप में देकर समान किया गया। वही जगदीश पटेल व कुलदीप पटेल द्वारा सभी विप्र बंधुओं को परशुराम की फोटो वितरित की गई। शोभा यात्रा में सबसे आगे विभिन्न क्षेत्रों से आये भक्तों की मोटर साइकिलों का काफिला चल रहा था। उनके पीछे बैंड व ढोल की धुन पर लोग मस्त होकर नाच रहे थे व जय जय परशुराम, जय ब्राह्मण समाज के नारे लगाकर व आतिशबाजी करते हुए चल रहे थे। शोभायात्रा में जगह-जगह परशुराम भगवान की आरती उतारी गई, इस दौरान ब्राह्मण एकता जिंदाबाद के नारे लगाये गये। इस दौरान नगर व तहसील के विप्र बंधुओं सहित लोग भारी संख्या में मौजूद रहे। इस भव्य शोभायात्रा में शामिल विप्र बंधुओं का जगह-जगह समाज सेवी संगठनों राहुल शर्मा द्वारा विप्र बंधुओं व पत्रकारों का स्वागत व समान किया गया। वही स्वर्णकार समाज, एफ एण्ड बीसी क्लब व सैन समाज, संजय गोयल एवं पावटा सहित और कुछ प्रतिष्ठानों द्वारा शोभायात्रा समारोह में शामिल लोगों का स्वागत किया गया और लोगों द्वारा ठंडे पेयजल की व्यवस्थाएं भी की गई थीं।

वही ब्राह्मण महासभा पावटा द्वारा शोभायात्रा का ड्रोन द्वारा पुष्प वर्षा कर जगह- जगह स्वागत किया गया। जुलूस में शामिल जीवंत झांकियों राम दरबार व भगवान परशुराम नें सब का मन मोह लिया। विविध वेश भूषा में बच्चे शोभायात्रा में शामिल हुए। वहीं इस मौके पर भव्य महाआरती भक्तों द्वारा की गई और इसके बाद जय जय परशुराम के जयघोष के साथ जैसे ही शोभायात्रा आगे बढी समूचा मार्ग भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। वही अंत में शोभायात्रा पावटा आदर्श रामलीला मैदान पहुंची, जहां पर समापन हुआ। वही ईद और परशुराम जन्मोत्सव एक साथ होने के कारण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली विद्याप्रकाश के निर्देशन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर संजीव चौधरी के सुपरविजन मे प्रागपुरा थाना प्रभारी सवाई सिंह के नेतृत्व मे प्रागपुरा थाना पुलिस द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के कडे इंतजाम के साथ भारी पुलिस बल भी यात्रा में तैनात रहा।

108 कुण्डीय श्रीमहालक्ष्मी गणेश महायज्ञ में इंद्र देव ने पूर्ण आहुति दी

महायज्ञ के समापन पर संत जनों ने हिस्सा लिया।

- नृसिंह दास महाराज की चरण पादुका को स्थापित किया
- रविदास महाराज की चादरपोशी एवं अन्य पीठाधीश्वर के सानिध्य में यज्ञ सम्पन्न

जयपुर, (निसं)। ग्राम रूण्डल स्थित जमदग्नि परशुराम रेणुका आश्रम में सृष्टि के कल्याणार्थ महंत रविदास महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित 108 कुण्डीय श्रीमहालक्ष्मी गणेश महायज्ञ का समापन महाराज रविदास की चारदपोशी से साथ सम्पन्न हुआ।

भगवान परशुराम जयन्ती के उपलक्ष में सात दिवसीय यज्ञ समारोह के अंतर्गत त्रिवेणीधाम, गलता पीठाधीश्वर, रेवासा धाम, लोहागढ़ धाम एवं अन्य स्थानों के संत जनों ने हिस्सा लिया। सभी पूज्य संतों के आशीर्वाद से कार्यक्रम के अंतिम दिवस इंद्र देव की अमृत वर्षा का पावन प्रसाद रूण्डल ग्राम की जनता को प्राप्त हुआ। यज्ञ के दौरान रविवार को नृसिंहदास महाराज की चरण पादुका की स्थापना रेणुका आश्रम में की गई। महायज्ञ के संयोजक रविदास महाराज ने बताया कि विश्व शांति एवं जन कल्याण के लिए किया गया यज्ञ सभी के जीवन को अर्थ एवं शांति प्रदान करेगा। यज्ञ द्वारा पर्यावरण को भी शुद्ध करने की हमारे वेदों में चर्चा रही है। इसलिए हमारा संकल्प था और आगे भी रहेगा कि समय समय पर आश्रम इस तरहे के यज्ञ का आयोजन करता रहे।

अयोध्या धाम से पधारे यज्ञाचार्य महंत गणेश दास महाराज ने वैदिक मंत्रों के द्वारा महायज्ञ की पूर्णाहुति संत महापुरूषों के सानिध्य में पूर्ण करवाई।

उन्नीसवीं सदी में जब सील के शिकारी मैरिअन आइलैंड पर आए तो अनजाने में ही अनचाहे मेहमान भी साथ ले आए। अब दशकों बाद शिकारियों के साथ आए चूहों के वंशजों ने ऐसा तांडव मचा रखा है कि, इस सब- एंटार्कटिक द्वीप की ''यूनीक वाइल्डलाइफ'' ही नष्ट हो रही है। ये मांसाहारी चूहे द्वीप पर घर बनाने वाली सी बड्र्स के अंडे, बच्चे और यहां तक कि, वयस्क सी बड्र्स को भी खा जाते हैं। इनका तरीका भी बेहद क्रूर है। चूहे पहले पक्षियों की त्वचा को कुतरते हैं फिर उन्हें खा जाते हैं। केपटाउन से 1370 मील दूर मैरिअन आइलैंड में इंसान नहीं रहते पर लाखों सी बड्र्स रहती हैं। जिसमें पैनग्विन की चार प्रजातियाँ और विश्व के टोटल ''वॉण्डरिंग एल्बैट्रॉस'' में से एक चौथाई इसी द्वीप पर हैं। वैज्ञानिकों को चिंता है कि, अगर कोई कदम नहीं उठाया गया तो इस द्वीप से पक्षी लुप्त हो सकते हैं। उनका अनुमान है कि, मैरिअन आइलैंड पर रहने वाली सी बड्र्स की 28 प्रजातियों में से 19 आगामी 30 वर्षों में लुप्त हो जाएंगी। जलवायु परिवर्तन के कारण समस्या और बढ़ रही है। तापमान बढ़ने से चूहों की प्रजनन दर व सरवाइवल रेट बढ़ी है। द्वीप को चूहों से मुक्त करवाने के लिए संरक्षणविदों ने एक महत्वाकांक्षी उन्मूलन प्रोजैक्ट शुरु करने की योजना बनाई है जिसे ''माउस फ्री मैरिअन'' नाम दिया गया है। यह अपनी तरह की विश्व की सबसे बड़ी योजना है। इसके तहत साउथ अफ्रीका से नौका द्वारा हैलीकॉप्टर्स भेजे जाएंगे। पायलट हैलीकॉप्टर्स से द्वीप पर चूहे मारने वाली दवा युक्त गोलियाँ गिराएंगे तथा कुछ दुर्गम स्थानों पर टीम के सदस्य स्वयं गोलियाँ डालेंगे। यह योजना पहले 2020 में शुरु होनी थी पर अब 2025 में शुरु होगी। अन्य द्वीपों पर किए गए ऐसे ही प्रयासों को मिश्रित सफलता मिली है। साउथ जॉर्जिया, जो साउथ एटलांटिक ओशन का ब्रिटिश द्वीप है, अब चूहों से मुक्त है। वर्ष 2011 में यहां 330 टन चूहा मारने वाली दवा गिराई गई थी। इंग्लैंड के ही एक अन्य द्वीप लंडी से भी 2002 -2004 के बीच चूहे भगाए गए थे, अब यहाँ पक्षी लौटने लगे हैं। तथापि, तमाम प्रयासों के बाद भी दक्षिण एटलांटिक के गॉफ द्वीप पर व्यापक चूहा उन्मूलन प्रयासों के परिणाम निराशाजनक रहे हैं। संरक्षणविदों के अथक प्रयासों के बावजूद किसी द्वीप पर हर एक चूहे को मार डालना चूनौतीपूर्ण है।

मालपुरा में दो समुदायों के बीच एक घंटे हुई पत्थरबाजी से तनाव उपजा

पथराव में तीन कांस्टेबल सहित 19 लोग घायल हुये

- **तेज रफ्तार मोटरसाइकिल चलाने की बात पर दो समुदाय हुए आमने-सामने।**
- **घरों में घुसकर किये गये हमले के बावजूद पुलिस ने ना तो लाठी चार्ज किया और ना ही आंसू गैस जैसे सुरक्षा संसाधनों का प्रयोग किया।**
- **टोंक पुलिस लाइन सहित सात थानों व जिला कलेक्टर व एडीएम ने मालपुरा में डाला डेरा।**

मालपुरा, 23 अप्रेल (निसं)। अतिसंवेदनशील मालपुरा कस्बे के पुरानी तहसील में रविवार को दो समुदायों के बीच उपजे तनाव व एक घंटे से अधिक समय तक पुलिस की आंखों के सामने पत्थरबाजों द्वारा दूसरे पक्ष के लोगों पर किये पथराव व घरों में घुसकर किये गये जानलेवा हमले के बावजूद पुलिस ने ना तो लाठी चार्ज किया और ना ही आंसू गैस जैसे सुरक्षा संसाधनों का प्रयोग किया जिसके चलते तीन कांस्टेबल सहित 19 महिला-पुरूष घायल हो गये।

पत्थरबाजों की भीड़ ने दो स्कूल टैम्पों में भी भारी तोड़फोड़ कर आग लगाने का प्रयास किया। मालपुरा अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद एक गंभीर घायल को चिन्ताजनक हालत में जयपुर रैफर किया गया। टोंक पुलिस लाइन सहित सात थानों का भारी पुलिस जाप्ता शहर में चप्पे-चप्पे पर तैनात कर मालपुरा को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया है। मामले के अनुसार रविवार की दोपहर में पुरानी तहसील नागोरी मस्जिद के पास गुर्जरों के मौहल्ले में तेज रफ्तार में बार-बार मोटरसाइकिल दौड़ा रहे युवकों को महिलाओं द्वारा उलाहना दिये जाने के बावजूद बाइक सवार युवकों द्वारा बार-बार तेज रफ्तार मोटरसाईकिल दौड़ाने की हरकत से गुस्साई महिलाओं ने एक बाइक सवार को पकड़ खरी-खोटी सुनाते हुए दो थप्पड़ जड़ दिये।

महिला के हाथ में पहने कड़े की चोट लगने से युवक मामूली चोटिल हो गया। युवक के थप्पड़ जड़ने की मिली जानकारी के बाद गुस्साए एक पक्ष के सैंकड़ों लोगों ने दूसरे पक्ष पर पथराव व हमला शुरू कर दिया। अचानक हुए पथराव व सैंकड़ों की संख्या में उमड़ी भीड़ को देख महिलाओं में चीख-पुकार शुरू हो गई। तो जवाब में मौजूद महिलाओं व कुछ लोगों ने भी पत्थरबाजों पर पथराव शुरू कर दिया। दोनों पक्षों के बीच जमकर हुए पथराव से 200 मीटर सीमा में सड़क व मकानों में पत्थरों का ढेर लग गया।

सूचना पर मौके पर पहुंचे डीवाईएसपी सुशील मान ने महज आधा दर्जन सिपाहियों के साथ पत्थरबाजों से समझाईश व रोकने का भरकस प्रयास किया। लेकिन पुलिस को देखकर पत्थरबाजों का आक्रोश कम नहीं हुआ। लगातार होते रहे पथराव से डीवाईएसपी बाल-बाल बच गये। लेकिन पथराव में कांस्टेबल रामजीलाल शर्मा पुत्र मूलचन्द शर्मा, पुखराज पुत्र धर्मा, नाथु लाल घायल हो गये तो वहीं प्रेमचंद पुत्र रिद्धकरण गुर्जर के पांव में चाकू से वार किया गया। सुरजकरणी पत्नी रिद्धकरण, नाथु पुत्र भैरू गुर्जर, रतनी पत्नी नाथु गुर्जर, अयोध्या पत्नी रामदेव गुर्जर, फोरंता पत्नी राजू गुर्जर, कमला पत्नी काना गुर्जर, बिरधा पत्नी हरजी गुर्जर, मौसमी पत्नी जगदीश गुर्जर, गोगाराम पुत्र रिद्धकरण, संतोष पत्नी हेमराज बैरवा, सपना पुत्री सुखलाल, रोशनी पत्नी राजू, राकेश कुमार, सोहदरा, नर्बदा, नोरत माली, रंगलाल माली, ओमप्रकाश घायल हो गये। सभी घायलों को परिजनों ने मालपुरा अस्पताल में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर घायल नाथु गुर्जर को चिन्ताजनक हालत में जयपुर रैफर किया गया।

मालपुरा में उपजे साम्प्रदायिक तनाव की घटना के बाद टोंक पुलिस लाइन, पीपलू डीवाईएसपी, देवली डीवाईएसपी सहित सात थानों का पुलिस जाप्ता शहर में तैनात किया गया है। जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल, एडीएम शिवचरण मीणा, एसडीएम महिपाल सिंह, एएसपी राकेश कुमार बैरवा, डीवाईएसपी सुशील मान, तहसीलदार सहदेव मंडा, जिला परिषद अधिकारी देशल दान ने सम्पूर्ण घटनाक्रम का फीडबैक ले आमजन से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील करते हुए मोर्चा सम्भाला। रात दस बजे समाचार लिखे जाने तक शहर में हालात शांतिपूर्ण तनाव के रहे। देर रात अजमेर रेंज आईजी रुपेन्द्र सिंह एवं संभागीय आयुक्त बीएल मेहरा ने घटना स्थल का जायजा लिया। हालांकि पुलिस प्रशासन के द्वारा इतने बड़े साम्प्रदायिक तनाव की घटना के बावजूद एक भी गिरफतारी नहीं हो सकी।

पायलट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्रवाई नहीं हुई है, इसलिए फिर से आग्रह कर रहा हूं। 2013 से 2018 के बीच जब लोगों के बीच गए तो मुद्दा ये था कि, वसुंधरा के भ्रष्टाचार को खोलेंगे। पायलट ने कहा कि, हमारे प्रभारी रंधावा साहब संजीदा और समझदार व्यक्ति हैं। रंधावा साहब बाकी सब रिपोर्ट दे रहे हैं तो यह रिपोर्ट भी बनानी चाहिए कि, हमारे मंत्री और विधायकों पर कई तरह के आरोप लगे हैं, तो कहीं ना कहीं उससे पार्टी और सरकार की छवि को ठेस पहुंच सकती है। उसका भी संज्ञान लेकर खड़गे साहब और एआईसीसी के नेताओं तक पहुंचाना चाहिए, ताकि कार्रवाई करें।

कोई कितना बड़ा व्यक्ति हो, किसी पद पर बैठा हो, किसी का चहेता हो, किसका दुश्मन हो, लेकिन अगर कहीं जांच के बाद तथ्य आते हैं तो हमें कार्रवाई करने से परहेज नहीं करना चाहिए, क्योंकि सरकार में बैठे लोग भेदभाव नहीं कर सकते। निष्पक्षता से काम करना पड़ेगा।

मंत्री महेश जोशी पर आरोप लगाकर जान देने वाले रामप्रसाद मामले में पायलट ने कहा कि, मौत से पहले दिया गया बयान कोर्ट में मान्य होता है। जांच तो होनी चाहिए। हर व्यक्ति के नैतिकता के पैमाने अलग-अलग होते हैं। कौन इस्तीफा देता है, नहीं देता है, इस्तीफा लेते हैं, नहीं लेते हैं, यह मेरा सब्जेक्ट नहीं है, लेकिन जांच होनी चाहिए। जब इस तरह नाम आता है तो एक गंभीर मुद्दा हो जाता है और इस पर बहुत गहराई से जांच हो। सच्चाई तक हम पहुंचें। कोई दोषी है तो उसे सजा मिलनी चाहिए।

बताया जाता है कि, सचिन पायलट ने अनशन को लेकर अपना स्टैंड दोहराते हुए कहा कि, बीजेपी राज के करप्शन पर जांच और कार्रवाई की मांग करना कांग्रेस विरोधी गतिविधि कैसे हो गया? इसी बात को दोहराते हुए उन्होंने रविवार को कहा कि, मैंने भाजपा राज के भ्रष्टाचार की बात की, यह तो पार्टी के हित में था।

हैलिकॉप्टर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैलिकॉप्टर की विंग्स की चपेट में आ गये।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अमित सैनी की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है।

राजेन्द्र राठौड़ के जन्मदिवस पर एकत्रित रक्तदान ने बनाया देश में कीर्तिमान

- **नेता प्रतिपक्ष के जन्मदिन पर रक्तदान सप्ताह में सबसे ज्यादा लोगों द्वारा रक्तदान किया, यह उपलब्धि इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हुई।**

जयपुर, 23 अप्रेल (का.सं.)। नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के जन्मदिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में शामिल किया है। इसका आयोजन मॉर्डन स्कूल मानसरोवर में हुआ और नेता प्रतिपक्ष ने यह अवार्ड प्राप्त किया। उनके जन्मदिवस के अवसर पर 15 अप्रैल से 21 अप्रैल तक जो रक्तदान सप्ताह मनाया गया। उसमें सबसे ज़्यादा लोगों द्वारा रक्तदान किया जाना देश के इतिहास में एक रिकॉर्ड बन गया है।

मानव सेवा सप्ताह के संयोजक वासुदेव चावला और सह संयोजक प्रशांत टावरी ने बताया कि नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ का जन्मदिवस मानव सेवा सप्ताह के रूप में मनाया गया था, जिसमें 400 ब्लड डोनेशन कैम्पों के माध्यम से 69,608 हजार से अधिक यूनिट ब्लड एकत्रित हुआ था। उन्होंने बताया कि इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के पास एक निपुण टीम है जो अंतर्राष्ट्रीय प्रोटोकॉल के अनुसार दिन रात काम कर साक्ष्य इकट्ठे करती है। उसके बाद ही इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में किसी भी उपलब्धि को निष्पक्षता के साथ शामिल किया जाता है। इस बुक में नाम शामिल होना कम बात नहीं है,क्योंकि इसकी प्रतिष्ठा और निष्पक्षता का विदेश भी कायल है। इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स से संबद्ध है। जिसमें शामिल होना एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा जाता है। राठौड़ ने यह कीर्तिमान क़ायम करने के बाद कहा कि ये राजस्थान के अपनों का प्यार है जिनके लिए उन्हें अपनी जान भी देनी पड़े तो वे पीछे नहीं हटेंगे।

उन्होंने बताया कि मैं पहली बार जब चिकित्सा मंत्री बना, तब एस.एम.एस. में एक अंत्योदय अनुसूचित जाति के व्यक्ति को ब्लड की ज़रूरत थी। ब्लड बैंक में उसके ग्रुप का ब्लड उपलब्ध नहीं था। संयोगवश मैं एस.एम.एस. दौरे पर था। मुझे पता लगा तो मैंने पूछा इसका ब्लड ग्रुप क्या है। चिकित्सकों ने बताया ओ पोज़िटिव। तो मैंने कहा यही तो मेरा है। मैंने एक क्षण भी नहीं लगाया और उस अपरिचित निर्धन को मैंने ब्लड दिया। मेरे इस छोटे से प्रयास से उसकी जान बच गई। मैंने चिकित्सकों से कहा इसे मेरे बारे में मत बताना। उस घटना के बाद से ही मैं किसी न किसी बहाने रक्तदान शिविर लगवाने लगा। मेरी इस मिशन के बारे में जब सब कार्यकर्ता जान गए तो वे मेरे जन्मदिवस पर यह आयोजन रखने लगे और आज जीवन बचाने का यह सफ़र इस मुक़ाम तक पहुँच गया।

खालिस्तान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अमृतपाल के समर्थन में किसी तरह के प्रदर्शन की आशंका को देखते हुए सामान्य सुरक्षा भी कड़ी कर दी गई है। अमृतपाल की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने स्वर्ण मंदिर, अकाल तख्त और अमृतपाल के पैतृक गांव जल्लूपुर खेड़ा के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी है।

भगोड़े कट्टरपंथी उपदेशक और खालिस्तान नेता अमृतपाल सिंह के दो और सहयोगियों को 18 अप्रैल को पंजाब और दिल्ली पुलिस के एक संयुक्त अभियान में पंजाब के मोहाली में गिरफ्तार किया गया था। अमृतपाल और उनके सहयोगियों पर वर्गों के बीच वैमनस्य फैलाने, हत्या के प्रयास, पुलिस कर्मियों पर हमले और कर्तव्य के वैध निर्वहन में बाधा उत्पन्न करने से संबंधित कई आपराधिक मामलों के तहत मामला दर्ज किया गया था। अमृतपाल 18 मार्च से फरार चल रहा था जब उसके और उसके संगठन वारिस पंजाब दे के खिलाफ पुलिस कार्रवाई शुरू की गई थी।

आंधी और तूफान के बीच मंत्रालयिक कर्मचारी महापड़ाव में डटे रहे

- **महासंघ का महापड़ाव सातवें दिन भी जारी, मंहगाई राहत शिविरों का बहिष्कार जारी रहेगा।**

जयपुर, 23 अप्रेल (का.प्र.)। राजस्थान राज्य मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ के आव्हान पर जारी सामूहिक अवकाश के साथ महापड़ाव आज सातवें दिन भी जारी रहा। आंधी और तूफान में भी कर्मचारी महापड़ाव में डटे रहे। आज महापड़ाव स्थल शिप्रा पथ मानसरोवर जयपुर पर कांग्रेस के सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी पुष्पेंद्र भारद्वाज महापड़ाव में पहुँचकर मंत्रालयिक कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि, मंत्रालयिक कर्मचारियों की जो प्रमुख मांगे हैं वो जायज हैं। जिन पर अतिशीघ्र मुख्यमंत्रीजी से बात कर आपसे चर्चा कराई जायेगी, मांग के पक्ष में निर्णय कराया जायेगा।

प्रदेशाध्यक्ष राजसिंह चौधरी ने कहा कि, मंत्रालयिक कर्मचारी पिछले 30 वर्षों से समानांतर कैडरों के समकक्ष वेतनमान एवं समान भर्ती की योग्यता की बात कर रहा है। प्रदेश महामंत्री वीरेंद्र दाधीच ने बताया कि, कांग्रेस सरकार द्वारा वर्ष 2013 में कनिष्ठ सहायकों के वेतनमान में बढ़ोतरी करते हुए ग्रेड पे में बढ़ोतरी की थी लेकिन विगत भाजपा सरकार द्वारा वर्ष 2017 में पुन: छीनकर वेतनमान का पुन: निर्धारण करते हुए प्रत्येक मंत्रालयिक कर्मचारी को लगभग 6000 रुपये से आधिक का नुकसान पहुंचाया जिसे पुन: बहाली की मांग कर रहे हैं। राजस्व विभाग के मंत्रालयिक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष शंभु सिंह राठौड़ ने भी राजस्व विभाग के मंत्रालयिक कर्मचारियों के पदौन्नति के 25 फीसदी कोटे को समाप्त करने का विरोध करते हुए कहा कि, सरकार राजस्व पटवार संघ के दबाव में 25 फीसदी कोटे को समाप्त करना चाहती है जिसका राजस्व मंत्रालयिक कर्मचारी विरोध कर रहा है, सभा में सभी 33 जिलों के जिला अध्यक्ष एवं तहसील अध्यक्ष के साथ जयपुर शहर के 50 विभागों के अध्यक्ष एवं हजारों की संख्या में मंत्रालयिक कर्मचारी उपस्थित रहे। महासंघ के जयपुर जिला अध्यक्ष मुकेश मुदगल ने बताया कि, सामूहिक अवकाश के साथ महापड़ाव जब तक जारी रहेगा तब सरकार मांगों के लिखित आदेश जारी नहीं कर देती है।

पहलवानों के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन अभी तक उनकी प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है।

गौरतलब है कि भारतीय कुश्ती महासंघ के खिलाफ अपनी शिकायतों को लेकर पहलवान जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे हैं। भारतीय पहलवान और ओलंपियन बजरंग पूनिया ने बताया, ''अभी तक कुछ हुआ नहीं है, यही कारण है। कनॉट प्लेस थाने में शिकायत भी दी है। दिल्ली पुलिस उस पर अपनी कार्रवाई करेगी।'' स्वाति मालीवाल ने पुलिस को जो नोटिस दी है, दिल्ली महिला आयोग को भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की ओर से महिला पहलवानों के यौन शोषण की शिकायत प्राप्त हुई थी।

यौन उत्पीड़न ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ये कह रहे हैं।

अपनी बात कहते-कहते साक्षी मलिक इमोशनल हो गईं। उन्होंने कहा कि, हम कुश्ती का और अपने आगे आने वाले खिलाड़ियों का फ्यूचर दांव पर नहीं लगा सकते हैं। इन 7 लड़कियों में इंटरनैशनल खिलाड़ी भी शामिल हैं, नाम नहीं बता सकते। कहा जा रहा है कि, हमने सबूत नहीं दिया। बृजभूषण शरण सिंह से सबूत क्यों नहीं लिया गया। पीड़ित लड़कियों की पूरी लाइफ सवाल है, अगर लड़की सामने आकर खड़ी हो जाएगी तो उसकी क्या लाइफ बचेगी।

जयपुर में पुलिया पर पैट्रोल छिड़कर कोर्ट के मुंशी ने आत्मदाह किया

करधनी इलाके में रविवार को दोपहर तीन बजे जयपुर-दिल्ली एक्सप्रेस हाईवे पर बैनाड़ पुलिया के ऊपर की घटना

- **मृतक जयपुर के मुरलीपुरा इलाके में दादी का फाटक के पास फ्लैट में परिवार सहित रहता था और उसकी पत्नी भी वकील हैं।**
- **सूत्रों के अनुसार उसने कई लोगों से पैसे ले रखे थे साथ ही कुछ पारिवारिक विवाद भी बताया जा रहा है।**
- **काफी समय पहले उसका ओडिशा में एक्सीडेंट हो गया था। इसके बाद से वह करीब दस साल से बीमार चल रहा था।**

जयपुर, 23 अप्रेल (कासं)। राजधानी जयपुर के करधनी इलाके में रविवार को दोपहर तीन बजे जयपुर-दिल्ली एक्सप्रेस हाईवे पर बैनाड़ पुलिया के ऊपर एक कोर्ट के मुंशी ने पैट्रोल छिड़कर खुद को आग लगा ली। इस दौरान उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पुलिस के अनुसार देवेंद्र शर्मा (45) मूलत: रींगस का रहने वाला था। जयपुर में वह मुरलीपुरा इलाके में दादी का फाटक के पास फ्लैट में परिवार सहित रहता था। पेशे से वह कोर्ट में मुंशी का काम करता था। उसकी पत्नी वकील हैं। रविवार दोपहर को करीब एक बजे वह अपनी कार लेकर घर से निकला था। इसके बाद दोपहर तीन बजे वह करधनी इलाके में जयपुर-दिल्ली एक्सप्रेस हाईवे पर बैनाड़ पुलिया के ऊपर पहुंचा। यहां उसने गाड़ी से उतरने के बाद बोतल में रखा पैट्रोल खुद के ऊपर छिड़क लिया और आग लगा ली। आसपास से गुजर रहे लोग जब तक अपनी गाड़ी रोक कर उसे बचाने पहुंचे, तब तक वह पूरी तरह जल चुके था।

पुलिस ने बताया कि जहां पर मृतक ने आत्मदाह किया, वहां से उनका घर दिखाई देता है। वहां से करीब 500 मीटर की दूरी पर उसका घर है। घटना की जानकारी मिलने पर मृतक के भाई ने मौके पर पहुंचकर उसकी पहचान की। पुलिस ने एफएसएल जांच के बाद शव को एसएमएस हॉस्पिटल भेज दिया जहां उसका पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि मृतक ने आत्मदाह के लिए यही जगह क्यों चुनी। पुलिस ने उसके मोबाइल को जब्त कर लिया है। पुलिस मोबाइल की कॉल डिटेल खंगाली रही है। उसी से पता चलेगा कि उसने घटना से पहले किस किससे बात की थी और उसका कया मूवमेंट क्या रहा था। पुलिस आसपास के पंपों पर भी पूछताछ कर रही है।

सूत्रों के अनुसार मृतक देवेन्द्र की की किसी से दुश्मनी नहीं थी। हालांकि उसका कुछ पारिवारिक विवाद जरूर चल रहा था। इसके अलावा उसने कई लोगों से पैसे ले रखे थे। इसके लिए देनेदारों के उसके पास तगादे के लिए फोन आते थे। उसने दादी के फाटक के पास जो फ्लेट ले रखा था उसका भी लोन बकाया था। काफी समय पहले उसका उड़ीसा में एक्सीडेंट भी हो गया था। इसके बाद से वह करीब दस साल से बीमार भी चल रहा था। साथ वह डिप्रेशन में भी था। उसके तीन बजे बच्चे है। इनमें एक लड़का और दो लड़की। उसका लड़का उदयपुर में पढ़ता है। एक लड़की जयपुर में जॉब करती है। वहीं एक बच्ची मंदबुद्धि है। उसने अपनी पत्नी को कोर्ट लाने और ले जाने के लिए एक लड़का भी रखा हुआ था। सूत्रों के अनुसार उसने एक भगवा रक्षा दल भी बना रखा था। जिसका वह खुद ही अध्यक्ष था।

आत्महत्या से 6 घंटे पहले उसने फेसबुक पर पोस्ट भी किया। इसमें लिखा कि मुझे ऐसे लोगों की ज़रूरत है, जो भगवा रक्षा दल का प्रचार-प्रसार कर सकें। साथ ही दल को मजबूती प्रदान करने में आर्थिक सहायता भी कर सकते हैं। क्योंकि पद तो सबको चाहिए, लेकिन जिम्मेदारी सौंपी जाए उसको उठाने का कोई प्रयास नहीं करता है। फायदे सबको चाहिए। भगवा रक्षा दल के नाम का कुछ लोगों द्वारा गलत तरीके से इस्तेमाल किया गया। इसलिए थोड़े समय पहले मैंने समस्त कार्यकारिणी भंग कर दी थी। कुछ चुनिंदा लोगों को वर्तमान में जिम्मेदारी सौंपी गई है। वो राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य थे, इसलिए उन्हें जिम्मेदारी सौंपी गई थी। अब उसमें बदलाव की जरूरत महसूस हो रही है। जो भगवा रक्षा दल के प्रति उदासीन रहेगा, उसकी मुझे कोई जरूरत नहीं है।

'राजस्थान राइट टू हैल्थ गैर जिम्मेदाराना लोक लुभावन ...

- **यह एक्ट लाने वाले, सरकारी अस्पतालों से भी इसी प्रकार की वचनबद्धता की अपेक्षा कर रहे हैं, जहां डॉक्टरों तथा मैडिकल स्टाफ पर उनकी क्षमता से अधिक काम रहता है तथा जो काम के बोझ से बुरी तरह दबे रहते हैं।**
- **जहां तक निजी अस्पतालों का प्रश्न है, यह बिल उन्हें अन्य राज्यों में भेजने का सुनिश्चित उपाय है।**
- **क्या निजी मैडिकल कॉलेज तथा ट्रस्ट द्वारा संचालित अस्पताल भविष्य में अन्य राज्यों में चले जाना पसंद नहीं करेंगे?**
- **क्या सरकारी तथा छोटे निजी अस्पताल इस अधिनियम द्वारा देय व्यापक अधिकारों को सच्चे अर्थों में पूरा कर पाने के लिए पर्याप्त होंगे?**
- **क्या राजस्थान, जिसके पास राइट टू एजुकेशन के तहत, निजी स्कूलों में प्रवेश लेने वाले आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के 25 प्रतिशत कोटा के लिए भी संसाधनों की कमी सामने आ रही है, के पास इतने संसाधन हैं कि, वह मरीजों को निःशुल्क दी गयी चिकित्सा सुविधा के लिए निजी अस्पतालों को भरपाई कर सकेगा?**
- **राज्य का कोई भी निवासी, निजी अस्पतालों को, उनके द्वारा उपलब्ध कराई गई किसी भी सेवा के लिए भुगतान क्यों करेगा, जबकि, नए अधिनियम में उसे निःशुल्क चिकित्सा की गारंटी दी गई है।**

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाहिर है, और हैरानी वाली बात भी नहीं है कि विधानसभा द्वारा पारित राइट टू हैल्थ बिल के क्रियान्वयन का पूरा भार मौजूदा अस्पतालों पर डाल दिया गया है। जहां तक सार्वजनिक अस्पतालों का प्रश्न है, ये सभी रोगियों के आऊटडोर एवं इनडोर विभाग सेवाएं, जांचे, आपातकालीन आवागमन लेजाना, चिकित्सा प्रक्रिया तथा आपातकालीन चिकित्सा सुविधा नि:शुल्क उपलब्ध कराने के लिए बाध्य हैं। जहां तक निजी अस्पतालों का प्रश्न है, यह बिल इन्हें किसी प्रकार के भुगतान एवं पुलिस क्लियरेंस के बिना ही, सभी लोगों को आपातकालीन चिकित्सा सुविधा, जिसमें प्रसव- सुविधा एवं इलाज भी शामिल है, उपलब्ध कराने के लिए बाध्य करता है। इसके अतिरिक्त, राज्य के निवासियों को किसी भी अस्पताल से नि:शुल्क चिकित्सा सेवाएं प्राप्त करने का भी प्रावधान है एक्ट में।

यह एक्ट लाने वाले सरकारी अस्पतालों से भी इसी प्रकार की वचनबद्धता की अपेक्षा कर रहे हैं, जहां डॉक्टरों तथा मेडिकल स्टाफ पर पहले से ही उनकी क्षमता से अधिक कार्यभार रहता है तथा जो काम के बोझ से बुरी तरह दबे रहते हैं। जहां तक निजी अस्पतालों का प्रश्न है, यह बिल उन्हें राजस्थान छोड़कर अन्य राज्यों में जाने को बाध्य करने का सुनिश्चित उपाय है। यह बिल्कुल आश्चर्यजनक नहीं था कि राजस्थान के सभी निजी अस्पतालों ने, इस बिल के विधानसभा में पारित होने से पहले ही हड़ताल पर जाने का निर्णय ले लिया था।

निजी अस्पतालों के पूर्ण शटडाऊन के 17 दिन बाद, राज्य सरकार 4 मार्च को समझौता टेबल पर आई तथा हड़ताल कर रहे डॉक्टरों की प्रमुख तथा मूल मांगे (हालांकि पूरी नहीं) मान लीं। सरकार इस बात पर सहमत हो गयी कि वे सभी मल्टी स्पेशियलिटी निजी अस्पताल इस कानून से बाहर रहेंगे, जो 49 या इससे कम शय्या वाले हैं, तथा जिन अस्पतालों ने जमीन या भवन के रुप में सरकारी सहायता नहीं ली है, अर्थात ये चीजें रियायती दर पर प्राप्त नहीं की हैं। लेकिन यह कानून इन प्राइवेट मेडिकल कॉलेज अस्पतालों तथा पीपीपी मोड पर स्थापित अस्पतालों पर लागू होगा जिन्हें जमीन रियायती दर पर दी गयी है तथा जो ट्रस्टों द्वारा संचालित हैं।

लेकिन यह समझौता भी कई सवाल खड़े करता है। क्या निजी मेडिकल कॉलेज तथा ट्रस्ट संचालित अस्पताल भविष्य में अन्य राज्यों में चले जाना पसंद नहीं करेंगे? क्या सरकारी अस्पताल और इसमें शामिल निजी अस्पताल इस अधिनियम द्वारा देय व्यापक अधिकारों को सच्चे अर्थों में प्रदान कर पाएंगे? क्या राजस्थान, जिसके पास राइट टू एजुकेशन के तहत, निजी स्कूलों में प्रवेश लेने वाले आर्थिक रुप से कमजोर वर्ग के बच्चों के 25 प्रतिशत कोटा के लिए भी संसाधनों की कमी सामने आ रही है, के पास इतने संसाधन हैं कि वह मरीजों को नि:शुल्क दी गयी चिकित्सा सुविधा के लिए निजी अस्पतालों को इलाज के खर्च का भुगतान कर सकेगा? राज्य का कोई भी निवासी निजी अस्पतालों को उनके द्वारा उपलब्ध कराई गयी किसी भी सेवा के लिए भुगतान क्यों करेगा, जब नये अधिनियम में उन्हें नि:शुल्क चिकित्सा की गारंटी दी गयी है।

ऐसी लोक-लुभावन योजनाओं जिन पर निरन्तर तथा बहुत बड़ा खर्च होता रहता है, विचार करते समय सरकारों पर बड़ी जिम्मेवारी होती है। कार्यकाल के अंत के आस-पास, अगर चुनावों के बाद सत्ता से हट जाने की संभावना दिखाई दे रही हो, तो ऐसी योजनाओं के प्रति इस उम्मीद में, एक अतिरिक्त लोभ-लालच पैदा होने लगता है कि हो सकता है कि यह योजना संभावित पराजय को विजय में बदल दे। लेकिन नागरिक वर्ग के व्यापक हित में इस प्रकार के प्रलोभन को रोका ही जाना चाहिए।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

17.78 cm SmartPlay Studio
(Available from Zeta variant onwards)

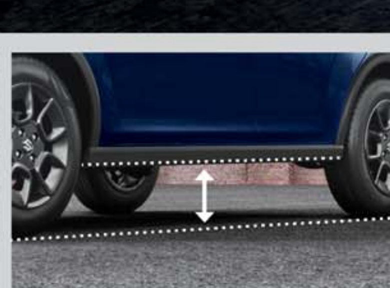
High Ground Clearance
and SUV-like Stance

Auto Gear Shift

Spacious and Comfortable Interiors

1.2L VVT Petrol Engine

NEXA Safety Shield
Standard Across All Variants

- DUAL FRONT AIRBAGS
- ABS WITH EBD
- PEDESTRIAN PROTECTION COMPLIANCE
- COMPLIANT WITH -
  - FULL FRONTAL IMPACT
  - FRONTAL OFFSET IMPACT
  - SIDE IMPACT

Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black Glass Shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only.

VISIT YOUR NEAREST NEXA DEALERSHIP OR LOG ON TO www.nexaexperience.com TO AVAIL EXCITING OFFERS.

Contact us at
1800-200-[6392]
1800-102-[NEXA]
www.nexaexperience.com
NOW YOU CAN ALSO BOOK ONLINE

JAIPUR: NEXA VKIA SIKAR ROAD (SATNAM MOTOCORP PVT. LTD. PH: 9116639102), **NEXA QUEENS ROAD** (KP AUTOMOTIVES PH: 7230030501), **NEXA TONK ROAD** (PREM MOTORS PVT. LTD. PH: 8058499999), **NEXA AJMER ROAD** (VIPUL MOTORS PVT. LTD. PH: 9116032607), **NEXA MANSAROVAR** (AURIC MOTORS PH: 8929207442, 7075270752), **AJMER: NEXA MAKHUPURA** (NAVNEET MOTORS PH: 9116116501, 9116116502), **ALWAR: NEXA MANHAR VILLA** (FORTUNE CARS PH: 7230029424), **BHIWADI: NEXA BHIWADI CENTRAL** (FORTUNE CARS PH: 9214794313), **BHILWARA: NEXA SUKHADIA CIRCLE** (CHAMPION CARS PH: 8081133333), **BIKANER: NEXA JAIPUR ROAD** (AURIC MOTORS PH: 7230081665), **JHUNJHUNU: NEXA JHUNJHUNU CENTRAL** (AURIC MOTORS PH: 7412087314), **JODHPUR: NEXA CHOPASNI ROAD** (LMJ SERVICES LTD. PH: 7230013811), **NEXA SHASTRI CIRCLE** (AURIC MOTORS PH: 8875012697), **PALI: NEXA PALI SUMERPUR ROAD** (LMJ SERVICES PVT. LTD. PH: 7230013801), **KOTA: NEXA AERODROME CIRCLE** (BHATIA & COMPANY PH: 9414079018), **JHALAWAR: NEXA JHALAWAR SOUTH** (BHATIA & COMPANY PH: 9116108619), **NAGAUR: NEXA BIKANER ROAD NAGAUR** (SHRI MANGALAM AUTO PVT. LTD. PH: 6399292929), **BHARATPUR: NEXA BHARATPUR CENTRAL** (TM MOTORS PVT. LTD. PH: 9785838888), **SIKAR: NEXA SIKAR JAIPUR ROAD** (JAMU AUTOMOBILES PVT. LTD. PH: 9694412777), **SRI GANGANAGAR: NEXA GANGANAGAR NORTH** (AURIC MOTORS PH: 7412092301), **UDAIPUR: NEXA GOVERDHAN VILAS** (TECHNOY MOTORS PH: 9116007250, 8306300695), **NEXA CENTRAL UDAIPUR** (NAVNEET MOTORS PH: 7665016580), **DAUSA: NEXA JAIPUR AGRA BYPASS DAUSA** (VIPUL MOTORS (P) LTD. PH: 9829560109), **CHITTORGARH: NEXA CHITTORGARH CENTRAL** (TECHNOY MOTORS PH: 9116007250).

*Finance scheme details mentioned above are at the sole discretion of financier and terms and conditions as specified by the financier shall apply. For more details, please contact your nearest NEXA dealership. Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Offers vary across variants. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice.

Scan to know more.

SMART FINANCE
AN ONLINE END-TO-END CAR FINANCE SOLUTION

- Multiple financiers
- Digital Document Upload
- Live Loan status
- Complete transparency (associated fees & charges)